रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:51 | शनिवार,25 अक्टूबर | ₹5

ब्रीफ न्यूज

चुनाव में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को मिलेगी जरूरी सुविधाएं

एजेंसी

नई दिल्ली : चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा और अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में होने वाले उपचुनावों के लिए मतदान के दिन न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित कराने के लिए प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं में पेयजल, प्रतीक्षालय, जल सुविधा, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं के लिए उचित ढलान वाले रैम्प, मानक मतदान कक्ष और उचित संकेतक शामिल हैं। आयोग के निदेर्शानुसार मतदाताओं की जागरूकता के लिए, सभी मतदान केंद्रों पर चार समान और मानकीकृत मतदाता सुविधा पोस्टर (वीएफपी) प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें मतदान केंद्र का विवरण, उम्मीदवारों की सूची, क्या करें और क्या न करें, अनुमोदित पहचान दस्तावेजों की सूची और मतदान प्रक्रिया की जानकारी शामिल होगी।

नीतीश ने छठ पर राज्यवासियों को दी बधाई

एजेंसी

पटना : पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है। मुख्यमंत्री श्री कुमार ने कहा है कि लोक आस्था का यह महापर्व आत्मानुशासन का पर्व है, जिसमें लोग आत्मिक शुद्धि और निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर भगवान भास्कर से राज्य की प्रगति, सुख, समृद्धि, शांति और सौहार्द्र के लिये प्रार्थना की है तथा राज्यवासियों से अपील की है कि वे इस महापर्व को मिल-जुलकर आपसी प्रेम, पारस्परिक सद्भाव और शांति के साथ मनायें।

पटना स्टेशन पर गूंजने लगे छठ के गीत

एजेंसी

पटना : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के गीत 30 से अधिक रेलवे स्टेशनों की उद्घोषणा प्रणालियों से गूंज रहे हैं, जो न केवल यात्रियों के मन को छूने वाला अनुभव बन रहा है, बल्कि उन्हें बिहार की सोंधी संस्कृति से भी जोड़ रहा है। इस वर्ष भारतीय रेल ने छठ के इस अवसर को और भी खास बना दिया है। विशेषकर महिला यात्रियों को इन गीतों को गुनगुनाते हुए भी देखा जा सकता है। भारतीय रेल ने इस प्रकार का प्रयोग पहली बार किया है। हर साल छठ पूजा के दौरान लाखों की संख्या में बिहार और उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में लोग अपने घरों की ओर लौटते हैं। अपने परिवार के साथ छठ पूजा मनाने जाने वाले लोगों के लिए इस वर्ष भारतीय रेल ने 12000 से अधिक विशेष ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को उनके घर शहर पहुंचने का जिम्मा लिया है।

रंगारंग कार्यक्रमों के बीच रांची में चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू

सीएम हेमंत ने किया उद्घाटन, बोले- आज झारखंड गौरवान्वित है

26 अक्टूबर तक चलनेवाली चैंपियनशिप में 111 पदक दांव पर

संवाददाता

रांची।बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में चौथी साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (सैफ)-2025 शुक्रवार को शुरू हो गई। देर शाम रंगारंग कार्यक्रमों के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में छह देशों से पहुंची खेल प्रतिभाओं की मेजबानी करते हुए झारखंड गौरवान्वित है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह चैंपियनशिप केवल खेल कामंच नहीं, बल्कि दक्षिण एशियाई देशों के बीच एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने

खिलाड़ियों से अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन और खेल भावना बनाए रखने का आग्रह किया। तीन

दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में दक्षिण एशिया के छह देशों भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका के लगभग 300 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। भारत की टीम में 70 से अधिक खिलाड़ी शामिल हैं, जो 37 स्पधाओं में पदक की चुनौती पेश करेंगे। 26 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतिस्पर्धा में 111 पदक दांव पर होंगे। चैंपियनशिप के उद्घाटन के मौके पर 500 कलाकारों की टीम ने झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं पर आधारित शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। उद्घाटन समारोह में सभी छह देशों के एथलीटों ने स्टेडियम में शानदार मार्चपास्ट किया। टीम इंडिया के खिलाड़ी तिरंगा लिए गर्व के साथ आगे बढ़े। उनके आत्मविश्वास और जोश ने स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का दिल जीत लिया।

बिहार विधानसभा चुनाव : पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी अभियान का समस्तीपुर से किया आगाज

नई रफ्तार से चलने लगेगा बिहार, जब फिर से आएगी एनडीए की सरकार : प्रधानमंत्री

पीएम ने जोर देकर कहा, नीतीश के नेतृत्व में सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग

एजेंसी

पटना :शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज किया। अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। जनसभा से पहले जननायक कपूर्री ठाकुर के गांव में जाकर प्रधानमंत्री ने उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। दोनों जनसभाओं में उन्होंने कांग्रेस और राजद पर जोरदार हमला बोला। प्रधानमंत्री ने महागठबंधन को 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि इन दलों के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। मोदी ने कहा,बिहार 'जंगलराज' को दूर रखेगा और सुशासन के लिए वोट देगा। नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी राजग (एनडीए) सरकार। यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं।

- मोदी ने विपक्षी महागठबंधन को बताया 'महालठबंधन', लोगों से की बचने की अपील
- कांग्रेस-राजद पर झमुमो और वीआईपी को धोखा देने का लगाया आरोप
- जमानत पर छूटे लोगों की बातों और वादों पर भरोसा नहीं करेगी यहां की जनता
- 'जंगलराज' को दूर रखकर सुशासन के लिए वोट करने का किया आह्वान

आधुनिक उपकरण उपलब्ध, 'लालटेन' की क्या जरूरत

सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा

नीतीश चाचा को भाजपा ने हाईजैक कर लिया : तेजस्वी

एजेंसी

पटना : शुक्रवार से नेता प्रतिपक्ष और 'इंडिया' गठबंधन के सीम फेस तेजस्वी यादव ने ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार शुरू कर दिया। सबसे पहले वो सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। कहा, बिहार सबसे पिछड़ा राज्य है। मेरे दिल में हमेशा ये दर्द रहता है। मेरी उम्र कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की। मुझे सिर्फ एक मौका चाहिए। मैंने आपसे जो वादे किए हैं, सब पूरे कर दूंगा। नीतीश चाचा को तो बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है। अमित शाह ने कह दिया है कि चुनाव के बाद विधायक लोग मिलकर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बदलने का समय आ गया है। सभी समाज के लोगों को हमलोग साथ लेकर चलना चाहते हैं। एक नई सरकार, नया बिहार बनाना हैं। हमारी सरकार बनी तो बिहार देश का पहला राज्य होगा, जहां हर परिवार में सरकारी नौकरी होगी। हम केवल सीएम और सरकार बनाने के लिए नहीं जुटे हैं, बल्कि नया सहरसा, नया बिहार बनाने के लिए जुटे हैं। बिहारी होने के नाते तेजस्वी के दिल में एक दर्द है, हमारा बिहार सबसे पिछड़ा है, गरीब है। यहां पलायन सबसे ज्यादा है, बेरोजगारी चरम पर है। भ्रष्टाचारअ पराध चरम पर है दो गुजराती मिलकर बिहार को बदनाम और गुलाम बनाना चाहते हैं, लेकिन बिहारी किसी बाहरी से नहीं डरते।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी,तो पढ़ाई, दवाई, कमाई और सुनवाई वाली सरकार बनेगी। भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह शासन देना हमारी प्राथमिकता होगी।

दर्दनाक : कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास हुआ हादसा, 39 लोग थे सवार

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

एनएच-44 में टक्कर के बाद फ्यूल टैंक से टकराई बाइक, इससे भड़की चिंगारी

एजेंसी

आंध्र प्रदेश :आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 39 यात्री सवार थे। इनमें 4 बच्चे और दो अज्ञात शामिल हैं। 19 ने कूदकर जान बचाई।

इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।कुर्नूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर- क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे।

ठेकेदारों ने चीफ इंजीनियर को रिश्वत में करोड़ों रुपए और लग्जरी गाड़ियां दीं

संवादाता

निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के ग्रामीण विकास विभाग के बहुचर्चित टेंडर कमीशन घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग केस में आठ नए आरोपितों के खिलाफ पीएमएलए अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। इसके साथ ही अब तक इस घोटाले में आरोपितों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। इन आरोपितों में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल, ठेकेदार राजेश कुमार, राजीव कुमार सिंह, राधा मोहन साहू, रिश्वतखोरी से हासिल रकम को मैनेज करने वाले अतुकिल रहमान सहित कुछ प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां भी शामिल हैं। ईडी ने अपने इस चौथे आरोप पत्र में खुलासा किया है कि ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर बंटवारे के एवज में ठेकेदारों ने विभाग के तत्कालीन चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम को कमीशन के तौर पर मोटी रकम और महंगी गाड़ियां रिश्वत के तौर पर दीं। ईडी ने जांच से सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोप पत्र में बताया है कि ठेकेदार राजेश कुमार ने तत्कालीन चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम को 1.88 करोड़ रुपए नकद और दो गाड़ियां टोयोटा इनोवा और टोयोटा फॉर्च्यूनर दी थीं।

अफसोस दिवाली पर देसी जुगाड़ वाले हथियार ने एमपी के कई शहरों में मचाया कोहराम

कार्बाइड गन ने 14 की आंखें छीनीं, 150 जख्मी

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के कई शहरों में इस दिवाली पर कैल्शियम कार्बाइड से बनी देसी 'गन' के प्रयोग ने हजारों घरों में कोहराम मचा दिया। इस कार्बाइड गन के इस्तेमाल से राज्यभर में 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कम से कम 14 बच्चों की आंखों की रोशनी स्थायी रूप से चली गई है। भोपाल में ही 125 के ऊपर ऐसे मामले दर्ज किए गए हैं। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और विदिशा समेत कई शहरों में भी छोटे-छोटे पीवीसी पाइप से तैयार की गई इन गन्स का इस्तेमाल पटाखे की तरह किया गया। कीमत मात्र 100 से 150 रुपये तक होने के कारण यह

देसी जुगाड़ आसानी से उपलब्ध था और युवाओं- नाबालिगों द्वारा तेजी से लोकप्रिय हुआ। अस्पतालों के डॉक्टरों ने कार्बाइड गन एक खतरनाक देसी जुगाड़ है। इसे बनाने के लिए एक पीवीसी पाइप, कैल्शियम कार्बाइड के टुकड़े, थोड़ा पानी और एक लाइटर का इस्तेमाल किया जाता है। गन बनाने में इस्तेमाल होने वाला पाइप और अन्य सामान बड़ी आसानी से मार्केट में मिल जाता है। दिवाली पर लोग इसे पटाखा गन की तरह इस्तेमाल करते हैं। इस गन में किसी बम धमाके की तरह आवाज होती है। देशी जुगाड़ से पुराने समय में लोगों खेतों से आवारा जानवरों को भगाते थे। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 39 यात्री सवार थे। इनमें 4 बच्चे और दो अज्ञात शामिल हैं। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।कुर्नूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर- क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ।

जमीयत उलेमा आंध्र प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने कुरनूल बस दुर्घटना के पीड़ितों से मुलाकात की

एजेंसी

कुरनूल, 24 अक्टूबर, 2025:जमीयत उलेमा आंध्र प्रदेश के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रांतीय अध्यक्ष मौलाना डॉ. काजी अब्दुल मजीद साहब के नेतृत्व में कुरनूल ज़िले के नाज़िम मुफ़्ती शफीउल्लाह साहब और मौलाना मंसूर बेग साहब रशादी के साथ सिविल अस्पताल कुरनूल का दौरा किया, जहाँ उन्होंने चांदी टाकुर गाँव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई हृदय विदारक बस दुर्घटना में घायलों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की।इस दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने इस त्रासदी पर गहरा दुःख व्यक्त किया जिसमें कई यात्रियों की मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। जमीयत के नेताओं ने घायल मरीजों से मुलाकात की, उनका हौसला बढ़ाया और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल के अधिकारियों से भी मुलाकात की और समय पर कार्रवाई और उपचार प्रदान करने में समर्पण के लिए चिकित्सा कर्मचारियों की प्रशंसा की।जमीयत उलेमा आंध्र प्रदेश की ओर से, मौलाना डॉ. काजी अब्दुल मजीद साहब ने मृतक यात्रियों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। जमीयत उलेमा आंध्र प्रदेश टीम ने आश्वासन दिया कि घायलों और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

रांची में मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया छठ घाटों का निरीक्षण, लंबित कार्यों को पूरा करने के दिए निर्देश

रांची, संवाददाता ।

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोरों पर हैं. इसी क्रम में शुक्रवार को राज्य के मंत्री सुदिव्य कुमार ने राजधानी के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया. उन्होंने घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम और श्रद्धालुओं के आवागमन की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया. मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों को समय पर पूरा कर लिया जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो.

लोक आस्था का प्रतीक है छठ मइया की आराधना: मंत्री सुदिव्य कुमार

निरीक्षण के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि छठ पर्व झारखंड की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक है, इसलिए इसके सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि छठ मइया की आराधना लोक आस्था, शुद्धता और अनुशासन का प्रतीक है. यह पर्व सामाजिक समरसता और जनभागीदारी का उदाहरण प्रस्तुत करता है. सरकार का उद्देश्य है कि हर श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजा कर सके. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि घाटों पर प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ हो, स्वच्छता बनी रहे और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं. इसके साथ ही उन्होंने जल स्तर और घाटों की मजबूती की भी जानकारी ली. मंत्री ने कहा कि हर घाट पर एनडीआरएफ और प्रशासनिक टीमों की तैनाती होनी चाहिए ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके.

भव्य रूप में तैयार किए जाएंगे घाट

निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने मंत्री से मुलाकात की और कुछ सुझाव भी दिए. मंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोगों की मांगों पर त्वरित कार्रवाई की जाए. उन्होंने यह भी कहा कि घाटों के आसपास अस्थायी शौचालय, पेयजल व्यवस्था और पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

जनता की आस्था का सम्मान करती है सरकार: मंत्री सुदिव्य कुमार

इसके साथ ही मंत्री ने प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा, छठ मइया की कृपा सभी झारखंडवासियों पर सदा बनी रहे. उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और नगर निगम कर्मियों की सराहना की, जो दिन-रात छठ घाटों को तैयार करने में जुटे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार, जनता की आस्था का सम्मान करती है और इस बार राजधानी रांची के सभी घाटों पर छठ पर्व को भव्य और सुरक्षित रूप से मनाया जाएगा. रांची के सभी प्रमुख छठ घाटों कांके डैम, हटिया डैम, रजेंद्र सरोवर, जेल तालाब, मोरहाबादी तालाब, स्वर्णरेखा नदी और दूसरे स्थलों पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है. सभी छठ घाटों को साफ-सुथरा, सुरक्षित और आकर्षक बनाया जा रहा है और आने वाले दिनों में ये घाट श्रद्धालुओं और भक्तों के लिए भव्य रूप में तैयार होंगे. किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। राजधानी में छठ की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं. जगह-जगह सफाई, सड़कों की मरम्मत और बिजली के खंभों पर रोशनी की व्यवस्था की जा रही है. उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार छठ पूजा में राजधानी के घाटों पर श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ेगी और रांची छठ मइया की भक्ति में डूब जाएगा.

छठ पर्व के दौरान होगी निर्बाध बिजली आपूर्ति, जेबीवीएनएल ने भीड़ को लेकर जारी किया दिशानिर्देश

रांची, संवाददाता ।

लोक आस्था का महापर्व छठ के मौके पर निर्बाध बिजली आपूर्ति होगी. झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने इसे लेकर व्यापक प्रबंध किए हैं. राजधानी रांची में 27 और 28 अक्टूबर को छठ के दौरान विद्युत आपूर्ति बंद नहीं होने की जानकारी देते हुए जेबीवीएनएल ने भीड़ के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से गाइडलाइन जारी किया है. गाइडलाइन के तहत बसों एवं अन्य बड़े वाहनों की छतों पर कोई व्यक्ति ना बैठे और उस पर किसी तरह की कोई ऊंची सामग्री ईख/सूप/डाला रखा न हो, जिससे जमीन से कुल उच्चाई 4 मीटर यानी 13 फीट से ज्यादा ना हो. इसके अलावे छठ घाट पर आनेवाली भीड़ पर वॉलंटियर्स को हमेशा नजर रखने की सलाह दी गई है, जिससे कोई अप्रिय घटना ना हो. तोरण द्वार/पंडाल को ओवरहेड बिजली की लाईनों से सुरक्षित दूरी पर बनाने को कहा गया है.

यदि छठ के दौरान बिजली की हो समस्या तो करें इन्हें शिकायत

जेबीवीएनएल ने छठ के दौरान बिजली की समस्या होने पर जहां कंट्रोल रूम गठित किया है, जो 24 घंटे काम करेगा. जेबीवीएनएल ने मोबाइल नंबर जारी करते हुए इन नंबरों पर संपर्क करने की अपील की है. रांची के विद्युत अधीक्षण अभियंता डी एन साहु ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि बिजली से संबंधित किसी भी तरह की शिकायत हो तो जरूर सूचित करें.

इन्हे करें सूचित

विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, रांची - 9431135613
विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, डोरंडा - 9431135608
विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, न्यू कैपिटल - 9431135608
विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, रांची, पूर्वी - 9431135614
विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, रांची, पश्चिम - 9431135664
विद्युत कार्यपालक अभियंता,विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, कोकर - 9431135615
विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, खूंटी - 9431135616
विद्युत नियंत्रण कक्ष, कुसई कॉलनी - 9431135682/0651-2490014
विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति अंचल, रांची - 9431135662

सीसीएल बरका-सयाल में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

रांची, संवाददाता ।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के बरका-सयाल क्षेत्र में 'स्पेशल कैंपेन 5.0' के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता का मकसद कर्मचारियों में स्वच्छता, ई-कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और डिजिटलीकरण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साह से भाग लिया और अपनी रचनात्मकता के जरिए स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़ी बातें सुंदर ढंग से पोस्टरों पर दर्शाई. पोस्टरों में 'स्वच्छ परिसर, स्वस्थ जीवन', 'ई-वेस्ट से ई-प्रगति' और 'डिजिटल भारत-स्वच्छ भारत' जैसे संदेश दिए गए. अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं कर्मचारियों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ाती हैं. उन्होंने बताया कि 'स्वच्छता ही सेवा' के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं.

महापर्व छठः बकरी बाजार का पारंपरिक छठ बाजार इस बार थोड़ा सुस्त

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही है. सड़कों, घाटों और बाजारों में छठ मइया की आराधना की गूंज सुनाई दे रही है. वहीं, हर साल की तरह इस बार भी बकरी बाजार में पारंपरिक छठ बाजार सज गया है, जो रांची का सबसे पुराना और प्रसिद्ध छठ बाजार माना जाता है. हालांकि इस बार बाजार में पिछले साल के मुकाबले रौनक कुछ कम दिखाई दे रही है.

बकरी बाजार में पश्चिम बंगाल के व्यापारी भी लगाते हैं दुकान

बताया जा रहा है कि बकरी बाजार का यह छठ बाजार कई दशकों पुराना है. यहां हर साल दूर-दराज इलाकों से श्रद्धालु और खरीदार आते हैं. लोग छठ पूजा के लिए जरूरी सभी सामान सूप, दौरा, डलिया, मिट्टी के दीये, केले के थंब, गन्ना, नारियल, फल, सिंदूर और कपड़े की खरीदारी करते हैं. बाजार में बिहार, पलामू, गुमला, हजारीबाग और पश्चिम बंगाल के व्यापारियों की भी अच्छी भागीदारी रहती है. हालांकि, इस साल लगातार हुई बारिश और बढ़ी हुई महंगाई के कारण बाजार की रौनक थोड़ी फीकी पड़ी है. दुकानदारों का कहना है कि बारिश की वजह से बाहर से सामान लाने में दिक्कत हुई, जिससे कीमतें बढ़ गई हैं. फल, फूल और पूजा सामग्रियों के दाम में भी इस बार हल्का इजाफा हुआ है. एक दुकानदार ने बताया कि गन्ना और केला बाहर से मंहगा पड़ा है, जिसका खर्च बढ़ गया है इसलिए कीमतें भी थोड़ी बढ़ी हैं. फिर भी श्रद्धालु खरीदी कर रहे हैं, बस भीड़ पहले जैसी नहीं है.

भावनाओं से जुड़ी है छठ पूजा

वहीं श्रद्धालुओं ने बताया कि छठ पर्व का इंतजार पूरे साल रहता है. महिला श्रद्धालु ने बताया कि यह पर्व हमारे लिए सिर्फ पूजा नहीं बल्कि भावनाओं से जुड़ा त्योहार है. हम पूरे परिवार के साथ घाट पर जाकर उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं. यह परंपरा अब न सिर्फ बिहार और झारखंड में बल्कि देश के कई हिस्सों में मनाई जाने लगी है. श्रद्धालुओं का मानना है कि भले ही अभी बाजार में भीड़ कम हो लेकिन जैसे-जैसे पूजा का दिन करीब आएगा, चहल-पहल बढ़ जाएगी. व्यापारी भी उम्मीद जता रहे हैं कि शनिवार और रविवार को बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़ेगी.

एक श्रद्धालु ने सुनायी छठ गीत

बकरी बाजार का यह छठ बाजार रांची के सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा बन चुका है. यहां एक ही जगह पर छठ से जुड़ी हर वस्तु उपलब्ध होती है, मिट्टी के बर्तन से लेकर सजावटी दीयों तक. वहीं, फलों की दुकानों पर रंग-बिरंगे फल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं. इस बीच बाजार में धार्मिक माहौल देखने लायक है. जगह-जगह छठ के गीत गूंज रहे हैं. एक श्रद्धालु ने पारंपरिक छठ गीत गुनगुनाकर सुनाया जिससे आसपास का माहौल भावनाओं और भक्ति से भर गया. स्थानीय लोगों के मुताबिक, बकरी बाजार का यह छठ बाजार न केवल खरीदारी का केंद्र है बल्कि लोक परंपरा और सामाजिक जुड़ाव का प्रतीक भी है. लोग यहां खरीदारी के साथ एक-दूसरे से मिलते हैं।

तीन समन पर उपस्थित नहीं हुई स्निग्धा सिंह, अब वारंट लेने की तैयारी में एसीबी

रांची, संवाददाता ।

आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन से जुड़े मामले की आरोपी स्निग्धा सिंह अउइ के तीसरे समन पर भी उपस्थित नहीं हुई हैं. अउइ ने उन्हें इस केस में पूछताछ के लिए तीन बार समन भेजा है. लेकिन वो अभी तक एजेंसी के समक्ष एक बार भी हाजिर नहीं हुई हैं. इसके बाद अब अउइ उनके खिलाफ वारंट लेने की तैयारी में है. छठ पूजा के बाद अउइ कोर्ट में स्निग्धा सिंह के विरुद्ध वारंट जारी करने के लिए आवेदन दे सकती है. स्निग्धा सिंह अउइ की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं. अउइ के मुताबिक, जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है, वह विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है. यह भूमि हजारीबाग के सदर अंचल के थाना नंबर 252 में स्थित है, जिसका खाता नंबर 95, प्लॉट नंबर 1055, 1060 व 848 और कुल रकबा 28 डिसमिल और खाता नंबर 73, प्लॉट नंबर 812 और रकबा 72 डिसमिल है. यह भूमि सदर अंचल के बभनवे मौजा के हल्का 11 में स्थित है. उक्त खाता प्लॉट की भूमि पर विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह का दखल कब्जा है और फिलहाल इसपर नेक्सजेन का शोरूम संचालित है. अब तक इस केस में अउइ ने विनय चौबे के करीबी ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह, हजारीबाग के लैंड ब्रोकर विजय सिंह और हजारीबाग के तत्कालीन सदर अंचल अधिकारी शैलेश कुमार को गिरफ्तार कर चुकी है.

संजय सेठ से झारखंड वेटरन संगठन की मुलाकात, सैनिकों के हित में रखी 10 प्रमुख मांगें

रांची, संवाददाता ।

शुक्रवार सुबह 8 बजे वेटरन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से मुलाकात की और झारखंड के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा शहीद परिवारों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं को उनके समक्ष रखा. बैठक में संगठन ने 10 अहम बिंदुओं पर चर्चा की और राज्य सरकार से ठोस पहल की मांग की. संगठन ने राज्य में पूर्व सैनिकों को सभी ग्रेड की सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की. साथ ही वीर नारियों और शहीद परिवारों के पुनर्वास के लिए विशेष योजना शुरू करने का प्रस्ताव रखा. उन्होंने यह भी कहा कि देश की सेवा में शहीद होने वाले जवानों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया जाए. प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि कांके स्थित मनोचिकित्सा केंद्र में कार्यरत पूर्व सैनिकों को नौकरी से न निकाला जाए. साथ ही झारखंड के शहीदों के गांवों को आदर्श गांव के रूप में विकसित करने की मांग की गई.

संगठन ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलने के लिए निवेदन करने का निर्णय लिया ताकि राज्य में पूर्व सैनिकों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जा सके. इसके अलावा वर्ष 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित झारखंड दौरे की पूर्व सूचना देने और एक इंटीग्रेटेड जवान भवन के निर्माण की भी मांग की गई, जहां पूर्व सैनिक, वीर नारी और शहीद परिवारों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मिल सकें. अंत में संगठन ने राज्य के सभी पूर्व सैनिक संगठनों से एकजुट होकर अपनी मांगों को सरकार के समक्ष वृहद रूप में रखने का आह्वान किया. बैठक में अध्यक्ष मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद, एवं सदस्य ज्ञानचंद, लकड़ा गुयाना, हिरेन, रवि, सुखराम, सुनील, डीएन महतो, विजय, जोसेफ, खालको, राजेश ऋषभ और कालेश्वर उपस्थित थे.

मैं खेल बंद करने आ रहा हूं, डॉ इरफान अंसारी ने चेताया

रांची, संवाददाता ।

सूबे के स्वास्थ्य मंत्री ने एक बार फिर भाजपा को चेताया है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि सुनने में आ रहा है कि मेरी गैरहाजिरी में घाटशिला में कुछ रिजेक्ट और अवसरवादी लोग, जिन्हें जनता ने पहले ही ठुकरा दिया था, अब खुलेआम बयानबाजी कर रहे हैं और लाठी भांज रहे हैं. आगे कहा कि भोली-भाली जनता को गुमराह कर रहे हैं और झारखंडी भाइयों-बहनों को बांग्लादेशी, घुसपैठिया, रंगोनिया कहकर उनका अपमान कर रहे हैं. साफ सुन लो, अब यह खेल बंद होगा, इसे बंद करने मैं आ रहा हूं. मंत्री ने आगे लिखा कि बाहर से आकर घाटशिला की मिट्टी, इसकी अस्मिता और जनता के सम्मान से खिलवाड़ करने वालों को अब जनता भी जवाब देगी और मैं भी दूंगा. झारखंड की धरती किसी की बपौती नहीं है. महागठबंधन के लोकप्रिय प्रत्याशी सुमेश सोरेन को राहुल गांधी और सीएम हेमंत सोरेन जी का आशीर्वाद प्राप्त है. जनता का जनसैलाब उनके साथ है. जीत ऐतिहासिक होगी, यह तय है.

अब समय आ गया है

इरफान अंसारी ने लिखा कि मैं कुछ समय बिहार चुनाव में व्यस्त था. लेकिन अब समय आ गया है कि सच सामने आए और झूठ बोलने वाले बेनकाब करूं. जो लोग भ्रम फैलाकर राजनीति कर रहे हैं, सावधान हो जाओ, क्योंकि डॉ. इरफान अंसारी आ रहा है.

टेंडर घोटाला : ईडी ने तत्कालीन मंत्री के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी सहित 8 के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

रांची, संवाददाता ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाले में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल सहित आठ के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया. आरोपित अभियुक्तों में वीरेंद्र राम को घूस और महंगी गाड़ियां देने वाले ठेकेदारों के अलावा वीरेंद्र राम का हिसाब-किताब रखने और घूस की रकम वसूलने वाले ठेकेदारों का नाम शामिल है. ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी द्वारा दायर किया जाने वाला यह चौथा आरोप पत्र है. इससे अब इस घोटाले में आरोपित अभियुक्तों की संख्या बढ़कर 22 हो गयी है.

ईडी ने पीएलएलए के विशेष न्यायाधीश की अदालत में दायर आरोप पत्र में ग्रामीण विकास में टेंडर घोटाले में कमीशन देने वाले ठेकेदारों के अलावा कमीशन की राशि से संपत्ति खरीदने वालों को आरोपित किया है. ईडी ने चौथे आरोप पत्र में ठेकेदार राजेश कुमार को आरोपित किया है. इसके अलावा उसकी कंपनी मेसर्स राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और परमानंद सिंह बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड को आरोपित किया है. विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान कुछ महंगी गाड़ियां जब्त की गयी थी. ठेकेदार ने वीरेंद्र राम को यह गाड़ियां दी थी. जांच के दौरान ठेकेदार से गहन पूछताछ हुई थी. इसमें ठेकेदार ने यह स्वीकार किया था कि उसने वीरेंद्र राम को घूस के तौर पर 1.88 करोड़ रुपये दिये थे. इसके अलावा Toyota Innova और Toyota Fortuner भी दिया था. ठेकेदार राधा मोहन साहू ने वीरेंद्र राम को 39 लाख रुपये घूस और एक Toyota Fortuner दिया था.

यह गाड़ी राधा मोहन ठेकेदार के बेटे अंकित साहू के नाम पर निबंधित है. ईडी ने वीरेंद्र राम के घूस का हिसाब-किताब रखने वाले अतिकुल रहमान को भी आरोपित किया है. छापेमारी के दौरान अतिकुल के घर से 4.40 लाख रुपये नकद जब्त किया गया था. ईडी ने ठेकेदार राजीव कुमार सिंह को भी आरोपित किया है. राजीव कुमार के घर छापेमारी के दौरान राजीव के घर से 2.13 करोड़ रुपये नकद जब्त किया गया था. पूछताछ के दौरान राजीव ने 15 करोड़ रुपये घूस वसूलने की बात स्वीकार की थी. ईडी ने तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल को अपने पति की नाजायज आमदनी से संपत्ति खरीदने के मामले में आरोपित किया है. उल्लेखनीय है ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग के इंजीनियर सुरेश वर्मा को 10 हजार रुपये घूस लेने के आरोप में दर्ज प्राथमिकी को एउक्फ़के रूप मे दर्ज कर ग्रामीण विकास में टेंडर के दौरान घूस लेने और घूस के रकम की लॉन्ड्रिंग करने के मामले की जांच की. ईडी द्वारा की गयी जांच के दौरान कुल 37 करोड़ रुपये नकद जब्त किये गये थे. इसमें से 32.20 करोड़ रुपये संजीव लाल के करीबी माने जाने वाले जहांगीर आलम के ठिकानों से जब्त किये गये थे. ईडी ने इससे पहले दायर तीन आरोप पत्रों में कुल लोगों को आरोपित किया था. इसमें तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम, आप्त सचिव संजीव लाल, जहांगीर आलम, चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम व पारिवारिक सदस्यों के अलावा हवाला कारोबारी और दिल्ली के Chartered Accountant सहित अन्य शामिल थे.

नदी तटों पर हरियाली बढ़ाने का एक्शन प्लान तैयार, 87 किलोमीटर होगा पौधारोपण

रांची, संवाददाता ।

वन विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में 87 किलोमीटर नदी तटों पर पौधारोपण करने का एक्शन प्लान तैयार कर लिया है. विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2031-32 के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में कार्यान्वित की जाने वाली ₹नदी तट वृक्षारोपण₹ योजना के तहत नदी तट पर वृक्षारोपण का अग्रिम कार्य के लिए कुल 10 करोड़ 45 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है.

नदी तटों पर फलदार पौधे भी लगाए जाएंगे

इस योजना के तहत नदी तट पर मुख्यतः अर्जुन, सेमल, कदम, करंज, शीशम, जामुन, आम, बेल, बेर, इमली, पीपल, बरगद, नीम, सिरिस, जंगली जिलेबी गम्हार आदि के प्राकृतिक प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे. इस योजना के तहत यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि नदी तट पर 100 प्रतिशत वनभूमि या गैर-मजरुआ भूमि उपलब्ध नहीं है, तो रैयती भूमि का हिस्सा (100 मीटर लंबाई की इकाई में) यदि अधिकतम 30 प्रतिशत हो तो इस प्रकार के स्थल को वृक्षारोपण के लिए चयनित किया जा सकता है.

किस वन प्रमंडल में किस नदी तटों पर कितने किलोमीटर होगा पौधारोपण

साहेबगंज वन प्रमंडलः गंगा नदीः 10 किलोमीटर
गुमला वन प्रमंडलः शंख नदीः 3 किलोमीटर, केउद नदीः दो किलोमीटर, बंकी नदीः दो किलोमीटरः कुल सात किलोमीटर
लोहरदगा वन प्रमंडलः कोयल नदीः सात किलोमीटर
मेदिनीनगर वन प्रमंडलः सीता चुआः दो किलोमीटर, सुखरो नदीः तीन किलोमीटर, अमानत नदीः दो किलोमीटर, जिंजोई नदीः दो किलोमीटर, कुल नौ किलोमीटर
पाकुड़ वन प्रमंडलः तोड़ाई नदीः सात किलोमीटर, ब्राह्मणी नदीः तीन किलोमीटर, कुल 10 किलोमीटर
जामताड़ा वन प्रमंडलः अजय नदीः पांच किलोमीटर
सामाजिक वानिकी प्रमंडल सिमडेगाः देव नदीः पांच किलोमीटर
सामाजिक वानिकी प्रमंडल दुमकाः मयूराक्षी नदीः आठ किलोमीटर
सामाजिक वानिकी प्रमंडल देवघरः जयंती नदीः आठ किलोमीटर
सामाजिक वानिकी प्रमंडल कोडरमाः छेटकरी नदीः तीन किलोमीटर, सकरी नदीः तीन किलोमीटर, हरहरू नदीः दो किलोमीटर, कुल आठ किलोमीटर
सामाजिक वानिकी प्रमंडल गढ़वाः यूरिया नदीः पांच किलोमीटर, सदाबह नदीः पांच किलोमीटर, कुल 10 किलोमीटर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री और राजस्व मंत्री ने की मुलाकात

सिख गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु किया सादर आमंत्रित

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ० बलबीर सिंह तथा राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने सौजन्य मुलाकात की।

संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ० बलबीर सिंह तथा राजस्व, मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ० बलबीर सिंह तथा राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पंजाब सरकार के दोनों मंत्रियों ने 9वें सिख गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान, समर्पण, त्याग, आदर्श एवं जनकल्याण के प्रति उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में देशभर के संत महात्माओं सहित विभिन्न राज्यों के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने पंजाब सरकार की ओर से मिले आमंत्रण हेतु दोनों मंत्रियों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया तथा आयोजन की सफलता के लिए उन्हें अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।आपदा प्रबंधन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पंजाब सरकार के दोनों मंत्रियों ने 9वें सिख गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान, समर्पण, त्याग, आदर्श एवं जनकल्याण के प्रति उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है

डोरंडा में आलोक कुमार दूबे की पहल बनी नजीर – 2018 में 10 लोगों से शुरू हुआ अभियान,

नदी प्रदूषण से बचाव और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आलोक कुमार दूबे की सोच ने बदली छठ पूजा की तस्वीर

- आज कृत्रिम तालाबों की संख्या में लगातार इजाफा
- रांची में छठ पूजा का नया स्वरूप – आलोक कुमार दूबे के मॉडल पर बढ़ रही कृत्रिम तालाबों की संख्या
- पर्यावरण, स्वच्छता और श्रद्धा का संगम – आलोक कुमार दूबे की डोरंडा पहल बनी पूरे रांची की पहचान

संवाददाता । रांची

रांची, 24 अक्टूबर – राजधानी रांची में छठ महापर्व की रौनक चरम पर है।इस बार शहर के विभिन्न इलाकों में कृत्रिम तालाबों की संख्या में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है, जिनमें हजारों श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने पहुंच रहे हैं।लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इस पहल की शुरूआत वर्ष 2018 में डोरंडा से हुई थी, जब झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने मात्र 10 लोगों के साथ मिलकर 2018 में पहला कृत्रिम तालाब बनवाया था।बाद में कोरोना महामारी के कारण श्रद्धालुओं के लिए नदियों तक जाना कठिन हो गया था। स्वच्छता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आलोक कुमार दूबे ने अपने स्तर से स्थानीय लोगों को संगठित किया और डोरंडा छप्पन सेट क्षेत्र में एक छोटा कृत्रिम तालाब आज भव्य और बृहत रुप ले चुका है जहां सैंकड़ों व्रति और हजारों लोग श्रद्धा से डुबकी लगाते हैं और अर्घ्य अर्पित करते हैं। लॉक डाउन के समय भीड़ ओर श्रद्धा को देखते हुए आलोक दूबे ने कृत्रिम तलाब को एक बड़ा रूप दे दिया जो पूरे राज्य के लिए एक उदाहरण बन गया है।श्रद्धालुओं का अपार आशीर्वाद भी मिल रहा है।टैंकर से शुद्ध पानी डाला जाता है ,गंगा जल प्रवाहित किया जाता ,गुलाब की पंखुड़ियां डाली जाती हैं।लाइट,माईक लगाये जाते हैं, समिति के सदस्य रात भर जगते हैं ताकि तालाब का पानी को झूठा नां कर सके और उदीयमान सूर्य को वर्तियां शुद्धता के साथ अर्घ्य दें सकें। त्योहार खत्म होने के बाद तालाब को भर दिया जाता है और यही प्रयास आज एक जनांदोलन का रूप ले चुका है।इस ऐतिहासिक पहल में उनके साथ गौतम कुमार दूबे, मनोज सिंह, संजय सिंह, शशि गोलू, पंकज तिवारी, विवेक सिंह, मेंहुल दूबे, दिलीप सिंह, बाबू, अश्विनी कुमार, विशाल सिंह, महेंद्र प्रसाद, अजय थापा, विजय गुप्ता, दीपक ठाकुर, गोपाल छेत्री और अनिकेत कुमार सक्रिय रूप से जुड़े रहे, जिन्होंने स्थानीय स्तर पर लोगों को प्रेरित किया और छठ घाटों की व्यवस्था में सहयोग दिया।आलोक कुमार दूबे, जो वर्तमान में रांची महानगर छठ पूजा समिति के मुख्य संरक्षक भी हैं, ने कहा कि छठ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक एकता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला पर्व है। नदियों में बढ़ते प्रदूषण और दूषित जल से श्रद्धालुओं को त्वचा रोग और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है, ऐसे में कृत्रिम तालाब एक स्वच्छ और सुरक्षित विकल्प हैं। विशेषकर व्रतियां निजार्ला रहती हैं तो उन्हें अपने मुहल्ले में ही एक अनुकूल वातावरण मिल जाता है।

वैश्य मोर्चा का 7वां स्थापना दिवस 31 अक्टूबर को तैयारी को लेकर हुई केंद्रीय समिति की बैठक

संवाददाता । रांची

रांची : आज 24 अक्टूबर को झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा, केंद्रीय समिति की बैठक रांची के सुकुरहुट्टू स्थित कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु के आवासीय कार्यालय में आयोजित किया गया. बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन उप प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता ने किया. यह बैठक आगामी 31 अक्टूबर को रांची के होटल आलोका सभागार में आयोजित होने वाले 7वां स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर रखी गयी थी. बैठक में सर्वसम्मति से स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया गया. बैठक में तय किया गया कि इस अवसर पर वैश्य समाज के पाँच प्रबुद्धजन को झारखंड वैश्य रत्न की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा, जबकि पाँच कार्यकताओं को श्रेष्ठ वैश्य का सम्मान दिया जायेगा. बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि कार्यक्रम में होने वाले खर्च के लिए केंद्रीय पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष से सहयोग लिया जायेगा. बैठक में यह भी तय किया गया कि सभागार में पिछले कुछ कार्यक्रमों का तस्वीर प्रदर्शनी लगायी जायेगी. इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा संघर्ष से उपजा संगठन है.

कुख्यात सुजीत सिन्हा गैंग को हथियार सप्लाई करने आया तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

रांची : रांची की बुंडू पुलिस ने एक हथियार सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस शख्स को ठल्र-33 पर बुंडू स्थित सूर्य मंदिर के तोरण द्वार के पास से दबोचा है। गिरफ्तार शख्स का नाम दशरथ शुक्ला बताया गया। करीब 42 साल का दशरथ शुक्ला जमशेदपुर के गोलमूरी थाना क्षेत्र के दुईलाइंगरी का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से पिस्टल, मैगजीन, मोबाइल और बैग जब्त किया है। वह सुजीत सिन्हा के गुर्गों को हथियार पहुंचाने आया था। इस बात का खुलासा रांची के रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर ने किया है।रुरल एसपी ने मीडिया को बताया कि एसएसपी राकेश रंजन को बीती रात करीब आठ बजकर 40 मिनट पर इंफॉर्मेशन मिली थी कि बुंडू थाना क्षेत्र के एदलहातु में एक शख्स हथियार सप्लाई करने वाला है। मिली इंफॉर्मेशन पर रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व और बुंडू एसडीपीओ ओम प्रकाश की देखरेख में टीम गठित की गयी। गठित टीम बताये गये लोकेशन पर पहुंची और घेराबंदी कर ली। थोड़ी ही देर बाद एक शख्स उधर आता हुआ दिखाई दिया। उसके हाथों में काला रंग का बैग था। पुलिस पर नजर पड़ते ही वह सकपका गया और भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने खदेड़ कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में खोंसा हुए एक लोडेड पिस्टल बरामद किया गया। वहीं, बैग के अंदर से पुलिस को एक काला रंग का 7.65 बोर का लोडेड पिस्टल, एक काला-सिल्वर रंग का 7.65 बोर का लोडेड पिस्टल, दो सिल्वर रंग का 7.65 बोर का मैगजीन, एक नारंगी सिल्वर रंग का ओप्पो कम्पनी का एफ-17 मोबाइल फोन, एक सिल्वर रंग का एप्पल कम्पनी का आईफोन 13 मिनी मोबाइल फोन मिला। पुलिस ने बैग और हथियार सहित अन्य सामान जब्त कर लिया। पूछताछ में गिरफ्तार दशरथ शुक्ला ने पुलिस को बताया कि वह सुजीत सिन्हा गैंग के लिए हथियार लेकर पहुंचा था। सारे हथियार और मैगजीन लेने के लिए सुजीत सिन्हा का गुर्गा पहुंचने वाला था। पुलिस ने दशरथ शुक्ला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सुखदेवनगर थाना में बवाल, पांच लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में जमकर हंगामा

रसंवाददाता । रांची

रांची : सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को हुई मारपीट की घटना ने शुक्रवार को बड़ा रूप ले लिया। पुलिस द्वारा पांच लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में शुक्रवार को परिजनों और स्थानीय लोगों ने थाने पहुंचकर जमकर हंगामा किया।गिरफ्तार लोगों के परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की है और केवल एक पक्ष के लोगों को ही पकड़ा गया है।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पुलिस को दोनों पक्षों की बात सुनकर कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन बिना जांच के केवल एक पक्ष को दोषी ठहराया जा रहा है।सूचना मिलते ही कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने हंगामा कर रहे लोगों से बातचीत की और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। डीएसपी ने दोनों पक्षों को समझाया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और किसी के साथ अन्याय नहीं होगा।जानकारी के अनुसार, गुरुवार को अरगोड़ा इलाके में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जो बढ़कर मारपीट में बदल गया। इसके बाद दोनों पक्ष सुखदेवनगर थाना पहुंचे, जहां स्थिति फिर से बिगड़ गई और थाना परिसर में ही हाथापाई की नौबत आ गई। थाना में हुई इस मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया।इन्हीं गिरफ्तारियों के विरोध में शुक्रवार को लोगों ने थाने का घेराव कर दिया।फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और कहा है कि वीडियो फुटेज एवं प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चित्रगुप्त महोत्सव पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता । रांची

रांची। चित्रगुप्त महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री प्रमोद कुमार श्रीवास्तव जी की अध्यक्षता में ऊपर बाजार गौशाला के प्रांगण में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई और सहयोग में श्री आलोक पीतांबर ,प्रमोद सिन्हा,सुनील श्रीवास्तव,रजनीश श्रीवास्तव ने अपना हार्दिक सहयोग प्रदान किया । श्री पराग भूषण सहाय की ऑर्केस्ट्रा ने कार्यक्रम को और भी संगीतमय बना दिया जिसमें पराग भूषण जी ,राजेश जी,सीमा जी,गुड्डू जी,राजकुमार सिन्हा जी,मीना बक्शी जी ,अभय बक्शी जी ,रंजन सहाय जी ,शुभम बक्शी जी ने अनूठी गायकी प्रस्तुत कर माहौल को खुशनुमा और संगीतमय बना दिया ।

नम आंखों से मां की विदाई, रांची महानगर काली पूजा समिति के नेतृत्व में काली पूजा पंडालों में आज हुआ विसर्जन

संवाददाता । रांची

डोरंडा में कल होगा मां काली का विसर्जन, भक्ति और भावनाओं का रहेगा समागम मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे बोले झ्र मां काली की कृपा से मिटे हर अंधकार, झारखंड में फैले प्रेम और सद्भाव का संदेश अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा झ्र विसर्जन अंत नहीं, नई शुरूआत है आस्था और एकता की परंपरा की राजधानी रांची में काली पूजा उत्सव के समापन पर आज शहर के अधिकांश पंडालों में मां काली की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और संगीत से गूंजते वातावरण में ह्लजय मां कालीह्व के जयघोष के साथ भक्तों ने नम आंखों से मां को विदा किया। हालांकि डोरंडा का विसर्जन कल संपन्न होगा, भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। महानगर काली पूजा समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दूबे ने कहा – ह्लमैं सबसे पहले नगर निगम प्रशासक सुशांत गौरव,उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री,वरीय आरक्षी अधीक्षक राकेश रंजन को धन्यवाद देता हूं जिनकी सुव्यवस्थित नीतियों के कारण काली पूजा श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बन पाया। आज पूरे रांची में मां काली की भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मां काली शक्ति और न्याय की प्रतीक हैं। जब हम नम आंखों से मां को विदा कर रहे थे, तो यह केवल प्रतिमा का विसर्जन नहीं था, बल्कि अपने भीतर के अंधकार और नकारात्मकता को त्यागने का संकल्प है।

ब्रीफ न्यूज

चान्हो में नए थाना प्रभारी टिंकू रजक का किया गया स्वागत

संवाददाता । रांची

चान्हो। शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्य मंडली मुर्शीद अमीरी, समाजसेवी शाहिद खान, मांडर कॉलेज के अध्यक्ष मोहम्मद हमजा, अतीक अंसारी समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने चान्हो थाना के नए प्रभारी टिंकू रजक से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान सभी ने उन्हें बुके भेंट कर सम्मानित किया।मुलाकात के दौरान प्रतिनिधियों ने थाना प्रभारी से आग्रह किया कि क्षेत्र की जनसमस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए ताकि ग्रामीणों को सहूलियत मिल सके। चान्हो थाना प्रभारी टिंकू रजक ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनसेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की सहायता करेंगे।

गिरिडीह के टोल प्लाजा पर हंगामा, बदमाशों ने झड़प में लहराई पिस्टल

संवाददाता । रांची

चान्हो।गिरिडीह : के डुमरी थाना क्षेत्र स्थित कुलगो टोल प्लाजा के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ अज्ञात युवकों के बीच आपसी विवाद के दौरान एक युवक ने पिस्टल निकाल ली और हवा में लहराने लगा। अचानक हुई इस घटना से मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ युवक किसी बात को लेकर आपस में बहस कर रहे थे। देखते ही देखते कहासुनी झड़प में बदल गई। इसी बीच एक युवक ने कमर से पिस्तौल निकाली, उसे लोड किया और हवा में लहराने लगा। आसपास के लोगों ने स्थिति बिगड़ती देख तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना बीते शुक्रवार की हैसूचना मिलते ही डुमरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, तब तक सभी युवक वहां से फरार हो चुके थे। पुलिस ने टोल प्लाजा परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि संबंधित युवक की पहचान की जा सके। डुमरी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। फुटेज के आधार पर आरोपी युवकों की पहचान कर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर हथियार का प्रदर्शन कानूनन अपराध है और दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि टोल प्लाजा के आसपास आए दिन बाहरी युवकों का जमावड़ा रहता है, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

चान्हो चौक पर भीषण दुर्घटनाः तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंदा, बाइक सवार बाल-बाल बचा

संवाददाता । रांची

चान्हो।गिरिडीह : चान्हो : चान्हो चौक पर शुक्रवार रात करीब 8 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार संजय साहू चमत्कारिक रूप से बाल-बाल बच गए। हालाँकि, रांची से लोहरदगा की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को बुरी तरह से रौंद दिया।जानकारी के अनुसार, हादसा इतना खतरनाक था कि ट्रक ने पूरी तरह से बाइक को अपने पहियों के नीचे ले लिया। बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।गनीमत रही कि हादसे में किसी भी तरह की जानमाल की क्षति नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि संजय साहू ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।

निजी विद्यालय मैत्री फुटबॉल टूनार्मेंट का आगाज 30 अक्टूबर से चान्हो में।

संवाददाता । रांची

चान्हो । झारखंड प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन ,रांची और प्राइवेट स्कूल संघ ,चान्हो के तत्वाधान में निजी विद्यालय मैत्री फुटबॉल टूनार्मेंट की शुरूआत चान्हो के संत जॉन मेरी वियानी स्कूल के मैदान में 30 अक्तूबर 2025 से किया जा रहा है । प्रतियोगिता में चान्हो प्रखंड के 16 स्कूलों की टीम हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।शुक्रवार को बिरसा मुंडा पब्लिक स्कूल टांगर में चान्हो प्रखंड के सभी निजी विद्यालयों के स्कूल संचालकों के साथ प्रतियोगिता से संबंधित एक बैठक किया गया। जिसमें निर्णय लिया गया कि प्रतियोगिता 30 अक्तूबर 31अक्तूबर और फाइनल मैच 3 नवम्बर को दिन में सुबह 9 बजे से शुरू होगी।बैठक में मुख्य रूप से अमीन अंसारी, सुभाष कुमार नजीर हुसैन अलीहसन अंसारी, प्रदीप उरांव, पर्वत राज, सालिक राम पांडे,हाजी मुर्तजा, प्रभाकर कुजुर, माजिद आलम, खुर्शीद अंसारी, मेराज हुसैन, शाकिब अंसारी,विनोद कुमार,नरेश कुमार यादव, अजय होरो विनोद टोप्पो, लोचन कुमारी सहित सभी निजी विद्यालय के संचालक मौजूद थे।

अकेली विधवा महिला के घर से अज्ञात चोरों के द्वारा ताला तोड़कर नगद एवं जेवरातों की चोरी

विवरणः- दिनांक 20.10.2025 की रात्रि ग्राम कर्बला मुहल्ला उरूगुटू में अकेली विधवा महिला के घर से अज्ञात चोरों के द्वारा ताला तोड़कर नगद एवं जेवरातों की चोरी कर लेने के संबंध में वादिनी माकिना खातून के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध प्रसंगाधीन कांड दर्ज किया गया है।उक्त कांड के उदभेदन हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राँची के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खलारी, राँची के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया।

बोकारो में सड़क हादसा: इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार महिला की मौके पर मौत

बोकारो : बोकारो जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। हादसा राजू पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास श्यामपुर बस्ती के समीप हुआ। मृतका की पहचान पूजा देवी (30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो जरीडीह थाना क्षेत्र के बाराडीह कल्याणपुर गांव की रहने वाली थीं। जानकारी के अनुसार, वह सुबह अपने गांव से पास स्थित किराये के मकान की ओर इलेक्ट्रिक स्कूटी से जा रही थीं। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पूजा देवी सड़क पर गिर पड़ीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित किया। मृतका के पति संजय रजवार मजदूरी का कार्य करते हैं। हादसे के बाद परिवार और स्थानीय लोगों में शोक का माहौल है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

घाटशिला विस उपचुनाव : जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रेसवार्ता कर नाम वापसी, प्रशासनिक तैयारी समेत अन्य कार्रवाईयों की दी जानकारी

जमशेदपुर, संवाददाता

आगामी 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर शुक्रवार जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने समाहरणालय सभागार में प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि नाम वापसी के अंतिम दिन निर्दलीय प्रत्याशी विक्रम किस्कू ने अपना नामांकन वापस ले लिया है और अब 13 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में होंगे। अब निवार्ची पदाधिकारी द्वारा सभी 13 अभ्यर्थियों को सिंबल आवंटित किया जाएगा। विदित हो कि 45-घाटशिला (अ.ज.जा) उपचुनाव में कुल 17 अभ्यर्थियों (पुरूष-15, महिला-2) ने नाम निर्देशित किया था। नामांकन संविक्षा उपरांत 3 नामांकन अस्वीकृत किए गए तथा नामांकन वापसी के अंतिम दिन एक अभ्यर्थी ने नामांकन वापस लिया। कुल निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अब 13 है। जिनमें 12 पुरूष एवं 1 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। वार्ता में उन्होंने कहा कि उपचुनाव के मद्देनजर जिला में आदर्श आचार संहिता के अलावे सभी तरह के एसओपी का अनुपालन किया जा रहा है। सभी अंतर्राज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाकाओं की निगरानी सख्ती से की जा रही है। ताकि अवैध मादक पदार्थ, संदिग्ध पैसों का परिवहन, शराब, उपहार, असामाजिक तत्वों पर कड़ाई से निगरानी एवं कार्रवाई की जा सके। अबतक की कार्रवाई में विभिन्न एजेसियों द्वारा 237.73008 लाख रूपए मूल्य के सामग्री (नगद सहित) जब्त किए गए हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सुगम, स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन प्रक्रिया के सफल संपादन के लिए सभी प्रशासनिक तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया है। मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण उपरांत कुल 256352 मतदाता घाटशिला उपचुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। होम वोटिंग वाले मतदाता एवं मतदान केन्दों तक नहीं पहुंच पाने वाले मतदाताओं का चिन्हितीकरण प्रक्रिया में हैं। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को शिक्षित एवं प्रेरित करते हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील किया कि निर्भिक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। विशेषकर युवा मतदाता भी स्वयं मतदान करने बूथों तक आएं एवं अपने परिजनों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित किया गया है। उपचुनाव में होम वोटिंग की सुविधा रहेगी। वैसे दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाता जो मतदान के लिए मतदान केंद्र जाना चाहते हैं, उनके आवागमन के लिए वाहन, व्हीलचेयर, रैंप, वॉलंटियर की व्यवस्था रहेगी। सोशल मीडिया एवं अन्य मीडिया माध्यमों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

उग उग हो दीनानाथ , आरघ देवो तोहार

चंदवा ,लातेहार : हर गली हर मुहल्ले में शाम को छठ के गीतों से गुंजयमान हो रही है,चारों तरफ गीतों और गाजे बाजे से भी छठ के गीत से वातावरण भक्तिमान हो गया है, सभी गलियों में महिलाओं के गीत और गायन से गली मुहल्ले में भक्ति की रसधार बह रही है,उग उग हो दिना नाथ ,आरघ देवो तोहार ,केलवा जे फरलय घवद से ,उस पर सुगा मंडराए ,जैसे कम से कम पांच गीत व्रतधारियों के घर पास पड़ोस की महिलाएं जमा होकर गाती है, बाजार भी छठ के गीत से सराबोर है, फल, सूप, दौरा, गेहूं, गन्ना, नारियल समेत कई सामानों की बिक्री तेज हो गई है, दुकानदार अपने दुकानों को सजा कर साफ सुथरा खुद नहा धो कर सामानों की बिक्री करते है, छठ घाटों की सफाई, जेसीबी से घाटों का निर्माण, रास्ते का नवीनीकरण किया जा रहा है,कई सामाजिक संस्थाएं काम कर रही है,

उपायुक्त ऋतुराज आमजनों की समस्या से हुए रूबरू, दिये कार्रवाई करने का निर्देश

कोडरमा, संवाददाता

उपायुक्त ऋतुराज द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न पंचायत/गांवों से आम नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए। जनता दरबार में लोगों की रोजगार, स्व-रोजगार से संबंधित योजना,भूमि विवाद, पेंशन, राशन, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागीय शिकायतों को सुना गया। उपायुक्त ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके।

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने छठ व्रतियों के बीच साड़ियों का किया वितरण

धनबाद, संवाददाता

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के उपलक्ष्य में झारखंड विधानसभा के सचेतक एवं धनबाद विधायक राज सिंह ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूरे धनबाद विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों के विभिन्न क्षेत्रों में मनईटांड़ कुम्हार पट्टी, मटकुरिया दुर्गा मन्दिर प्रांगण में, धोवाटांड , गोधर काली बस्ती, केंदुआडीह राजपूत बस्ती, केंदुआ 5 नंबर चैती दुर्गा मन्दिर के प्रांगण मे, करकेंद सुदामडीह कॉलोनी, भागाबाँध बस्ती , भूली सी ब्लाक, बेकारबाँध दुर्गा मंडप मे स्थानीय महिलाओं के बीच बड़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ छठ व्रतियों के बीच साड़ियों का वितरण किया।मेगा स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक राज सिन्हा ने छठ व्रतियों के बीच आज लगभग 5 हजार साड़ियों का वितरण किया. विधायक श्री सिन्हा ने माता बहनों के बीच साड़ी प्रदान करते हुए कहा कि, छठ महापर्व हमारे लोक जीवन, संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। यह पर्व मातृशक्ति, संयम, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण है। ऐसे अवसर पर व्रतियों की सेवा करना अपने आप में सौभाग्य की बात है। उन्होंने आगे कहा कि धनबाद की जनता ने हमेशा मुझे परिवार की तरह स्नेह और आशीर्वाद दिया है। इसी प्रेरणा से हर वर्ष मैं छठ व्रतियों के बीच साड़ी वितरण कर उनकी सेवा का अवसर पाता हूं। माता बहनों का आशीर्वाद मुझ पे सदैव बना रहता है. इससे धनबाद के आमलोगों के लिए कार्य करने की ऊर्जा मिलती है.मेरी यही कामना है कि छठी मइया सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल का प्रकाश लाए। विधायक राज सिन्हा ने आगे कहा कि, आने वाले समय में भी वे जनसेवा और लोकआस्था के ऐसे आयोजनों में निरंतर सहभागिता करते रहेंगे। जिला महामन्त्री मानस प्रसुन, जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा एवम निवर्तमान पार्षद अशोक पाल ने कहा कि, धनबाद विधायक राज सिन्हा हमेशा आम जनता के बीच सहज उपलब्ध तो रहते ही है, विशेषकर प्रत्येक पर्व एवम त्योहारों मे आम जनमानस के बीच बीच लोक आस्था के महापर्व पर साड़ी वितरण, दिवाली मे दिया बाती का वितरण, होली मे होली मिलन समारोह आयोजित कर खुशीयां बांटते है यह कार्यप्रणाली उन्हे औरों से अलग बनाता है.इस अवसर पर भाजपा भाजपा के जिला महामन्त्री मानस प्रसून, जिला मंत्री सह मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, निवर्तमान पार्षद अशोक पाल, सूरज पासवान, किशोर मंडल, संजय कुशवाहा, शंकर विश्वास, आनंद खंडेलवाल, रंजीत यादव, राजीव भट्ट, शंभु सिंह, मनोज बेबी यादव, मालाकार, हुल्लास दास, सतीश रजक, रंजय सिंह, संजय गोस्वामी, मोहन मास्टर, शंभु साव, सपन कश्यप, सत्येंद्र ओझा, रजनीश तिवारी, सुमन सिंह, मनोज गुप्ता, निरज सिन्हा सहित हजारों महिलाएं उपस्थित थी. कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न मंडलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने किया गौशाला ओपी का निरीक्षण

धनबाद, संवाददाता

सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने आज गौशाला ओपी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव, लंबित मामलों की स्थिति एवं विधि-व्यवस्था की समीक्षा की।सिटी एसपी ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा क्षेत्र में सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए गश्ती व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जनता की सुरक्षा और अपराध पर अंकुश लगाना है। निरीक्षण के दौरान डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम, सर्किल इंस्पेक्टर रंजीत कुमार, गौशाला ओपी प्रभारी रवि कुमार सिंह, सिंदरी थाना प्रभारी संजय कुमार, और बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार उपस्थित थे। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि इससे पहले सिंदरी थाना का निरीक्षण किया गया था और आज गौशाला ओपी का निरीक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी विभिन्न थानों का निरीक्षण क्रमवार जारी रहेगा ताकि पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और हर स्तर पर बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

पांकी में भव्य सूर्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, छठ भक्तों में उत्साह

पलामू, संवाददाता

पांकी प्रखंड के बराज पुल क्षेत्र स्थित अमानत नदी तट पर टाइगर युवा छठ पूजा समिति, बराज घाट की पहल पर भव्य सूर्य मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आसपास के गाँव – बनखेता, हरैया, कुंडेलवा, पुरानी पांकी, हरना, चंद्रपुर, पांकी सहित दर्जनों गांवों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी सत्यप्रकाश पांडे उर्फ. चुनमुन पांडे ने कहा कि सूर्य मंदिर के निर्माण से क्षेत्र के छठ व्रतियों को सुविधा मिलेगी और वे अधिक श्रद्धा व पवित्रता के साथ छठ महापर्व का पालन कर सकेंगे। समाजसेवी अजय सिंह ने कहा कि ग्रामीणों की यह वर्षों पुरानी मनोकामना थी कि इस पवित्र तट पर एक सूर्य मंदिर का निर्माण हो। आज इस सपने की नींव रखी गई है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गाँव के लोगों का सहयोग मिल रहा है, किंतु इस कार्य को पूर्ण करने में सामाजिक एकता और जनसहयोग की आवश्यकता है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष शनिदेवल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष संजीत कुमार एवं संजीव कुमार, सचिव धीरेन्द्र कुमार, सहित मिथलेश पांडे, नरेन्द्र सिंह, राजनाथ शर्मा, डॉ. रामदत्त शर्मा, विश्वनाथ सिंह, ईश्वरी सिंह, पिंटू सिंह, परमल सिंह, गोबिंदा गांगुली, मंजीत कुमार, सकिंदर सिंह, पंकज, शम्भु, जयकरण, मनीष, जितेश, लालबिहारी, रूपेश, महेश्वर, परमेश, अरविंद, दिनेश, छोटू, डॉ. सतीश, जितेंद्र, मछिंदर व मनोज सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि यह सूर्य मंदिर आने वाले समय में भक्ति, आस्था और छठ संस्कृति का केंद्र बनेगा तथा क्षेत्र के छठ व्रतियों के लिए सुविधा और श्रद्धा का प्रतीक सिद्ध होगा।

सूर्य देव के प्राणप्रतिष्ठा का तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

पलामू, संवाददाता

प्रखंड अंतर्गत पंजरी खुर्द स्थित गिरनाली बाबा धाम परिसर में नव-स्थापित सूर्य देव की प्रतिमा का तीन दिवसीय प्राणप्रतिष्ठा अनुष्ठान शुक्रवार को भंडारे के साथ संपन्न हो गया. अनुष्ठान के पहले दिन गिरनाली बाबा धाम परिसर से भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गयी थी. इसके बाद तीन दिनों तक विशेष धर्मिक अनुष्ठान चला,जो आज हवन के साथ संपन्न हुआ. इस दौरान यूपी कानपुर से आये तीन प्रकांड ब्राह्मण विद्वान डॉ अमलेश कुमार तिवारी, आचार्य मनीष कुमार मिश्रा व आचार्य अनूप कुमार मिश्रा द्वारा सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया. मुख्य यजमान के रूप में ट्रस्ट के संरक्षक ज्योति पाठक व विभा पाठक ने स-परिवार पूजा-अर्चना किया. वही दूसरे दिन सूर्य देव की प्रतिमा का प्राणप्रतिष्ठा पूरे विधि विधान के साथ हुआ. प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह भी शामिल हुये. पूर्णहुति के दिन भंडारा का भी आयोजन किया गया. जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. धर्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम में मुखिया धर्मेन्द्र चौधरी, प्रखंड समन्वयक रौशन पाठक, नौगढा ओपी प्रभारी अनिल यादव, ट्रस्ट अध्यक्ष भूतपूर्व सैनिक एस एन पाठक, अश्विनी पाठक, आनंद पाठक, कौशल पाठक, महेंद्र पाठक, अमरेश पाठक, धर्मेन्द्र पाठक, चंचला देवी, प्रेरणा पाठक सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल रहे.

चित्रगुप्त भगवान भुल न जाना अगले बरस तुम्हें फिर है आना का जयघोष

बोकारो, संवाददाता

चित्रगुप्त भगवान हमें भूल न जाना अगले बरस तुम्हें फिर है आना की जय घोष से गूंज उठा पुरा तेनुघाट का इलाका। जब कायस्थ परिवार के सैकड़ो रहिवासी भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले गए। ज्ञात हो कि, बीते 23 अक्टूबर को चित्रगुप्त पूजा के दिन तेनुघाट में श्री श्री चित्रगुप्त पूजा समिति आई टाइप एवं एफ टाइप चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर में भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की गई। चित्रांश परिवार के सदस्य भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा स्थापित कर महोत्सव मनाया। इस अवसर पर कायस्थ परिवार के सैकड़ो श्रद्धालुओं ने विधि विधान से भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की। उसके बाद रात्रि में सामुहिक प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। जिसमें तेनुघाट मुखिया नीलम श्रीवास्तव, पूर्व मुखिया रेखा सिन्हा सहित कई गणमान्य पहुंचे और सामुहिक प्रीतिभोज में शामिल हुए। वहीं 24 अक्टूबर को भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा विर्सजन के समय जनार्दन प्रसाद, विजय कुमार बबन, सत्येन्द्र कुमार सिन्हा, रमेंद्र कुमार सिन्हा, वेंकट हरि विश्वनाथन, सुभाष कटरियार, सुनील कुमार, नरेश श्रीवास्तव, जसू श्रीवास्तव, सुजीत कुमार सिन्हा, योगेश नंदन प्रसाद, पवन कुमार सिन्हा, पंकज कुमार सिन्हा, अजीत कुमार लाल, भम श्रीवास्तव, रत्नेश श्रीवास्तव, अजय अम्बष्ट, विजय अम्बष्ट, संतोष कटरियार, गोपाल जी विश्वनाथन, कुंदन कुमार, विक्की सिन्हा, मोहित कुमार, दीपक कुमार सिन्हा, प्रीतिश आनंद, सत्यम कटरियार, कृष, शिवम, विशाल, शौर्य कुमार सहित तेनुघाट चित्रांश परिवार के सदस्य गण मौजूद थे। वहीं श्री श्री चित्रगुप्त पूजा समिति आई टाइप तेनुघाट में विसर्जन के दौरान महिला, पुरूष, बच्चे सभी शामिल थे। महोत्सव की सफलता में तेनुघाट चित्रांश परिवार तेनुघाट के रेखा सिन्हा, मोहन प्रसाद श्रीवास्तव, अरुण कुमार सिन्हा, विजय कुमार बबन, विजय कुमार सिन्हा, वीरेंद्र कुमार सिन्हा, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, अनिल कुमार लाल, जनार्दन प्रसाद, शैलेश चन्द्र, आनंद श्रीवास्तव, संतोष कुमार श्रीवास्तव (मुन्ना), मिथिलेश कुमार सहित चित्रांश परिवार के सदस्य गण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गोमिया में करोड़ों की ठगी का खुलासा, डोलो ट्रेड कंपनी बंद कर फरार

बोकारो, संवाददाता

गोमिया बैंक मोड़ स्थित डोली पैलेस में संचालित डोलो ट्रेड नामक कंपनी द्वारा करोड़ों रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। आरोप है कि कंपनी ने आकर्षक ब्याज दरों का लालच देकर करीब 750 निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी की और अचानक कार्यालय बंद कर फरार हो गई। पीड़ित निवेशकों ने कंपनी के संचालकों के खिलाफ आईईएल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। स्वांग निवासी नीरज कुमार साहू ने बताया कि वर्ष 2022 में करमाली टोला निवासी नरेश करमाली, उनकी पत्नी पिंकी देवी, राहुल करमाली, जारंगडीह निवासी बसंत करमाली, सारस करमाली और स्वांग हजारी बस्ती निवासी सूर्यदेव प्रजापति ने तीन प्रतिशत मासिक ब्याज का लालच देकर उनसे ?2.5 लाख का निवेश करवाया। शुरूआती कुछ माह तक ब्याज दिया गया, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। कथारा निवासी नवीन कुमार ने बताया कि उन्होंने स्वयं ?4.5 लाख और अपने रिश्तेदारों के करीब ?15 लाख कंपनी में निवेश किए थे। कुछ महीनों तक ब्याज मिलने के बाद कंपनी ने पोर्टफोलियो जीरो होने का बहाना बनाकर भुगतान बंद कर दिया। इसी तरह गोमिया निवासी सौरभ कुमार ने भी बताया कि कंपनी ने पहले विश्वास जीतने के लिए कुछ समय तक ब्याज का भुगतान किया, फिर कार्यालय बंद कर सभी आरोपी फरार हो गए।

नहाय खाय के साथ आस्था का महापर्व छठ आज से शुरू

बेरमो, संवाददाता

आस्था का महापर्व छठ का शुभारंभ शनिवार, 25 अक्टूबर 2025 को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया है। 26 अक्टूबर पंचमी को खरना, 27 अक्टूबर षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और 28 अक्टूबर सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर व्रत सम्पन्न किया जाएगा। पूरे देश के साथ-साथ विदेश में भी छठ पूजा की जोरदार तैयारियां चल रही हैं। चार दिन चलने वाले इस पर्व में सूर्य और छठी मैय्या की पूजा की जाती है। इस दिन रखा जाने वाला व्रत बेहद कठिन माना जाता है,क्योंकि इस व्रत को 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए रखा जाता है। इस वर्ष छठ पर्व की पूजा 25 अक्टूबर से हो रही है, जिसका समापन 28 अक्टूबर को होगा। पंचमी को खरना , षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर व्रत संपन्न किया जाता है।

संतान के सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है चार दिनी व्रत

छठ का पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर नहाय खाय से शुरू होता है। चार दिनी यह व्रत संतान के सुखी जीवन की कामना के लिए किया जाता है। इस पर्व में मुख्यत: सूर्य देव को अर्घ्य देने का सबसे ज्यादा महत्व माना गया है।

नहाय-खाय तिथि

छठ पूजा का यह महापर्व चार दिन तक चलता है। इसका पहला दिन नहाय-खाय होता है। इस साल नहाय-खाय 25 अक्टूबर को पड़ा है। बता दें कि छठ पूजा की नहाय खाय परंपरा में व्रती नदी में स्नान के बाद नए वस्त्र धारण कर व्रती लौकी की सब्जी और चावल खाते हैं, जो 'कद्दू भात' या 'लौकी-भात' के नाम से जाना जाता है। यह एक सात्विक और पौष्टिक भोजन है जो शरीर को शुद्ध करने और आगामी निर्जला व्रत के लिए तैयार करने में मदद करता है।इस दिन व्रती के भोजन

फाईल फोटो

ग्रहण करने के बाद ही घर के बाकी सदस्य भोजन ग्रहण करते हैं।

खरना तिथि

खरना छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस साल खरना 26 अक्टूबर को है। इस दिन का सूर्योदय सुबह 6:28 बजे और सूर्यास्त शाम 5:40 बजे होगा। खरना के दिन व्रती एक समय मीठा भोजन करते हैं। इस दिन गुड़ से बनी चावल की खीर खाई जाती है। इस प्रसाद को मिट्टी के नए चूल्हे पर आम की लकड़ी से आग जलाकर बनाया जाता है। इस प्रसाद को खाने के बाद व्रत शुरू हो जाता है। इस दिन नमक नहीं खाया जाता है।

संध्या अर्घ्य का समय

छठ पूजा पर सबसे महत्वपूर्ण दिन तीसरा होता है। इस दिन संध्या अर्घ्य का होता है। इस दिन व्रती घाट पर आकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस साल छठ पूजा का संध्या अर्घ्य 27 अक्टूबर को दिया जाएगा।27 अक्टूबर को सूर्यास्त शाम 5:40 बजे होगा। इस दिन टोकरी में ठेकुआ, फल, गन्ना,चावल के लड्डू समेत अन्य पारंपरिक प्रसाद से अर्घ्य के सूप को सजाया जाता है। इसके बाद नदी या तालाब में कमर तक पानी में रहकर अर्घ्य दिया जाता है।

उगते सूर्य को अर्घ्य

चौथा दिन यानी सप्तमी तिथि छठ महापर्व का अंतिम दिन होता है। इस दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण होता है। इस साल 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इस दिन सूर्योदय सुबह 6:30 बजे होगा। इसके बाद ही 36 घंटे का व्रत समाप्त होता है। अर्घ्य देने के बाद व्रती प्रसाद का सेवन करके व्रत का पारण करती हैं।

बोकारो में केबल चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, 50 मीटर तार और औजार बरामद

बोकारो, संवाददाता

बोकारो में बीते 17 जुलाई को बोकारो जनरल हॉस्पिटल के समीप स्थित टॉवर से हुई केबल चोरी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस संबंध में सेक्टर-4 थाना कांड संख्या 78/2025 दर्ज किया गया था। घटना के उद्भेदन हेतु पुलिस लगातार छापेमारी और जांच कर रही थी। इसी क्रम में बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि सिटी सेंटर स्थित नटखट के पास वाले टॉवर के पास दो युवक केबल चोरी की नीयत से पहुंचे हैं और इलाके की रेकी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी कर दोनों आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान सोनू राम (18 वर्ष) और राहुल बांसफोर (19 वर्ष) के रूप में हुई है, दोनों सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के निवासी हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से दो हेक्सा ब्लेड बरामद किए। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने बी.जी.एच. अस्पताल के पास के टॉवर से केबल चोरी की थी। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने सोनू राम के सर्कस मैदान स्थित झोपड़ी से करीब 50 मीटर केबल तार और दो हेक्सा ब्लेड बरामद किए हैं। सेक्टर-4 थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अन्य संभावित सहयोगियों की भी तलाश कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

देवोत्थान एकादशी: सहालग 1 नवंबर से, 26 दिन गूंजेगी शहनाई, शुरू होंगे मांगलिक कार्य, ये हैं शुभ मुहूर्त

अलीगढ़ , एजेंसी। देवोत्थान एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। इस बार अलीगढ़ जिलेभर में 26 दिन शहनाई गूंजेगी। इसे लेकर शहर के होटल, रेस्टोरेंट, मैरिज होम व धर्मशालाएं बुक कर दी गई हैं।

विवाह के कुल 26 मुहूर्त उपलब्ध होंगे। इनमें एक नवंबर को देवोत्थान एकादशी, 23 जनवरी को वसंत पंचमी व 19 फरवरी को फुलेराद्धुज अनबूझे मुहूर्त होंगे। ज्योतिषाचार्य पंडित हृदय रंजन शर्मा ने बताया कि नवंबर में 18, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 व 30 समेत नौ वैवाहिक मुहूर्त हैं। इसके बाद दिसंबर में 04, 10 व 11 समेत तीन मुहूर्त होंगे। 16 दिसंबर से खरमास शुरू हो जाएगा, जो तीन फरवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान विवाह जैसे शुभ कार्य नहीं होंगे। इसके बाद फरवरी और मार्च में सहालग शुरू होंगे।

उन्होंने बताया कि खरमास समाप्त होने के बाद फरवरी 2026 में नौ दिन विवाह के लिए उपयुक्त रहेंगे। इनमें 03, 04, 05, 10, 13, 15, 19, 20, 21 फरवरी को शुभ मुहूर्त रहेंगे। मार्च में 06, 09, 10, 11, 12 समेत पांच शुभ लग्न मुहूर्त हैं। 14 मार्च के बाद फिर से मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा।

एकादशी से होगी मांगलिक कार्यों की शुरुआत

वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी पूर्णानंदपुरी महाराज ने कहा है कि देवोत्थान एकादशी की तिथि एक नवंबर को प्रातः 09:11 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन 02 नवंबर की प्रातः 07:31 बजे तक रहेगी। एकादशी के साथ विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत आदि मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी।

कार्तिक महीने की शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि को देवोत्थान एकादशी पर देव चार महीने की योग निद्रा त्यागकर सृष्टि का कार्यभार संभालते हैं। ऐसे में एकादशी व्रत गृहस्थ लोग शनिवार को करेंगे। वहीं वैष्णव आदि लोग उदया तिथि एकादशी व्रत के साथ देवोत्थान दो नवंबर को मनाएंगे। देवोत्थान एकादशी के साथ ही चातुर्मास खत्म हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस दिन भगवान शालिग्राम और देवी तुलसी का विवाह भी होगा। भगवान शालिग्राम की पूजा के विषय और शुभ मुहूर्त की जानकारी देते हुए बताया कि इस दिन अभिजित मुहूर्त प्रातः 11:42 बजे से दोपहर 12:27 बजे तक रहेगा। अमृत काल प्रातः 11:17 बजे से दोपहर 12:51 बजे तक रहेगा। रवि योग प्रातः 06:33 मिनट से शाम 06:20 बजे तक रहेगा।

महंत राजूदास का विवादित बयान, बोले - सनातन पर टिप्पणी करने वालों को जूता लेकर ठीक करें

अंबेडकरनगर, एजेंसी। अकबरपुर के बनगांव रोड स्थित छितुनी गांव में रामलीला का उद्घाटन करने पहुंचे हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत राजू दास ने अकबरपुर के सपा विधायक रामअचल राजभर पर जमकर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के बाद सनातन पर टिप्पणी करना दुर्भाग्य की बात है। सनातन की परंपरा इतनी विशाल होने के बावजूद हमने किसी का अपमान नहीं किया। ऐसे राक्षस प्रवृत्ति के लोगों को जूता लेकर ठीक करना चाहिए।उन्होंने कहा कि रामचरितमानस पर टिप्पणी करने वाला मनुष्य नहीं हो सकता है। रामचरितमानस का एक-एक पात्र अकल्पनीय है। राम को वनवास हुआ तो लक्ष्मण और सीता भी वन चले गए। अभी आपने सोशल मीडिया पर देखा होगा कि एक पत्नी ने अपने पति की हत्या कर नीले ड्रम में भर दिया। एक तरफ वो हैं जो पति को वनवास हुआ तो खुद भी चली गईं और दूसरी तरफ ऐसी घटना है। रामायण और रामचरितमानस के अध्ययन से समाज की अनेकों कुरीतियां खत्म हो सकती हैं।उन्होंने राजभर पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके जिले में कुछ राक्षस हैं उन्हें स्वीकार मत करो जूता लेकर उनका स्वागत करो क्योंकि इससे ही धर्म बचेगा।

सीएम योगी का बड़ा फैसला: 30 वर्ष बाद बढ़ेंगे पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के वित्तीय अधिकार

लखनऊ , एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ लोक निर्माण विभाग के विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया है। कहा कि बदलावों से विभागीय अधिकारियों को निर्णय लेने में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी। उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटने से निविदा, अनुबंध गठन एवं कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होगा।

शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की बैठक में यह तथ्य सामने आया कि विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार वर्ष 1995 में निर्धारित किए गए थे। इस बीच निर्माण कार्यों की लागत में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के अनुसार वर्ष 1995 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग 5.52 गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक : मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए और परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जा सके।

अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग ने मुख्यमंत्री को सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी दी। विमर्श के उपरांत निर्णय लिया गया कि सिविल कार्यों के लिए अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों की सीमा अधिकतम पांच गुना तक व विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए कम से कम दो गुना तक बढ़ाई जाएगी।

जानें क्या मिला अधिकार : मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार, मुख्य अभियंता को अब 2 करोड़ के स्थान पर 10 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार होगा। अधीक्षण अभियंता को 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार दिया जाएगा।

अधिशासी अभियंता के वित्तीय अधिकार 40 लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ किए जाएंगे। सहायक अभियंता को भी सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति एवं छोटे कार्यों की अनुमति देने के अधिकार बढ़ाए जाएंगे। बता दें कि यह पुनर्निर्धारण तीन दशकों के बाद होने जा रहा है। बैठक में उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन के माध्यम से विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग की सेवा संरचना, पदोन्नति व्यवस्था तथा वेतनमान के पुनर्गठन से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि नियमावली में किया जा रहा यह संशोधन विभागीय अभियंताओं की सेवा संरचना को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से किया गया है। संशोधित नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद सम्मिलित किया गया है। इसके साथ मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। नवसृजित पदों को नियमावली में समाहित करते हुए उनके पदोन्नति स्रोत, प्रक्रिया और वेतनमान को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे सेवा संरचना अधिक पारदर्शी और संगठित हो सके।

पदोन्नति अब वरिष्ठता के आधार पर की जाएगी : बैठक में यह भी बताया गया कि मुख्य अभियंता (स्तर-एक) के पद पर पदोन्नति अब मुख्य अभियंता (स्तर-दो) से वरिष्ठता के आधार पर की जाएगी। इसी प्रकार मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों पर भी पदोन्नति की प्रक्रिया को नियमावली में स्पष्ट किया गया है।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता (स्तर-एक) तक के पदों के वेतनमान और मैट्रिक्स पे लेवल भी निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ चयन समिति की संरचना को अद्यतन किया गया है, ताकि पदोन्नति और नियुक्ति की कार्यवाही अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जा सके।

सीएम के साथ बैठक में मुख्य सचिव एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव वित्त एवं आईआईडीसी दीपक कुमार, पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव अजय चौहान, विभागाध्यक्ष एके द्विवेदी और मुख्य अभियंता यूके सिंह भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग राज्य की विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में एक प्रमुख विभाग है, इसलिए अभियंताओं की सेवा नियमावली को समयानुकूल, व्यावहारिक और पारदर्शी बनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति व्यवस्था से विभाग की कार्यकुशलता, तकनीकी गुणवत्ता और सेवा भावना को नई दिशा मिलेगी।

दिसंबर तक बनेगा इंडोर स्टेडियम, नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज में 50 करोड़ से हो रहा तैयार

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ के नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज में 50 करोड़ से बन रहा इंडोर स्टेडियम दिसंबर तक बनकर तैयार होगा। स्टेडियम निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। बताया जा रहा है कि स्टेडियम का उद्घाटन किसी बड़ी प्रतियोगिता के साथ किया जाएगा।

इस स्टेडियम में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, स्विमिंग पूल, योग, जिम जैसी खेल सुविधाएं खिलाड़ियों को मिलेंगी। मंडलायुक्त संगीता सिंह ने बताया कि स्टेडियम को संचालित करने के लिए एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह स्टेडियम स्मार्ट सिटी लिमिटेड बना रही है। बैठक में इंडोर स्टेडियम के रखरखाव और सुख-सुविधाओं को बरकरार रखने के लिए इसकी जिम्मेदारी एजेंसी को देने का निर्णय लिया गया है।

संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय के पीछे बन रहे स्टेडियम में फिनिशिंग का काम बचा है। दिसंबर में स्टेडियम में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। खिलाड़ी संतोष कुमार, फरहान, अयान, विराट ने बताया कि जिला मुख्यालय पर कोई स्विमिंग पूल नहीं है, जो सरकारी हो। इस इनडोर स्टेडियम के बनने से जिले में यह कमी भी पूरी हो जाएगी।

नौकर के नाम 100 बीघा जमीन... अतीक की बेनामी संपत्तियां बेचकर गुर्गे अशरफ ने मुंबई में खरीदे फ्लैट, खुलासा

लखनऊ , एजेंसी।

माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों के राज धीरे-धीरे खुलते जा रहे हैं। अतीक के गुर्गे अशरफ उर्फ लाला ने अपराध की कमाई से अर्जित संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने के साथ अपने लिए भी संपत्तियां खरीदी थीं। आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति निषेध इकाई की जांच में सामने आया है कि अतीक की कुछ बेनामी संपत्तियों को बेचने से मिली रकम से अशरफ ने मुंबई में कुछ फ्लैट खरीदे हैं। अब आयकर विभाग इन फ्लैटों को जब्त करने की तैयारी में है।

अतीक अहमद की बेनामी संपत्तियों की जांच के दौरान आयकर विभाग को अशरफ उर्फ लाला का पता चला था, जिसके नौकर सूरजपाल के नाम पर करीब 100 बीघा जमीन खरीदी गई थी। फास्ट फूड का ठेला लगाने वाले सूरजपाल के नाम पर अतीक और अशरफ ने बेनामी संपत्तियों को खरीदने के बाद उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा था।

हालांकि उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक की मुश्किलें बढ़ गईं और अशरफ और सूरजपाल इन संपत्तियों को खुर्द-बुर्द करने में जुट गए। आयकर विभाग ने जांच के बाद करीब 6.35 करोड़ रुपये कीमत की छह संपत्तियों को जब्त कर लिया था। आयकर विभाग के इस आदेश पर निर्णायक प्राधिकारी ने मुहर लगाने के साथ बाकी संपत्तियों को भी चिह्नित कर जब्त करने का आदेश दिया था।

विभाग की आगे की जांच में सामने आया कि अशरफ ने अतीक की कुछ संपत्तियों को बेचने से मिली रकम से मुंबई में कुछ फ्लैट खरीदे हैं। इसकी पुष्टि अशरफ और उसकी पत्नी के बैंक खातों से हुई है। अब आयकर विभाग इस फ्लैट के बारे में जानकारी जुटाकर जब्त करने की कवायद में जुटा है। इस संबंध में पूछताछ के लिए जल्द अशरफ और उसकी पत्नी को नोटिस देकर तलब भी किया जाएगा।

प्रयागराज को मिलेगी पांचवीं वंदे भारत, पांच घंटे में पहुंचेंगे खजुराहो

प्रयागराज , एजेंसी। प्रयागराज को जल्द ही एक और वंदे भारत एक्सप्रेस मिलने वाली है। इसका संचालन वाराणसी से खजुराहो के बीच होगा। इससे प्रयागराज से खजुराहो का सफर महज पांच घंटे में पूरा होगा। ट्रेन सुबह 8:05 बजे चलेगी और दोपहर 1:10 बजे खजुराहो पहुंचेगी। ट्रेन चार धार्मिक स्थलों चित्रकूट, प्रयागराज, विंध्याचल और वाराणसी को जोड़ेगी।

इसकी समय-सारिणी जारी कर दी गई है। संगम नगरी में इस ट्रेन का दोनों ओर से प्रयागराज छिवकी में ठहराव होगा। वाराणसी से यह ट्रेन सुबह 5:25 बजे चलकर 6:55-6:57 बजे विंध्याचल पहुंचेगी। प्रयागराज छिवकी में इसका आगमन-प्रस्थान सुबह 8:00-8:05 बजे होगा। यहां से चलने के बाद ट्रेन चित्रकूट धाम में सुबह 10:05-10:07 बजे रुकेगी।

इसके बाद 11:08-11:10 बजे बांदा, 12:08-12:10 बजे महोबा और दोपहर 1:10 बजे ट्रेन खजुराहो पहुंचेगी। वापसी में खजुराहो से ट्रेन की रवानगी दोपहर 3:20 बजे होगी। महोबा में शाम 4:18-4:20 बजे, बांदा में शाम 5:13-

5:15 बजे एवं चित्रकूट में इसका आगमन-प्रस्थान शाम 6:13-6:15 बजे होगा। रात 8:20-8:25 बजे ट्रेन प्रयागराज छिवकी, रात 9:10-9:12 बजे विंध्याचल एवं रात 11 बजे वंदे भारत ट्रेन वाराणसी पहुंच जाएगी। वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत के संचालन को लेकर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा को पत्र भेजकर बताया है उक्त ट्रेन के परिचालन को स्वीकृति दे दी गई है।बता दें कि वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत का संचालन शुरू होने के बाद प्रयागराज के खाते में कुल पांच वंदे भारत हो जाएंगी। अभी चार वंदे भारत प्रयागराज जंक्शन के रास्ते संचालित हो रही हैं। अब यह पांचवीं वंदे भारत छिवकी के रास्ते चलेगी।

आजमगढ़ में मुठभेड़: युवक की हत्या के 78 घंटे बाद तीन आरोपी अरेस्ट, दो को लगी गोली; तीसरे को दौड़ा कर पकड़ा

आजमगढ़, एजेंसी। आजमगढ़ के जहानागंज थाना पुलिस टीम और अपराधियों के बीच शुक्रवार की भोर में गोधौरा-बनहां मार्ग स्थित सीही गांव के पास मुठभेड़ हो गई। पुलिस कार्रवाई में हत्या के मुकदमे में वांछित दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक अन्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों घायल बदमाशों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।जानकारी के मुताबिक, घायल अभियुक्त पवन यादव सिधारी थाना क्षेत्र बैठौली गांव व मऊ जिले के मुहम्मदाबाद गोहना थाना क्षेत्र के माहपुर (करहा) गांव निवासी अभिषेक चौहान जो वर्तमान समय में सिधारी थाना क्षेत्र के कटघर गोपालपुर का निवासी है, को पैर में गोली लगी है।

तीसरा आरोपी मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नीबी गांव निवासी है। मौके से पुलिस ने एक पिस्टल तमंचा और कारतूस बरामद किया। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष अतुल कुमार मिश्र की टीम ने अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मधुबन कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर आस्था जायसवाल के पर्यवेक्षण में की।

17 वर्षीय युवक की हत्या में थे वांछित : बीते 20 अक्टूबर, 2025 की रात करीब 10 बजे थाना जहानागंज क्षेत्र में विवेक कुमार (17) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में छह नामजद और कुछ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस के अनुसार, मौके से फील्ड यूनिट द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक व अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पीलीभीत में भीषण सड़क हादसा... चार बार पलटने के बाद रेलिंग से टकराई कार; फट गए थे तीन टायर

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत-बीसलपुर पर मार्ग पर बृहस्पतिवार देर रात 10 बजे के बाद एक कार बेकाबू होकर पलट गई। भीषण सड़क हादसे में मोहल्ला छोटा खुदागंज थाना कोतवाली निवासी प्रेम कुमार (30) की मौत हो गई। कार सवार छह लोग गंभीर घायल हो गए।

हादसा इतना भयानक था कि कार सड़क पर तीन-चार बार पलटने के बाद करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला छोटा खुदागंज निवासी प्रेम कुमार की ससुराल बरखेड़ा थाना के गांव आमडार में है।

भाई दूज पर प्रेम कुमार बृहस्पतिवार को अपनी पत्नी प्रीति व दो वर्षीय बच्ची के साथ ससुराल आया था। बताया जा रहा है देर रात परिजनों ने नानकमत्ता घूमने का प्लान बनाया और कार से रवाना हो गए।

कार में प्रेम कुमार के साथ परिवार व रिश्तेदारी के छह अन्य लोग मोहनस्वरूप, सुरेश कुमार, सूरज, जितेंद्र, सोमपाल, दयाशंकर, निवासी आमडार भी साथ थे। पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर गांव जिवोरा कल्यानपुर के बीच कार बेकाबू होकर पलटती हुई सड़क किनारे रेलिंग से जा टकराई।

कार के फट गए तीन टायर

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार तेज होने के कारण गांव के मोड़ पर बेकाबू होकर तीन-चार बार पलटने के बाद सड़क किनारे लगी रेलिंग से टकरा गई। कार के तीन टायर फट गए। हादसे में प्रेम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

अन्य सभी गंभीर घायल हो गए। घायलों को सीएचसी बरखेड़ा लाया गया। जहां से गंभीर घायल मोहन स्वरूप को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पर क्षेत्राधिकारी प्रगति चौहान व थानाप्रभारी परमेंद कुमार मौके पर पहुंचे। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच पड़ताल की।

अक्तूबर का तीसरा सप्ताह... दिन में उमस भरी गर्मी से राहत नहीं

अगले तीन से चार दिनों तक ऐसा रहेगा मौसम

लखनऊ, एजेंसी। अक्तूबर का तीसरा सप्ताह चल रहा है। राजधानी लखनऊ में अभी भी दिन में उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि अगले तीन से चार दिनों तक ऐसे ही उमस भरी गर्मी दिन में सताती रहेगी। हालांकि रात के न्यूनतम तापमान में अब गिरावट का दौर देखने को मिल सकता है।

बृहस्पतिवार को तेज धूप के असर से दिन में गर्माहट का अहसास बना रहा। हवा में नमी ज्यादा होने के कारण लोगों को उमस का भी सामना करना पड़ा। दिन में जहां गर्मी ने परेशान किया वहीं रात में हवा में सिहरन का अहसास भी हुआ। बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री रिकार्ड हुआ जो सामान्य से 6.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वहीं, दिन का अधिकतम तापमान बिना किसी बदलाव के 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

प्रदेश के मौसम को लेकर ये है भविष्यवाणी : उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम में बदलाव की आहट है। मौसम विभाग का कहना है कि 24 अक्तूबर से पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती परिसंचरण और निम्न

दबाव क्षेत्र सक्रिय हो रहा है। इसके असर से आगामी 29 अक्तूबर से वाराणसी समेत प्रदेश के पूर्वी- दक्षिणी जिलों में बारिश की संभावना है। पूर्वानुमान है कि आगामी तीन से चार दिनों तक दिन के तापमान में कोई विशेष गिरावट के आसार नहीं है। वहीं 24 अक्तूबर से पूर्वा हवाओं के मद्धिम पड़ने से अगले चार दिनों में रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट की संभावना है। बृहस्पतिवार को तराई इलाकों में बादलों की आवाजाही रही। इसके अलावा प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में दिन में धूप खिली और प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में दिन में गर्माहट रही। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि रेडिएटिव कूलिंग (विकिरणीय शीतलन) की वजह आने वाले तीन-चार दिनों में रात के तापमान में लगभग 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी।

दिवाली के ठीक छह दिन बाद मनाए जाने वाले छठ महापर्व का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बड़े नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमें तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पड़ता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पड़ता है। षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रातःकाल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

सूर्योपासना का पर्व है छठ पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती है और संतान सुख की प्राप्ति करती है। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छठ पूजा की मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया।

दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुईं। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवित करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कथा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है।

देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव-पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छह कृत्तिकाएं निवास करती थी। कृत्तिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गई और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन-पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि वे छह कृत्तिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पूजन लगीं। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठे को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल-खेल में कभी उन्हें हंसाती है और कभी रुलाती है।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वारा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते है. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है.

सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अतः अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन की और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन की। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ करें छठ पूजा

भगवान सूर्य जिन्हें आदित्य भी कहा जाता है वास्तव एक मात्र प्रत्यक्ष देवता हैं. इनकी रोशनी से ही प्रकृति में जीवन चक्र चलता है. इनकी किरणों से ही धरती में प्राण का संचार होता है और फल, फूल, अनाज, अंड और शुक्र का निर्माण होता है. यही वर्षा का आकर्षण करते है और ऋतु चक्र को चलाते है. भगवान सूर्य की इस अपार कृपा के लिए श्रद्धा पूर्वक समर्पण और पूजा उनके प्रति कृतज्ञता को दर्शाता है. सूर्य षष्ठी या छठ व्रत इन्हीं आदित्य सूर्य भगवान को समर्पित है. इस महापर्व में सूर्य नारायण के साथ देवी षष्ठी की पूजा भी होती है. दोनों ही दृष्टि से इस पर्व की अलग अलग कथा एवं महात्म्य है. सबसे पहले आप षष्ठी देवी की कथा सुनिये.

छठ व्रत कथा

एक थे राजा प्रियव्रत उनकी पत्नी थी मालिनी. राजा रानी निःसंतान होने से बहुत दुःखी थे. उन्होंने महर्षि कश्यप से पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया. यज्ञ के प्रभाव से मालिनी गर्भवती हुई परंतु न महीने बाद जब उन्होंने बालक को जन्म दिया तो वह मृत पैदा हुआ. प्रियव्रत इस से अत्यंत दुःखी हुए और आत्म हत्या करने हेतु तत्पर हुए.

प्रियव्रत जैसे ही आत्महत्या करने वाले थे उसी समय एक देवी वहां प्रकट हुईं. देवी ने कहा प्रियव्रत मैं षष्ठी देवी हूं, मेरी पूजा आराधना से पुत्र की प्राप्ति होती है, मैं सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण करने वाली हूं. अतः तुम मेरी पूजा करो तुम्हे पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी. राजा ने देवी की आज्ञा मान कर कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को देवी षष्ठी की पूजा की जिससे उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई. इस दिन से ही छठ व्रत का अनुष्ठान चला आ रहा है.

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्रीरामचन्द्र जी जब अयोध्या लौटकर आये तब राजतिलक के पश्चात उन्होंने माता सीता के साथ कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को सूर्य देवता की व्रतोपासना की और उस दिन से जनसामान्य में यह पर्व मान्य हो गया और दिनानुदिन इस त्यहार की महत्ता बढ़ती गई व पूर्ण आस्था एवं भक्ति के साथ यह त्यहार मनाया जाने लगा.

छठ व्रत विधि

इस त्यहार को बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हर्षोल्लास एवं धूमधाम निष्ठा के साथ मनाया जाता है. इस त्यहार की यहां बड़ी मान्यता है. इस महापर्व में देवी षष्ठी माता एवं भगवान सूर्य को प्रसन्न करने के लिए स्त्री और पुरूष दोनों ही व्रत रखते है. व्रत चार दिनों का होता है पहले दिन यानी चतुर्थी को आत्म शुद्धि हेतु व्रत करने वाले केवल अरवा खाते है यानी शुद्ध आहार लेते है. पंचमी के दिन नहा खा होता है यानी स्नान करके पूजा पाठ करके संध्या काल में गुड़ और नये चावल से खीर बनाकर फल और मिष्ठान से छठी माता की पूजा की जाती है फिर व्रत करने वाले कुमारी कन्याओं को एवं ब्रह्मणों को भोजन करवाकर इसी खीर को प्रसाद के तौर पर खाते है. षष्ठी के दिन घर में पवित्रता एवं शुद्धता के साथ उत्तम पकवान बनाये जाते है. संध्या के समय पकवानों को बड़े बड़े बांस के डालों में भरकर जलाशय के निकट यानी नदी, तालाब, सरोवर पर ले जाया जाता है. इन जलाशयों में ईख का घर बनाकर उनपर दीया जालाया जाता है.

व्रत करने वाले जल में स्नान कर इन डालों को उठाकर डूबते सूर्य एवं षष्ठी माता को अर्घ्य देते है, सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने अपने घर वापस आ जाते है, रात भर जागरण किया जाता है. सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पुनः संध्या काल की तरह डालों में पकवान, नारियल, केला, मिठाई भर कर नदी तट पर लोग जमा होते है. व्रत करने वाले सुबह के समय उगते सूर्य को आर्घ्य देते है, अंकुरित चना हाथ में लेकर षष्ठी व्रत की कथा कही और सुनी जाती है. कथा के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है और फिर सभी अपने अपने घर लौट आते है. व्रत करने वाले इस दिन परायण करते है.

इस पर्व के विषय में मान्यता यह है कि जो भी षष्ठी माता और सूर्य देव से इस दिन मांगा जाता है वह मुराद पूरी होती है. इस अवसर पर मुराद पूरी होने पर बहुत से लोग सूर्य देव को दंडवत प्रणाम करते है. सूर्य को दंडवत प्रणाम करने का व्रत बहुत ही कठिन होता है, लोग अपने घर में कुल देवी या देवता को प्रणाम कर नदी तट तक दंड देते हुए जाते है. दंड की प्रक्रिया इस प्रकार से है पहले सीधे खडे होकर सूर्य देव को प्रणाम किया जाता है फिर पेट की ओर से जमीन पर लेटकर दाहिने हाथ से जमीन पर एक रेखा खींची जाती है. यही प्रक्रिया नदी तट तक पहुंचने तक बार बार दुहरायी जाती है.

क्यूं मनाते हैं छठ महापर्व

भारत की विविध संस्कृति का एक अहम अंग यहां के पर्व है. भारत में ऐसे कई पर्व है जो बेहद कठिन माने जाते है और इन्हीं पर्वों में से एक है छठ पर्व. छठ को सिर्फ पर्व नहीं महापर्व कहा जाता है. चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती को लगभग तीन दिन का व्रत रखना होता है जिसमें से दो दिन तो निर्जला व्रत रखा जाता है. आइए आज के इस अंक में जानें छठ के बारे में कुछ विशेष बातें.

क्या है छठ– छठ पर्व छठ और षष्ठी का अपभ्रंश है. कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के तुरंत बाद मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन है और महत्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी की होती है. इसी कारण इस व्रत का नामकरण छठ व्रत हो गया.

यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है. पहली बार चैत्र में और दूसरी बार कार्तिक में. चैत्र शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ व कार्तिक शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है.

मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है. शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ, सफल और दीर्घ आयु की प्रार्थना की जाती है. पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी मिलता है, जिनकी नवरात्र की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है. छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है. इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी. संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हें पुत्रेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया. यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किंतु वह शिशु मृत था. इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया. तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी. आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, "मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं." इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा. इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी.

अमेरिका के प्रतिबंध से भारत की तेल खरीद पर असर

मुंबई भारत रूस से रोजाना लगभग 17 लाख बैरल तेल खरीदता है, जिसमें आधा हिस्सा रिलायंस का है। रिलायंस सीधे रोसनेफ्ट से तेल खरीदती है और दिसंबर 2024 में 25 साल का करार हुआ था। अब इस सीधी डील पर असर पड़ सकता है और कंपनी को नई रणनीति अपनानी पड़ सकती है। सरकारी रिफाइनरियां टेंडर के जरिए यूरोपीय ट्रेडर्स से तेल खरीदती हैं। उन पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नहीं है, इसलिए आपूर्ति जारी रह सकती है। रोसनेफ्ट और लुकोइल का कुल उत्पादन रोजाना 31 लाख बैरल है। प्रतिबंधों के चलते तेल की कीमतों में केवल 2 डॉलर प्रति बैरल की मामूली बढ़ोतरी हुई है।

वेणु श्रीनिवासन फिर से आजीवन ट्रस्टी नियुक्त

नई दिल्ली वेणु श्रीनिवासन को फिर से टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से आजीवन ट्रस्टी (न्यासी) के रूप में नियुक्त किया है। श्रीनिवासन का कार्यकाल 23 अक्टूबर को खत्म होने वाला था, जिससे पहले इस सप्ताह उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी गई। संगठन के भीतर कथित आंतरिक मतभेदों के बीच अब सभी की निगाहें मेहली मिस्त्री की वापसी के संबंध में होने वाले फैसले पर टिकी हैं। यह फैसला टाटा ट्रस्ट के भीतर विभाजन की खबरों के बीच हुआ, जहां एक गुट नोएल टाटा के साथ जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। नोएल ने रतन टाटा के निधन के बाद चेयरमैन का पद संभाला था। दूसरा गुट पूर्व दिग्गज के वफादारों का है। मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि टीवीएस समूह के मानद चेयरमैन श्रीनिवासन की फिर से नियुक्ति सर्वसम्मति से हुई है। टाटा ट्रस्ट ने इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अब ध्यान मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति पर है, जिनका कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या उनका कार्यकाल अपने आप आगे बढ़ जाएगा या आजीवन कार्यकाल के लिए न्यासियों की सर्वसम्मति से मंजूरी लेनी होगी। टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है - जो 156 साल पुराने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। इसमें 30 सूचीबद्ध इकाइयों सहित लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं। एक सूत्र ने कहा, ''पिछली प्रथा के अनुसार नवीनीकरण और नई नियुक्ति सर्वसम्मति से होनी आवश्यक है।'' हालांकि, एक अन्य व्यक्ति ने कहा, ''पुनर्नियुक्ति अपने आप होती है और यह सभी ट्रस्टियों पर लागू होती है।'' सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के न्यासियों की 17 अक्टूबर, 2024 को हुई संयुक्त बैठक का हवाला देते हुए, उस व्यक्ति ने कहा कि यह संकल्प लिया गया था कि किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल खत्म होने पर, संबंधित ट्रस्ट द्वारा उसे बिना किसी कार्यकाल अवधि की सीमा के पुनर्नियुक्त किया जाएगा।

पुराने शेयर और डिविडेंड अब आसानी से वापस पाए जा सकते हैं

नई दिल्ली भारत में कई निवेशक यह नहीं जानते कि उनके पुराने शेयर और बिना लिए गए डिविडेंड अभी भी वापस पाए जा सकते हैं। इसके लिए इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) पोर्टल संचालित किया गया है। यदि कोई निवेशक सात साल तक अपना क्लेम नहीं करता, तो रकम या शेयर कंपनी द्वारा आईईपीएफ में ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। निवेशक आईईपीएफ की वेबसाइट पर जाकर अनक्लेम्ड एमाउंट सेक्शन में अपने नाम या कंपनी के नाम से खोज कर सकते हैं। वहां पता चलता है कि कोई क्लेम पेंडिंग है या नहीं। फार्म आईईपीएफ-5 डाउनलोड करके सही दस्तावेजों के साथ जमा कराना होता है। इसमें पैन कार्ड, पहचान पत्र, बैंक खाता प्रमाण और यदि उपलब्ध हो तो शेयर सर्टिफिकेट शामिल हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद राशि या शेयर निवेशक के खाते में ट्रांसफर होते हैं। आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। सुनिश्चित करें कि दस्तावेज सही और स्पष्ट हों, क्योंकि गलत जानकारी से दावा रुक सकता है।

भारत में उतरने को तैयार इलॉन मस्क की स्टार लिंक

नौ शहरों में लगेगा इंटरनेट का नया नेटवर्क

नई दिल्ली

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक भारत में अपनी शुरुआत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी देश के नौ बड़े शहरों, जिनमें मुंबई, नोएडा, चंडीगढ़, हैदराबाद, कोलकाता और लखनऊ शामिल हैं, में ग्राउंड स्टेशन लगाने की योजना बना रही है। इन स्टेशनों के जरिए भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की तैयारी होगी। एक अधिकारी के मुताबिक, कंपनी ने भारत में 600 गीगाबिट प्रति सेकंड की क्षमता के लिए आवेदन किया है। यह सुविधा स्टारलिंक के पहले सैटेलाइट समूह के जरिए दी जाएगी। फिलहाल सरकार ने कंपनी को सुरक्षा जांच के लिए थोड़े समय के लिए कुछ रेडियो तरंगों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी है, ताकि सिस्टम की जांच की जा सके और यह देखा जा सके कि सब कुछ नियमों के अनुसार काम कर रहा है या नहीं। भारत में सैटेलाइट संचार को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा क्षेत्र माना जाता है। इसी

वजह से सरकार ने स्टारलिंक के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं। ग्राउंड स्टेशन पर केवल भारतीय नागरिक ही काम करेंगे जब तक विदेशी कर्मचारियों को सुरक्षा मंजूरी नहीं मिल जाती। परीक्षण से जुड़ा सारा डेटा भारत के भीतर ही रहेगा और इस्तेमाल किए जा रहे सभी उपकरणों की जानकारी नियमित रूप से सरकार को दी जाएगी।

स्टारलिंक को फिलहाल केवल परीक्षण की अनुमति मिली है। कंपनी को व्यावसायिक उपयोग की मंजूरी नहीं दी गई है। उसे 100 सैटेलाइट टर्मिनल केवल परीक्षण के उद्देश्य से आयात करने की अनुमति दी गई है।

ट्रंप की धमकियों के बाद चीन ने रूस की तेल कंपनियों से रोका तेल आयात

नई दिल्ली अमेरिकी प्रतिबंधों को देखते हुए चीन की प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों ने हाल ही में रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर समुद्री रास्ते से रूसी कच्चे तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से रोक दी है। इस निर्णय से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में हलचल मच गई है, क्योंकि चीन रूस का सबसे बड़ा तेल आयातक है। अमेरिका ने रूस की प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफ्ट और लुकोइल पर नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके तहत इन कंपनियों के अमेरिकी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और अमेरिकी कंपनियों को इनके साथ व्यापार करने से रोका गया है। चीन की सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोचाइना, सिनापेक, सीएनओओसी ने इन प्रतिबंधों के मद्देनजर, समुद्री रास्ते से रूसी तेल की खरीदारी अस्थायी रूप से रोक दी है। भारत का रुख: भारत की प्रमुख रिफाइनरी कंपनी ने भी रोजनेफ्ट से अपने दीर्घकालिक अनुबंध के तहत तेल आयात को रोकने का निर्णय लिया है। चीन और भारत द्वारा रूसी तेल की खरीदारी में कमी आने से, रूस की तेल आयात में गिरावट आ सकती है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है।

एआई-सृजित सामग्री पर अनिवार्य लेबलिंग का प्रस्ताव

बढ़ सकती है सोशल मीडिया कंपनियों की लागत

नई दिल्ली सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से निर्मित हर सामग्री पर लेबलिंग और डिस्क्लेमर अनिवार्य किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैल रही डीपफेक छवियों, ऑडियो और वीडियो जैसी भ्रामक सामग्री को नियंत्रित करना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बड़ी टेक कंपनियों के साथ कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। इन कंपनियों ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वे एआई-निर्मित सामग्री की पहचान और प्रबंधन के लिए आवश्यक तकनीकी क्षमता रखती हैं। अधिकारी ने बताया कि परामर्श अवधि के दौरान उद्योग जगत से इस प्रस्ताव पर विस्तृत प्रतिक्रिया प्राप्त की जाएगी। हालांकि, सोशल मीडिया कंपनियों और नीति विशेषज्ञों ने इस प्रस्ताव पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि केवल लेबल या डिस्क्लेमर लगाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति कुछ ही मिनटों में इन लेबलों को मिटा या बदल सकता है। साथ ही, लेबलिंग की तकनीकी प्रक्रिया महंगी होने के कारण इससे प्लेटफॉर्म्स की अनुपालन लागत में भारी वृद्धि हो सकती है। कंपनियों का यह भी कहना है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित नियम, जिसमें लेबल या डिस्क्लेमर सामग्री के कम से कम 10 प्रतिशत हिस्से को कवर करने की बात कही गई है, उपयोगकर्ता अनुभव को प्रभावित कर सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 345, निफ्टी 96 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ । सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार गिरा है। आज बैंकिंग शेयरों में खासी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 344.52 अंक नीचे फिसलकर 84,211.88 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 96.25 अंक टूटकर 25,795.15 पर बंद हुआ।

बाजार में बैंकिंग शेयरों के अलावा निफ्टी बैंक भी 0.65 फीसदी नीचे आया।

वहीं वाहन, आईटी, पीएसयू बैंक, वित्तीय सेवाएं, दवा, एफएमसीजी, मीडिया, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। धातु, संपत्ति, ऊर्जा और कमोडिटीज शेयर लाभ पर बंद हुए। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 140 अंक बढ़कर 59,231.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 38.10 अंक टूटकर 18,253.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, बीईएल, सन फार्मा, आईटीसी, टाटा स्टील, एमएंडएम और ट्रेंट सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी और एसबीआई के शेयरों को नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार में मामूली कमजोरी देखी गई। सेंसेक्स 84,459 पर कारोबार कर रहा था, जो 97 अंक की गिरावट को दर्शाता है। वहीं, निफ्टी

50 25,879 पर कारोबार कर रहा था, जो 13 अंक नीचे था। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225 1.1 फीसदी से अधिक और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.29 फीसदी मजबूत हुआ। वे बढ़त अमेरिकी और वैश्विक सकारात्मक खबरों से प्रेरित है। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को तकनीकी कंपनियों के मजबूत नतीजों के बाद तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 में 0.6 फीसदी, नेस्डेक कम्पो जिट में 0.9 फीसदी और डाउ जोंस में 0.3 फीसदी की बढ़त हुई।

1 नवंबर 2025 से बैंक खातों में चार नॉमिनी रखने की होगी सुविधा!

बैंकिंग लॉ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत लागू होंगे नए नियम

मुंबई

वित्त मंत्रालय ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से बैंक खाताधारक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी नियुक्त कर सकेंगे।

यह बदलाव बैंकिंग लॉ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत किया गया है, जिसे 15 अप्रैल 2025 को अधिसूचित किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार इस कदम का उद्देश्य क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और तेज बनाना है। नए नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक खाते के लिए चार नॉमिनी चुन सकेंगे। ये नॉमिनी या तो एक साथ या क्रमवार रूप में चुने जा सकते हैं। यदि क्रमवार नॉमिनेशन चुना जाता है, तो पहले नॉमिनी के निधन के बाद दूसरा, फिर तीसरा और उसके बाद चौथा नॉमिनी क्लेम का अधिकार प्राप्त करेगा।

खाताधारक नॉमिनियों का हिस्सा या प्रतिशत भी स्वयं तय कर सकेंगे, जिसका कुल योग 100 प्रतिशत होना आवश्यक होगा। वहीं, सेफ डिपॉजिट और लॉकर सुविधाओं के लिए केवल क्रमवार नॉमिनेशन की अनुमति होगी।

इन नियमों के लिए सरकार जल्द ही 'बैंकिंग कंपनियों (नॉमिनेशन) नियम 2025' जारी करेगी, जिसमें नॉमिनेशन करने, बदलने या रद्द करने की प्रक्रिया और आवश्यक फॉर्म की जानकारी होगी।

इस अधिनियम के तहत बैंकिंग सेक्टर में कई अन्य सुधार भी किए गए हैं। अब पब्लिक सेक्टर बैंक अपने बिना दावेदार खाते शेयर, ब्याज या बॉन्ड की रकम इन्वेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में ट्रांसफर कर सकेंगे।

साथ ही, उन्हें स्टैट्यूटरी ऑडिटर्स को बेहतर मेहनताना देने का अधिकार भी मिलेगा। महत्वपूर्ण हित की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दी गई है।

रेलटेल जल्द देगा निवेशकों को तोहफा, 29 को डिविडेंड पर होगा बड़ा फैसला

बोर्ड मीटिंग 29 अक्टूबर को होगी, तिमाही नतीजों और डिविडेंड पर फैसला लिया जाएगा

नई दिल्ली सरकारी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार कंपनी रेलटेल कारपोरेशन ऑफ इंडिया अपने निवेशकों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कंपनी ने इस साल का अंतरिम डिविडेंड देने का प्रस्ताव रखा है। इस पर अंतिम निर्णय कंपनी की बोर्ड मीटिंग में बुधवार, 29 अक्टूबर को लिया जाएगा। इस बैठक में दो अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। पहला, कंपनी 30 सितंबर तक की तिमाही और आधे साल के वित्तीय नतीजों को मंजूरी देगी। दूसरा, बोर्ड अंतरिम डिविडेंड के वितरण पर फैसला करेगा। अगर डिविडेंड प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो निवेशकों को भुगतान घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। रेलटेल ने इस डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट मंगलवार 4 नवंबर तय की है। इसका अर्थ है कि जिन निवेशकों के नाम इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज होंगे, केवल वे ही इस डिविडेंड के पात्र होंगे। आमतौर पर रिकॉर्ड डेट से एक दिन पहले एक्स-डिविडेंड डेट होती है, इसलिए रेलटेल का शेयर 3 नवंबर 2025 से डिविडेंड के बिना ट्रेड होना शुरू हो सकता है। कंपनी ने यह भी बताया कि उसके अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके निकट संबंधियों के लिए ट्रेडिंग विंडो 1 अक्टूबर 2025 से बंद कर दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड से भारतीय निवेशकों को मिला 72 फीसदी का शानदार रिटर्न

नई दिल्ली

घरेलू इक्विटी से परे अवसरों की तलाश करने वाले भारतीय निवेशकों को पिछले एक साल लाभ प्राप्त हुए हैं, जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय म्यूचुअल फंड और फंड-ऑफ-फंड (एफओएफ) ने 72 फीसदी तक का शानदार रिटर्न दिया है।

टेक्नोलॉजी, एआई, उपभोक्ता खर्च और कमोडिटीज द्वारा संचालित वैश्विक तेजी के कारण इन फंड ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय इक्विटी कैटेगरी को भी पीछे छोड़ दिया है। एसोई म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक टॉप 10 अंतरराष्ट्रीय फंडों ने एक साल का रिटर्न 33 फीसदी से 72 फीसदी के बीच दिया।

इसकी तुलना में इस अवधि में बेंचमार्क निफ्टी केवल 5.7 फीसदी बढ़ा। मिराए एसेट एनवाईएसई फैंग प्लस ईटीएफ एफओएफ 71.78 फीसदी के एक साल के रिटर्न और 62.72 फीसदी के तीन साल के रिटर्न के साथ लिस्ट में टॉप पर रहा है। इसके बाद इन्वेस्को ग्लोबल कंज्यूमर ट्रेंड्स एफओएफ रहा, जो ग्लोबल कंज्यूमर ब्रांड और डिजिटल कॉमर्स कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन का लाभ उठाते हुए 52.65 फीसदी बढ़ा।

अमेरिका-केंद्रित व्यापक रणनीतियों ने भी अहम लाभ हासिल किया। मिराए एसेट एसएंडपी 500 टॉप 50 ईटीएफ एफओएफ ने 49.91 फीसदी रिटर्न दिया, जबकि मोतीलाल ओसवाल नैस्डैक 100 एफओएफ ने एक साल में 42.48 फीसदी रिटर्न दिया।

डीएसपी वर्ल्ड माइनिंग ओवरसीज इक्विटी एफओएफ में 32.83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिसे ग्लोबल कमोडिटी की उच्च कीमतों और प्रमुख खनन कंपनियों के बीच बेहतर पूंजी अनुशासन का समर्थन मिला है।

कुल मिलाकर ग्लोबल डायवर्सिफिकेशन ने इस साल भारतीय निवेशकों को स्पष्ट रूप से लाभ पहुंचाया है।

क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों विशेष रूप से एआई, टेक्नोलॉजी और संसाधनों द्वारा संचालित बाजारों ने घरेलू इक्विटी की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत रिटर्न दिया है।

इस बीच पिछले दो सत्रों में भारी गिरावट के बाद सोमवार के रिकॉर्ड उच्च स्तर से निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के कारण सोने और चांदी की कीमतें क्रमशः 4,050 और 48 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर हो गईं।

बाइक राइडर्स के बीच ब्लूटूथ हेलमेट्स हो रहे लोकप्रिय

नई दिल्ली

बाइक राइडर्स के बीच आजकल ब्लूटूथ हेलमेट्स बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। इन हेलमेट्स की मदद से राइडर्स बिना फोन निकाले ही हैंड्स-फ्री कॉलिंग, नेविगेशन और म्यूजिक का आनंद ले सकते हैं। ये न केवल राइडिंग को सुरक्षित बनाते हैं, बल्कि सफर को मनोरंजक और आसान भी करते हैं। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से म्यूजिक वॉल्यूम को कम रखना जरूरी है ताकि सड़क पर ध्यान भंग न हो। ब्लूटूथ हेलमेट्स का फुल-फेस डिजाइन सर्दी और गर्मी दोनों मौसम में सुरक्षा प्रदान करता है और ऐसा अनुभव देता है जैसे आप किसी कार में बैठे हों।

स्टीलबर्ड एसबीएच-32 एरोनॉटिक्स ब्लूटूथ हेलमेट एडवांस्ड ब्लूटूथ 5.2 टेक्नोलॉजी से लैस है, जो 48 घंटे तक का टॉकटाइम और 110 घंटे की स्टैंडबाय बैटरी बैकअप देता है। इसमें मल्टीपल एयर वेंट्स, विंड डिफ्लेक्टर और रियर स्पॉइलर हैं जो हवा के दबाव को कम कर स्थिर राइडिंग सुनिश्चित करते हैं। कीमत रुपए 4,399 है। स्टीलबर्ड एसबीए-20 7विंग्स ब्लूटूथ हेलमेट आईएसआई सर्टिफाइड फ्लिप-अप हेलमेट है, जो हाई इम्पैक्ट थर्मोप्लास्टिक शेल से बना है। इसमें 48 घंटे का टॉकटाइम, एलईडी लाइट इंडिकेटर और वॉइस कमांड फीचर दिया गया है।

बेहतर वेंटिलेशन और आरामदायक पैडिंग इसे लंबी राइड के लिए उपयुक्त बनाती है। कीमत रुपए 4,799 है। हेडफॉक्स एन 2 एयर 7 मेट्रो ब्लूटूथ हेलमेट इंटीग्रेटेड ब्लूटूथ 5.2 तकनीक के साथ आता है, जो कॉल, म्यूजिक और नेविगेशन को सपोर्ट करता है। 3 घंटे में फुल चार्ज होकर 48 घंटे का टॉकटाइम देता है। यह आईएसआई सर्टिफाइड है और तीन कलर ऑप्शन में उपलब्ध है। कीमत रुपए 4,799 है।

सोने का भाव 1,23,600 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 1,47,200 रुपए किलो

नई दिल्ली

सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,23,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,47,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 517 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,587 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,24,104 रुपये था। इस समय यह 534 रुपये की गिरावट के साथ 1,23,570 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 2,011 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,501 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,48,512 रुपये था। इस समय यह 1,322 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,190 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,47,256 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,46,500 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 4,144 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,245.60 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 19.70 डॉलर की गिरावट के साथ 4,125.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस सत्र में 4,398 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 48.66 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 48.70 डॉलर था। इस समय यह 0.53 डॉलर की गिरावट के साथ 48.17 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव 53.76 डॉलर का उच्च स्तर छू चुके हैं।

बंदरगाह के बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली

श्रीलंका में अत्याधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) ने इस वर्ष पहले नौ महीनों में श्रीलंका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सबसे अधिक योगदान किया। निवेश बोर्ड ने जानकारी दी कि सीडब्ल्यूआईटी, अडानी इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (भारत) और जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी द्वारा श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ साझेदारी में किया गया निवेश है। निवेश बोर्ड (बीओआई) ने घोषणा की, '' बीओआई-अनुमोदित उद्यमों में निवेश के लिए विदेशी वाणिज्यिक ऋण सहित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह जनवरी से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 82.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया जो 2024 की इसी अवधि में 138 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।'' इसमें कहा गया कि सीडब्ल्यूआईटी ने '' रणनीतिक विकास समझौते के तहत अत्याधुनिक बंदरगाह अवसंरचना'' में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। बीओआई ने कहा कि इससे बंदरगाह की क्षमता 32 लाख बीस-फुट समतुल्य इकाइयों (टीईयू) तक बढ़ जाएगी, जिससे दक्षिण एशिया में एक प्रमुख 'ट्रांसशिपमेंट' केंद्र के रूप में कोलंबो की भूमिका और मजबूत होगी। बीओआई ने ध्यान देते हुए कहा कि निवेश प्रवाह चार स्रोतों से आया। इसमें इक्विटी पूंजी से 13.3 करोड़ डॉलर, पुनर्निवेशित प्रतिधारित आय से 13.2 करोड़ डॉलर, निवेश के लिए अंतर-कंपनी विदेशी उधार से 23.1 करोड़ डॉलर, निवेश के लिए कर रहा है।

झींगा से लेकर सॉफ्टवेयर तक - नए व्यापार समझौते से भारत के लिए बड़ा बाजार खुला

पीयूष गोयल

भारत की नियति में अलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय - आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय के साथ और एकजुट होकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है, जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़े।

भारत ने समृद्धि का एक और दरवाजा खोल दिया है। उसने प्रति व्यक्ति 100,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक आय वाले यूरोपीय देशों के एक धनी समूह के साथ एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इससे भारतीय किसानों, मछुआरों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक आकर्षक बाजार में पहुंचने का रास्ता खुल गया है और प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को पर्याप्त गति मिलेगी।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) - स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन - के साथ हुआ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) ऐतिहासिक है। यह समझौता 1 अक्टूबर को शुभ नवरात्रि के दौरान लागू हुआ। ईएफटीए के सदस्य देशों ने 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश का संकल्प लिया है - जो दुनिया में किसी भी व्यापार समझौते में जताई गई पहली ऐसी प्रतिबद्धता है। इस समझौते के जरिए, ईएफटीए के सदस्य देशों की सरकारें भारत में निवेश को बढ़ावा देंगी, कम से कम दस लाख रोजगार सृजित करेंगी और प्रधानमंत्री मोदी के 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति प्रदान करेंगी।

विकसित भारत हेतु व्यापार की रणनीतिः मोदी सरकार ने अतीत की झिझक को छोड़कर मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को अपनाया है। ये समझौते हमारे उत्पादों और सेवाओं को प्रीमियम एवं विकसित बाजारों में पहुंचाते हैं। ये समझौते न सिर्फ नए दरवाजे खोलते हैं, बल्कि हमारे उद्योगों को सशक्त बनाते तथा हमें आगे बढ़ने में मदद करने वाले प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता का संचार भी करते हैं। भारत ने जहां जुलाई 2025 में यूनाइटेड किंगडम के साथ एक ऐतिहासिक समझौता किया, वहीं यूरोपीय संघ के साथ बातचीत भी अच्छी तरह आगे बढ़ी है। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक प्रयासों से ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ दोनों पक्षों के लिए लाभदायक समझौते हुए।

प्रतिस्पर्धा के बीच आगे बढ़ते हुए वैश्विक मंचों पर अपनी छाप छोड़ने के आत्मविश्वास से भरा हुआ, भारतीय उद्योग जगत आज चुनौतियों पर खड़ा है। यूपीए शासन के दौरान किए गए जल्दबाजी भरे सौदों के उलट, गहन विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए मोदी-युग के हर मुक्त व्यापार समझौते का उद्योग जगत के विभिन्न हितधारकों ने खुले दिल से स्वागत किया है। यूपीए शासन के सौदे बिना किसी जानकारी के और अक्सर उन प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं के साथ किए गए थे, जिन्हें हमारे बाजारों तक पहुंच तो मिली, लेकिन उन्होंने अपने दरवाजे पर्याप्त रूप से नहीं खोले।

भारत को आकर्षक बनाना - यह बदलाव 11 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी अर्थव्यवस्था को 'नाजुक पांच' के तमगे से उबारकर इसे व्यापार एवं पूंजी के लिए एक आकर्षण का केन्द्र बनाया। मोदी सरकार ने बुनियादी सुधारों के जरिए विरासत में मिली समस्याओं, गतिरोध, उच्च मुद्रास्फीति, भ्रष्टाचार और असमताओं को दूर किया। अकेले उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने मार्च 2025 तक कुल 1.76 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 12 लाख से अधिक नौकरियां सृजित हुई हैं। प्रधानमंत्री गति शक्ति एवं राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति ने लागत में कमी की है और बुनियादी ढांचे को सुव्यवस्थित किया है। हमारी डिजिटल रीढ़ - जन-धन, यूपीआई और ट्रेड कनेक्ट - ने अवसरों का लोकतंत्रीकरण किया है और छह वर्षों में कुल 12,000 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 65,000 करोड़ लेनदेन को संभव बनाया है। इससे वंचित वर्ग अब वित्तीय मुख्यधारा में आ गया है।

निवेश और रोजगार सृजन - अब, ईएफटीए के 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश से दस लाख प्रत्यक्ष और अनगिनत अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का वादा किया गया है। यह निवेश पिछले 25 वर्षों में इन देशों से प्राप्त मात्र 11.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से कहीं अधिक बड़ा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल एफडीआई 81 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के साथ, जोकि 14 प्रतिशत की वृद्धि है, वास्तविक प्रवाह जताई गई प्रतिबद्धताओं को पीछे छोड़ सकता है। इसका श्रेय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में मौजूद अवसरों और मजबूत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कानूनों को जाता है, जिनका प्रभावी ढंग से पालन किया जाता है। टीईपीए प्रवर्तन एवं सुव्यवस्थित सुरक्षा उपायों के मामले में बेहतर सहयोग के जरिए आईपीआर को मजबूत करता है, नवोन्मेषकों को सशक्त बनाता है और ठोस नियामक संबंधी निश्चितता के बीच उच्च-तकनीक से संबंधित पूंजी को आकर्षित करता है।

किसान और मछुआरे - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के अलावा, वस्त्र तथा रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्र से जुड़े निर्यात में भी तेजी आएगी। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। ईएफटीए के समृद्ध उपभोक्ता हमारे कृषि उत्पादों, चाय और कॉफी के लिए लालायित रहते हैं। भारत ने जहां डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया है, वहीं चावल, ग्वार गम, दालें, अंगूर, आम, सब्जियां, बाजरा और काजू के व्यापार को अवसर प्रदान किए हैं। बिस्कुट, कन्फेक्शनरी, चॉकलेट और सॉस जैसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर शुल्क में कटौती से यह सौदा और भी बेहतर हो गया है। मछुआरे इस बात से खुश हैं कि निर्बाध मानक सहयोग के जरिए फ्रोजन झींगा, प्रॉन्स और स्क्विड का निर्यात बढ़ेगा।

आकांक्षी भारतीयः टीईपीए द्वारा नर्सिंग, अकाउंटिंसी और आर्किटेक्चर के क्षेत्र में पारस्परिक मान्यता से संबंधित समझौतों का मार्ग प्रशस्त होने से इन सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भारतीय पेशेवरों के लिए ईएफटीए में प्रवेश आसान हो जाएगा। सक्रिय नियामक खाताओं के जरिए तकनीकी बाधाओं के कम होने से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), व्यवसाय, सांस्कृतिक, मनोरंजन, शिक्षा और दृश्य-श्रव्य सेवाओं के लिए द्वार खुलेंगे।

बाधाओं की समाप्तिः टीईपीए टैरिफ से आगे बढ़कर खाद्य सुरक्षा, पशु एवं पादप स्वास्थ्य, उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में निष्पक्ष व पारदर्शी नियम तैयार करता है। स्पष्ट सूचना साझाकरण, सत्यापन, आयात संबंधी जांच एवं प्रमाणन इन्हें व्यापार से संबंधित मकड़जाल बनने से रोकते हैं, भारतीय वस्तुओं के लिए ईएफटीए तक पहुंचने का मार्ग सुगम बनाते हैं और साथ ही उद्योग जगत को घरेलू मानकों को ऊंचा उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारे किसान और उत्पादक सुरक्षित निर्यात, कीट-मुक्त उत्पाद, वैश्विक स्तर के मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करेंगे, जिससे घरेलू गुणवत्ता भी बढ़ेगी। बेहतर जांच और अनुपालन का अर्थ है प्रत्येक भारतीय परिवार के लिए स्वास्थ्यवर्धक भोजन और विश्वसनीय उत्पाद।

बेहतर भविष्यः ये समझौते निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं और आम नागरिकों के बीच उत्साह जगाते हैं, जो गहरे आर्थिक संबंधों के जरिए उच्च-गुणवत्ता वाले वैश्विक उत्पादों का आनंद लेते हैं। टीईपीए अपने मूल में स्थिरता को समाहित करता है, समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाले व्यापार को बढ़ावा देता है, गरीबी से लड़ता है और हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है। पेरिस समझौते और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मूल सिद्धांतों की पुष्टि करते हुए, यह जलवायु संबंधी कार्रवाई, लैंगिक समानता तथा जैव विविधता संरक्षण से संबंधित सहयोग को बढ़ावा देता है और उचित वेतन, सुरक्षित रोजगार एवं एक हरी-भरी धरती सुनिश्चित करता है। हरित प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं सहयोग के जरिए, यह श्रमिकों का उत्थान करता है, असमानता को कम करता है और हमारे बच्चों के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करता है। मोदी के भारत में जन्मे बच्चे को घर पर भी उतने ही अवसर मिलते हैं, जितने कि आल्प्स की पहाड़ियों वाली भूमि, आग एवं बर्फ वाली भूमि या फिर मध्यरात्रि के सूर्य वाली भूमि में!

भारत की नियति में अलगाव नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी है। जिस तरह पुरानी सभ्यता वाले हमारे राष्ट्र के प्राचीन नाविकों ने साहस के साथ अज्ञात जलमार्गों पर यात्रा की थी, ठीक उसी तरह आज के 140 करोड़ भारतीय - आत्मविश्वास एवं दृढ़निश्चय के साथ और एकजुट होकर - आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्य है - अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करना, शिक्षा एवं डिजिटल क्रांति के जरिए सशक्त बनना और एक टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना। हम सबको मिलकर वाणिज्य के क्षेत्र में भारत को एक ऐसे अग्रणी देश के रूप में पुनर्स्थापित करना है, जहां व्यापार एवं प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करें और नवाचार एवं समावेशन कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

संपादकीय

'हलाल' के चिंतित मायने

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हलाल प्रमाणन' वाले उत्पाद इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे आतंकवाद, इस्लामी धर्मान्तरण, लव जेहाद आदि हिन्दू-विरोधी गतिविधियों से जोड़ा है। योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने 'राजनीतिक इस्लाम' का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में 'हलाल प्रमाणन' पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में 'हलाल प्रमाणन' की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल प्रमाणन' के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में 'अवैध' नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना 'हलाल' ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। 'हलाल प्रमाणन' सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में हैं। यह दलील दी जाती रही है कि उत्पादों में 'हराम' अथवा निषिद्ध सामग्री (सुअर का मांस और शराब आदि) का उपयोग तो नहीं किया गया, उसके लिए 'हलाल प्रमाणन' अनिवार्य है। बेहद अहम सवाल है कि माचिस, चाय की प्याली, सीरिया, सीमेंट, फ्लैट आदि में गैर-इस्लामी सामग्री का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? लेकिन उन पर भी यह प्रमाणन अनिवार्य है। हास्यास्पद है कि स्कूल, अस्पताल और अर्थव्यवस्था को भी 'हलाल' करार देने की कोशिशें जारी हैं। कुछ कामयाब भी रही हैं। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने यह विचार दिया था कि बैंकिंग क्षेत्र को भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में लाया जाए। यह दीगर है कि ऐसा राजनीतिक तौर पर संभव नहीं हो सका। कई दवाएं और सौन्दर्य प्रसाधन के उत्पाद 'हलाल' की निगरानी में हो सकते हैं, क्योंकि उनमें गैर-इस्लामी, निषिद्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती रही है।

चिंतन-मनन

ईश्वर की कृपा बुद्धि से ही प्राप्त होती है

योग में आसन, प्राणायाम, मुद्रा और आहार-विहार आदि पर तो बहुत शोध हुए हैं, अब ध्यान और मुद्रा की बारी है। इस विधा के अनुसार शांत मस्तिष्क ऊर्जा का केंद्र है तो निर्मल मन शांति और स्थिरता का। शास्त्रों में इन केंद्रों की उपमा ब्रह्मलोक और क्षीर सागर से दी गई है। मस्तिष्क या खोपड़ी में जहां दिमाग माना जाता है वहां एक केंद्र की कल्पना की गई है। इस केंद्र को ब्रह्मकेंद्र कहते हैं। ब्रह्मरंध्र अर्थात् मस्तिष्क का मध्यबिन्दु। ब्रह्माण्ड के मध्य में ब्रह्मलोक माना गया है और ब्रह्मरंध्र मस्तिष्क में है। जीव और ब्रह्म के बीच अति महत्वपूर्ण आदान-प्रदान का माध्यम यही है। पृथ्वी भी मनुष्य की तरह अंतग्रही आदान प्रदान से समृद्ध होती रहती है। उससे सूक्ष्म आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन जुटते रहते हैं। इस आदान-प्रदान का केन्द्र ध्रुव है। ठीक इसी प्रकार मस्तिष्क का मध्य केन्द्र ब्रह्मरंध्र सहस्रार कमल है। यह जितना सशक्त या दुर्बल होता है उसी अनुपात में जीवन को ब्रह्मसत्ता के अनुदान पाने की सम्भावना बढ़ती है। अन्तर्जगत के इस ब्रह्मलोक की अमृत वर्षा का लाभ लेने के लिए खेचरी मुद्रा का साधन बताया गया है । ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त का साधन बताया गया है। ध्यान मुद्रा में शान्त चित्त से बैठकर जीभ के अगले भाग को तालु मूर्धा से लगाया जाता है। सहलाने जैसे मन्द-मन्द स्पन्दन पैदा किये जाते हैं। उस उत्तेजना से सहस्र दल कमल की प्रसुप्त स्थिति जागृति में बदलती है। यह खेचरी मुद्रा है। इस स्तर पर अनुभव होने वाले उपादानों का वैज्ञानिक विश्लेषण अभी बाकी है। अध्यात्मविदों के अनुसार यदि भावना और क्रिया का सही समन्वय कर-के इस साधना को किया जा सके तो चेतना क्षेत्र में आनन्द और कार्य क्षेत्र में उल्लास की उपलब्धि होती है।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कला को जानने का दिन

संजय गोस्वामी

हर साल अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस 25 अक्टूबर को मनाया जाता है, 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कलाकारों और उनके योगदान का सम्मान करता है। यह दिन सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक, पाब्लो पिकासो, जिनका जन्म 25 अक्टूबर, 1881 को हुआ था, उनके सम्मान में कलाकार दिवस मनाया जाता है। पाब्लो पिकासो विपुल रचनाकार, वे मुख्यतः एक चित्रकार थे, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली मूर्तिकला, चित्रकला, मुद्रण, चीनी मिट्टी की चीजें और रंगमंचीय डिजाइन के साथ-साथ कविताएँ और कला पर भी लेखन किया।कलाकार अपनी कृतियों को रचने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे हमारे आसपास की दुनिया में सुंदरता भरते हैं। ज्यादातर कलाकार कई अलग-अलग माध्यमों से काम करते हैं। इतना ही नहीं, कलाकार शब्द में चित्रकार, फोटोग्राफर, मूर्तिकार, संगीतकार, नर्तक, लेखक, अभिनेता, डिजिटल कलाकार और बहुत कुछ शामिल हैं। जब कोई रचनात्मक प्रतिभा के साथ पैदा होता है, तो उसकी रचनात्मकता कई अलग-अलग क्षेत्रों में प्रवाहित होती है। उदाहरण के लिए, पिकासो एक चित्रकार, मूर्तिकार, सिरेमिक कलाकार, कवि और नाटककार थे। कला रचनात्मक या कल्पनाशील प्रतिभा का उपयोग करके बनाई गई सांस्कृतिक गतिविधि है, जिसमें भावनात्मक शक्ति, तकनीकी दक्षता या सुंदरता की अभिव्यक्ति के माध्यम से एक सार्थक अनुभव उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है। यह एक कौशल है जिसमें शारीरिक और मानसिक दक्षता का उपयोग होता है। कला में चित्रकला, मूर्तिकला, साहित्य, संगीत और नृत्य जैसे विविध रूप शामिल हैं। कला की परिभाषा और महत्व अभिव्यक्ति का माध्यमः कला मानवीय भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। कौशल और कल्पनाः यह कौशल और कल्पना का एक संयोजन है जो विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। सांस्कृतिक और भावनात्मक लाभः कला तनाव कम करने, मानसिक शांति देने और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है। यह संस्कृति और परंपराओं को संजोने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी एक साधन है। कला के प्रकार दृश्य कलाः इनमें चित्रकला, मूर्तिकला, ड्राइंग, फोटोग्राफी और वास्तुकला शामिल हैं। प्रदर्शन कलाः इनमें नृत्य, संगीत, रंगमंच और अभिनय शामिल हैं। साहित्यः इसमें कविता, नाटक और कहानियाँ शामिल हैं। हस्तशिल्पः इसमें उपयोगी और सुंदर वस्तुएँ बनाना शामिल है। कला के तत्व कला के सात मुख्य तत्व हैंः रेखा (Line)ः विकर्ण, ऊर्ध्वाधर और लहरदार रेखाएं। आकार (रैखी)ः द्विविमीय रूप। स्थान (Space)ः वस्तुओं के बीच और आसपास का क्षेत्र। मूल्य (Value)ः रंग की हल्कापन या गहरापन। रूप (Form)ः त्रि-आयामी वस्तुएँ। बनावट (Texture)ः सतह का अनुभव। रंग (Color)ः रंगों का उपयोग आदि शामिल है । कला का उद्भव लिखित कृतियों से बहुत पहले हुआ था। आदिकाल से ही, कला विचारों का संचार करती रही है और महत्वपूर्ण घटनाओं का अभिलेख रखती रही है। कला अतीत से जुड़ाव प्रदान करती है। कलाकार हमारे इतिहास को अमिट रूप से दर्ज करते हैं। वे सत्य को भी उजागर करते हैं। अपने काम के माध्यम से, वे कहानियाँ सुनाते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। कलाकारों के पास अपने आसपास के लोगों से जुड़ने का एक अनूठा तरीका होता है। बुरी खबरों से भरी इस दुनिया में, उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक आशा का संदेश देना है। दुनिया भर के कई संगठन अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का समर्थन करते हैं। इनमें मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट, आर्ट गैलरी ऑफ अंटारियो, नेशनल गैलरीज ऑफ स्कॉटलैंड, जेरूसलम फाउंडेशन और कई अन्य शामिल हैं। स्थानीय कलाकारों का सम्मान करने के लिए, व्हाइट रॉक, ब्रिटिश कोलंबिया और सैन मिशुएल, स्पेन जैसे कई शहर ललित कला उत्सवों का आयोजन करते हैं। दुनिया भर की कला दीर्घाएँ ओपन हाउस आयोजित करती हैं और जनता को अपनी कला को निःशुल्क या रियायती मूल्य पर देखने के लिए आमंत्रित करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस में भाग लेने के लिएः आप किस तरह के कलाकार हैं, यह जानने के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी करें किसी भूखे कलाकार को दोपहर के भोजन पर ले जाएँ, अपने घर के लिए एक नई पेंटिंग खरीदें किसी आर्ट गैलरी में जाएँ सिम्फनी में जाएँ कला कक्षाओं के लिए साइन अप करें किताब लिखना शुरू करें कोई संगीत वाद्ययंत्र बजाना सीखें किसी प्रतिभा प्रदर्शन प्रतियोगिता में भाग लें अपने स्थानीय कलाकारों का समर्थन करें किसी ऐसे बच्चे को प्रोत्साहित करें जिसमें रचनात्मकता का उपहार हो एक चित्र बनाएँ कला में रचनात्मकता आपके चारों ओर है, जिसका अर्थ है कि यह एक ऐसा दिन है जिसे आप हर दिन मना सकते हैं। अपने फोन से एक तस्वीर लेना भी कला का एक रूप है। आज जश्न मनाने के लिए, चाहे जो भी करें कनाडाई कलाकार, क्रिस मैकक्लर ने 2004 में अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस की शुरुआत की थी। तब से, 25 अक्टूबर का दिन कलाकारों द्वारा समाज में दिए गए सभी योगदानों का जश्न मनाने के लिए समर्पित है।

प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

योगेश कुमार गोयल

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है। 26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरे निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दुख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। 27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढलते सूरज को जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं। 28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्घ्य अपर्ण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं।

नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विद्या में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रौपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रौपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

दुलकर सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांथा 14 नवंबर को होगी रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता दुलकर सलमान की आने वाली फिल्म कांथा की रिलीज डेट आ गई है निर्देशक सेल्वमणि सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा में अभिनेता दुलकर सलमान मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके निर्माताओं ने सोमवार को घोषणा की कि यह फिल्म अब 14 नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेता दुलकर सलमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसका एक पोस्टर साझा किया। उन्होंने लिखा, दीपावली अब और भी धमाकेदार हो गई है। कांथा 14 नवंबर से दुनिया भर के सिनेमाघरों में धूम मचाएगी। आप सभी को दीपावली की शुभकामनाएं। सिनेमाघरों में जल्द मिलते हैं। बता दें कि यह फिल्म पहले 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, मगर इसकी रिलीज को टाल दिया गया। फाइनली अब यह 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। इसकी रिलीज डेट 'लोका' फिल्म की वजह से टाली गई थी। इस फिल्म को दुलकर सलमान ने भी प्रोड्यूस किया है। फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही थी, इसलिए मेकर्स ने 'कांथा' को आगे के लिए खिसका दिया था। कुछ समय पहले फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इसे देखने के बाद फैंस फिल्म के रिलीज होने को लेकर काफी उत्साहित दिखे। पहले इस फिल्म का नाम 'साथा' था, लेकिन टीजर में यह बताया गया था कि फिल्म का नाम बदल दिया गया है, तब से इसे 'कांथा' कहा जाने लगा।

कांथा फिल्म तमिल सिनेमा के पहले सुपरस्टार कहे जाने वाले एम.के. त्यागराज भगतार के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म 1950 के दशक में उनकी प्रसिद्धि और व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाएगी। इसमें स्वतंत्रता के बाद के मद्रास (चेन्नई) की दुनिया देखने को मिलेगी। दुलकर सलमान इस महान अभिनेता के किरदार में दिखेंगे। कांथा में भाग्यश्री बोरसे और समुथिरकानी जैसे सितारे भी हैं। कांथा को राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया और दुलकर की वेफेरर फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है, जो नेटफ्लिक्स डॉक्युमेंट्री द हट फॉर वीरप्पन के लिए जाने जाते हैं। पहले दुलकर सलमान इससे बतौर अभिनेता जुड़े थे, लेकिन बाद में उन्होंने इसे प्रोड्यूस करने का भी फैसला किया।

नरगिस फाखरी ने अमेरिका और पाकिस्तान में मॉडलिंग के बाद की बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री

बॉलीवुड हो या फिर हॉलीवुड फिल्म, एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने कई फिल्मों में अपने ग्लैमरस भूमिका से दर्शकों का मनोरंजन किया है। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद 2011 में नरगिस को पहली ही बार में रणबीर कपूर के साथ रॉकस्टार में स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, वह भी बतौर लीड एक्ट्रेस। एक्ट्रेस के करियर की शुरुआत भले ही अच्छी रही हो, लेकिन धीरे-धीरे उनके करियर की गाड़ी स्लो हो गई। आज भी नरगिस फिल्मों में सेकेंड लीड का रोल प्ले करती हैं। नरगिस अपना 46वां जन्मदिन मना रही है। नरगिस फाखरी का जन्म न्यूयॉर्क में हुआ है, लेकिन पाकिस्तान से भी उनका रिश्ता है। उनके पिता मोहम्मद फाखरी पाकिस्तानी के मूल निवासी थे और उनकी शादी मारिया ए. फाखरी से हुई थी। हालांकि दोनों का तलाक हो चुका है और उनके पिता भी अब दुनिया में नहीं रहे हैं। दोनों माता-पिता के अलग-अलग देशों के होने की वजह से उन्हें पाकिस्तान और अमेरिका दोनों की नागरिकता प्राप्त है।

मॉडलिंग में मिली सफलता के साथ नरगिस को फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में एंट्री मिली। फिल्म चल निकली और इतनी ज्यादा फेमस हो गई कि नरगिस और रणबीर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'मद्रास कैफे', 'मैं तेरा हीरो', 'अजहर' और 'अमावस' जैसी हिट फिल्में दीं। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड फिल्म स्पाई में भी काम किया। जब किस्मत चमकी तो नरगिस ने साउथ में भी हाथ आजमाया और रश्ना - द रे ऑफ लाइट और साहसम में काम किया। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने यह कहकर बॉलीवुड से दूरी बना ली कि वे लगातार फिल्में कर रही थीं और काफी तनाव ले रही थीं। काम के दौरान वह परिवार और दोस्तों को काफी मिस कर रही थीं। एक्ट्रेस ने बताया था कि वह अब कुछ समय अपनी खुशी के लिए निकालना चाहती हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो नरगिस ने गुपचुप तरीके से अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी कर ली है और 6 महीने तक अपनी शादी को छिपाकर रखा था, लेकिन अब वो अपने पति टोनी बेग के साथ मीडिया के सामने आती रहती हैं।

इब्राहिम अली खान ने 'नादानियां' को लेकर हुई आलोचना पर की टिप्पणी

अभिनेता इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जिसमें खुशी कपूर भी अहम भूमिका में थीं। । इस फिल्म को दर्शकों ने ज्यादा पसंद नहीं किया था और इसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। महीनों की ट्रोलिंग के बाद, इब्राहिम ने आखिरकार दर्शकों की प्रतिक्रिया दी।

उस समय जल्दबाजी में लग गया था

इब्राहिम अली खान ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं बहुत मेहनत कर रहा था जैसे मैं अभी भी अपनी बोलने की समस्या पर कड़ी मेहनत कर रहा हूं। लेकिन एक तरह से, मुझे लगता है कि मैं उस फिल्म में जल्दबाजी में लग गया था। मैं 21 साल का था, जब मैंने इसकी शूटिंग शुरू की थी, मेरे आस-पास के दूसरे लोग 26, 27, 28 साल की उम्र में इसे कर रहे हैं और अब मुझे लगता है कि जो कुछ होने वाला था, उसके पैमाने के बारे में मैं और ज्यादा सचेत हो सकता था।

वास्तव में खराब फिल्म

हाल ही में इब्राहिम अली खान एस्कायर इंडिया के साथ एक इंटरव्यू में शामिल है। उन्होंने कहा, कुछ समय पहले तक, सभी मेरे लॉन्च का इंतजार कर रहे थे, और नादानियां के बाद , प्रचार बहुत बुरी तरह से गिर गया। उन्होंने मुझे लगातार ट्रोल किया। वह बस यही नहीं कर पाएगा। यह बहुत ही बुरा है और मुझे इसके बारे में लगातार बुरा लगता है। मैं बस इतना कहूंगा कि यह वाकई एक बहुत ही घटिया फिल्म थी। आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा, यह वाकई बहुत बुरा था। यह एक तरह की संस्कृति बन गई थी कि, ओह, चलो उस फिल्म को ट्रोल करते हैं। कुछ लोग इसे सिर्फ इसलिए ट्रोल कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने सुना था कि कोई और इसे ट्रोल कर रहा है। यह अनुचित था, लेकिन अगर मैं अब भविष्य में कोई ब्लॉकबस्टर फिल्म दूंगा, तो मैं भी इसी तरह की प्रतिक्रिया चाहूंगा। उन्हें मेरे पीछे पागल हो जाना चाहिए।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर बोला हमला

मशहूर पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लो ने हाल ही में खुलासा किया कि वो बॉलीवुड में क्यों काम नहीं करना चाहते। इसके साथ ही उन्होंने कई तर्क भी दिए। इस खबर से चारों-तरफ सनसनी मच गई है। चलिए जानते हैं आखिर गायक ने बॉलीवुड को लेकर ऐसा क्या कहा, जो चर्चा का विषय बन गया है।

वहां शोषण होता है

गायक एपी ढिल्लों एसएमटीवी यूट्यूब चैनल के साथ एक बातचीत में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा, मैं आपको बताता हूं कि मैंने अब तक कोई बॉलीवुड गाना क्यों नहीं किया। ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे अपने लोगों की परवाह है। यह बॉलीवुड की बात नहीं है, यह मेरे समुदाय के लिए एक मिसाल कायम करने की बात है। मैंने उनसे कहा कि मुझे गाना गाने में खुशी होगी, लेकिन पहले उन्हें अपने व्यापार करने का तरीका बदलना होगा। जब कोई पंजाबी कलाकार किसी बॉलीवुड फिल्म के लिए गाना देता है, तो निर्माता का सब कुछ – ट्रैक, रीमिक्स अधिकार, सब कुछ मालिकाना होता है। वे अपने फायदे के लिए गाने और कलाकार का शोषण करते हैं। मैंने मना कर दिया।

गायक ने आगे बातचीत में कहा, कुछ बड़े कलाकार अपनी फिल्म में मेरा संगीत चाहते थे। मैंने गाना बनाया, हमने सीन की योजना भी बना ली थी। लेकिन वे गाना, उसके अधिकार, सब कुछ अपने पास रखना चाहते थे। यह सही नहीं है। इसलिए मैंने उनसे कहा कि जब तक वे इसे नहीं बदलते, मैं उनके साथ काम नहीं कर सकता। फिर उन्होंने कहा, 'अगर मैं ऐसा करूंगा, तो जूनियर कलाकारों को भी ऐसा करना पड़ेगा। मैं नहीं चाहता कि उन्हें ऐसा करना पड़े। मैं नहीं चाहता कि कोई युवा कलाकार अपने हिट गाने बेचकर अपनी आय का स्रोत खो दे। मैं नहीं चाहता कि उनका शोषण हो।'

कोंकणा सेन शर्मा ने खोला अभिनय का राज

मशहूर अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा की वेब सीरीज सर्च - द नैना मर्डर केस रिलीज हो चुकी है। यह दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। कोंकणा ने इस सीरीज के बारे में बात करते हुए अपने अभिनय का राज लोगों के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा कि वह आमतौर पर किरदार के लहजे और टोन में तब तक बदलाव नहीं करतीं जब तक निर्देशक उनसे कोई सुझाव न मांगे। कोंकणा सेन ने बताया कि वह बस वही करती हैं जो उनके निर्देशक उन्हें बताते हैं क्योंकि आखिरकार यही उनका अपना नजरिया होता है और वह इस प्रक्रिया में दखलअंदाजी करना पसंद नहीं करतीं।

कोंकणा सेन ने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैं वास्तव में इस बात पर ध्यान नहीं देती कि पिच या टोन क्या होना चाहिए। मैं इसमें सहज महसूस नहीं करती और एक अभिनेता के रूप में कुल मिलाकर यह मेरी जगह नहीं है। इस शो के लिए मैं दो कारणों से बहुत उत्साहित थी, एक यह कि यह फोर्ब्राइडेलसेन नामक एक बेहद सफल शो पर आधारित है, जो एक डेनिश शो है, और मैंने इसका रीमेक देखा है और वह अद्भुत है। इसमें जासूस सारा लुंड है, जिनका अपना बहुत बड़ा फैन बेस है। मुझे पता था कि रोहन सिप्पी इसका निर्देशन कर रहे हैं और मैंने उनके साथ पहले भी काम किया है। मैं उनके साथ बहुत सहज हूं और इसलिए मैं इस किरदार को करने के लिए बहुत खुश और उत्साहित थी।

उन्होंने आगे बताया, मुझे इन दोनों किरदारों (अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की बात करते हुए), जय और संयुक्ता के बीच का तालमेल बहुत पसंद है। इस शो के जरिए मैंने सूर्या को जाना, इसलिए मुझे उनके लहजे और पिच वगैरह में अधिक दिलचस्पी नहीं थी। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, हमने खूब रिहर्सल की, टेबल रीडिंग की, और कुछ सवाल या मतभेद वगैरह थे, वो सब सुलझा लिए गए। उनके साथ अभिनय कर मुझे बहुत आनंद आया।

मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती

कांतारा चैप्टर 1 में नजर आए बॉलीवुड अभिनेता गुलशन देवैया ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान अभिनेता ने ऋषभ शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव, सेट पर माहौल और बॉलीवुड और साउथ के बीच के अंतर का जिक्र किया।

जब आपको यह फिल्म मिली तो पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

मुझे पहले से अंदाजा था कि यह फिल्म मेरे पास आएगी। 2019 में मेरी मुलाकात ऋषभ शेट्टी से हुई थी। उन्होंने कहा कि वो मेरी फिल्म हंटर के फैन हैं और मेरे लिए कुछ लिख रहे हैं। फिल्म की घोषणा पहले ही हो चुकी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण यह रुकी रही। 'कांतारा' की सफलता के बाद जब ऋषभ ने मुझे बताया कि उन्होंने मेरे लिए एक रोल लिखा है तो मैं तुरंत तैयार हो गया। मैं पहले से ही उनके काम का दीवाना था, इसलिए ये मेरे लिए यह एक रोमांचक अनुभव था।

साउथ की फिल्म में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे बड़ा अंतर शिफ्ट टाइमिंग और काम करने के तरीके में था। आमतौर पर मलयालम और कन्नड़ इंडस्ट्री में कलाकार सुबह छह बजे शुरू करके शाम छह बजे तक काम करते हैं... जबकि नाइट शिफ्ट का मामला अलग होता है। वहां पूरे बारह घंटे की शिफ्ट नहीं होती और नाइट शिफ्ट छोटी होती है। तकनीकी रूप से भी काफी कुछ अलग था। सिंक साउंड कम इस्तेमाल होता और कलाकार अपनी आवाज सेट पर ही देते हैं। मुझे लगता है यह तरीका माहौल और परफॉर्मेंस के लिहाज से सबसे बेहतर है क्योंकि कलाकार की असली परफॉर्मेंस वहीं सुनाई देती है।

ऋषभ से आपने सबसे बड़ी सीख क्या ली?

ऋषभ में मुझे उनकी क्षमता और तनाव को संभालने की कला ने बहुत प्रेरित किया। इतनी बड़ी फिल्म पहली बार में बनाने के बावजूद उन्होंने टीम, बजट और शूट को पूरी कुशलता से मैनेज किया। उनकी जिम्मेदारियां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, उनके चेहरे पर शिकन नहीं आती।

फिल्म की सफलता आपके करियर के लिए कितनी मायने रखती है?

इस फिल्म का श्रेय मैं अकेले नहीं ले सकता। मैं बस इसका हिस्सा हूं। करियर के लिहाज से यह निश्चित रूप से अच्छा रहेगा, लेकिन एक कलाकार के रूप में मेरे लिए नंबर या कमाई उतनी मायने नहीं रखती। मैं 2011 से काम कर रहा हूं और यह मेरी पहली फिल्म है जिसने इतनी बड़ी कमाई की, लेकिन मेरे लिए सबसे कीमती अनुभव यह है कि दर्शक हमारी मेहनत और किरदार को महसूस कर रहे हैं।

क्या दर्शक आपको कभी धर्मा या यशराज जैसे बड़े बैनर की फिल्मों में देखेंगे?

मेरे लिए हर फिल्म, हर रोल और हर किरदार अहम है। हर डायरेक्टर की अपनी समझ होती है और मैं उसकी कहानी और किरदार के हिसाब से काम करता हूं। लोग अक्सर सोचते हैं कि ऐसी फिल्में ही मुझे सफलता दिलाएंगी। लेकिन मैं ऐसा नहीं सोचता। मैं अभिनय से प्यार करता हूं और अलग-अलग किरदारों निभाना मुझे पसंद है। मेरा फोकस हमेशा किरदार और कहानी पर होता है। अभी मैं बस देख रहा हूं कि सिनेमा मुझे कहां ले जाता है।

सेमीफाइनल की चार टीमें तय, जानें भारत का किस टीम से हो सकता है मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप का ग्रुप चरण अब अपने अंतिम दौर में है और सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और भारत ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जबकि न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया है। भारत ने गुरुवार को न्यूजीलैंड से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारत ने न्यूजीलैंड को 53 रन से हराकर महिला विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस महत्वपूर्ण मुकाबले में बारिश ने खलल डाली। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय महिला टीम ने 49 ओवर में तीन विकेट खोकर 340 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो एक बार फिर बारिश आई और डीएलएस पद्धति के तहत उन्हें 44 ओवरों में 325 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में आठ विकेट पर 271 रन ही बना सकी। इस तरह हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को लगातार तीन मैचों में हार के बाद आखिरकार जीत मिली। यह जीत उसके लिए खास रही क्योंकि इससे वह अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। भारत ने महिला विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था और फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को मात दी थी। लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम न्यूजीलैंड को हराकर जीत की राह पर लौटने में सफल रही। भारतीय महिला टीम ने छह में से तीन मैच जीते हैं और तीन में उसे हार मिली है। टीम फिलहाल छह अंक लेकर चौथे स्थान पर है और उसका नेट रनरेट भी +0.628 का है। भारत को अब ग्रुप चरण के आखिरी मैच में बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है।

शुभमन गिल बने दुर्भाग्यशाली कप्तान, एडिलेड में भारत का सुनहरा रिकॉर्ड टूटा

एडिलेड (एजेंसी)। एडिलेड ओवल पर गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। यह मुकाबला सिर्फ हार नहीं था बल्कि कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह भी बना। भारतीय कप्तान शुभमन गिल

अपने कप्तानी करियर के पहले दो वनडे हारने वाले सिर्फ छठे भारतीय कप्तान बन गए।

एडिलेड में टूटा भारत का अपराजित सिलसिला- इस हार के साथ ही भारत का एडिलेड ओवल पर जीत का रिकॉर्ड टूट गया। फरवरी 2008 में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद से भारत इस मैदान पर छह वनडे लगातार जीत चुका था। यह सिलसिला 17 साल बाद थम गया।

कप्तानी करियर की निराशाजनक शुरुआत

शुभमन गिल अब मोहम्मद अजहरुद्दीन, केएल राहुल, क्रिस श्रीकांत, दिलीप वेंगसरकर और अजीत वाडेकर जैसे कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने कप्तान के रूप में अपने शुरुआती दो वनडे गंवाए।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी (एजेंसी)। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने

वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई।

सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है। वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं। 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे खेल जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे। इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

हार के बाद बोली न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन

हम भारत की तरह नहीं हैं, हमारे पास एक अरब लोग नहीं है

मुंबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट के मामले में अग्रणी देश बन सकता

है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कमान करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को यहां भारत से बड़ी हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर स्थित एक छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। डिवाइन ने कहा, 'यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत भिन्न है।

विराट-रोहित आज ऑस्ट्रेलिया में आखिरी मैच खेलेंगे

2027 तक यहां इंडिया की सीरीज नहीं, टीम पर ऑस्ट्रेलिया से पहली बार क्लीन स्वीप का खतरा

सिडनी (एजेंसी)। ये प्रदर्शन टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली का है। वे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अब तक अपना खाता नहीं खोल सके हैं। शनिवार को सिडनी में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाना है। मुमकिन है कि यह विराट कोहली और लंबे समय से उनके टीम मेट रहे रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर आखिरी इंटरनेशनल मैच हो। इस मैच में दोनों सितारों से इम्पैक्टफुल परफॉर्मेंस आना जरूरी है। भारतीय टीम पहले ही सीरीज गंवा चुकी है और अब टीम पर पहली बार क्लीन स्वीप होने का खतरा मंडरा रहा है। कंगारू वनडे क्रिकेट में भारत को अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सके हैं। एक दिन पहले 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मुकाबला 2 विकेट से जीता था। टीम को पहले मैच में 7 विकेट की जीत मिली थी।

इसीलिए ऑस्ट्रेलिया में रोहित-कोहली का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता

कोहली 36 और रोहित 38 साल के हो चुके हैं। दोनों टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। फ्यूचर टूर प्रोग्राम के अनुसार अगले 2 साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर रोहित-कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया भारत के खिलाफ क्लीन स्वीप नहीं कर पाया

इस मुकाबले में भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत को वनडे सीरीज में अब तक क्लीन स्वीप नहीं कर सकी है। दोनों टीमों 1984 से वनडे सीरीज खेल रही है। जब पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय दौरे पर आई थी, तब 5 मैचों के 3 मुकाबले जीते थे, लेकिन 2 मैच बेनतीजा रहे।

सिडनी में 9 साल से नहीं जीता भारत

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में भारतीय टीम का रिकॉर्ड खराब है। टीम ने यहां पिछले 9 साल से कोई वनडे मैच नहीं जीता है। भारतीय टीम को पिछली जीत 23 जनवरी 2016 को मिली थी। उसके बाद से टीम इंडिया ने यहां लगातार 3 मुकाबले गंवाए हैं। ऑस्ट्रेलियन पिचों पर दोनों टीमों के बीच 56 मैच खेले गए हैं, इनमें से 40 मुकाबले मेजबान टीम ने जीते हैं। 14 मैच भारत के पक्ष में रहे हैं। 2 मैच नो रिजल्ट रहे। ओवरऑल हेड-टू-हेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया ने 154 मैच हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 86 और भारत ने 58 मैच जीते हैं। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी वर्ल्डकप से पाकिस्तान हटा

इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन ने कन्फर्म किया, कहा- नई टीम का ऐलान जल्द करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम भारत में 28 नवंबर से होने जा रहे जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप से हट गया है। इंटरनेशनल हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

मीडिया सूत्र के हवाले से लिखा कि पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने आधिकारिक तौर पर सूचित किया है कि उसकी टीम इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान की जगह कौन सी टीम खेलेगी, इसका ऐलान जल्द किया जाएगा। पाकिस्तान को पूल बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति है।

भारत ने 2023 में चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को ही 2-1 से हराया था। ओमान भी हट गया था। उनकी जगह बांग्लादेश और कजाकिस्तान को टूर्नामेंट में जगह दी गई थी।

टीम इंडिया ने नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इनकार किया

भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। नकवी एसीसी चेयरमैन होने के साथ-साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ भी हैं। साथ ही वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

हॉकी एशिया कप से भी हट गया था पाकिस्तान

पाकिस्तान ने पिछले महीने बिहार के राजगीर स्टेडियम में आयोजित हॉकी एशिया कप से भी नाम वापस ले लिया था।

सिडनी वनडे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में बदलाव

जैक एडवर्ड्स को मौका, लाबुशेन को रिलीज किया, स्टार्क-हेजलवुड को आराम मिल सकता है

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी वनडे से पहले न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को बुलाया गया है। उन्हें पहली बार ऑस्ट्रेलिया की इंटरनेशनल टीम में जगह मिली है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को वनडे और टी-20 टीमें जारी की।

इसके अनुसार, आखिरी वनडे के लिए मैथ्यू कुह्नेमन की वापसी हुई है। जबकि, मार्नस लाबुशेन को वनडे टीम से रिलीज कर दिया गया है। ताकि, वे अगले हफ्ते मंगलवार से शुरू होने वाले शील्ड मैच में क्वींसलैंड के लिए खेल सकें।

25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे में टीम मैनेजमेंट हेजलवुड या स्टार्क को आराम दे सकता है। कंगारू टीम ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है।

ऑस्ट्रेलिया के वनडे और टी-20 टीम के बदलाव- जोश हेजलवुड और शॉन एबॉट भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैच नहीं खेलेंगे। दोनों न्यू साउथ वेल्स से शील्ड मैच खेलने जाएंगे। हेजलवुड सिर्फ पहले दो टी20 मैच खेलेंगे, जबकि एबॉट तीसरे मैच के बाद टीम छोड़ देंगे। मैथ्यू कुह्नेमन और जैक एडवर्ड्स को तीसरे वनडे के लिए टीम में जोड़ा गया है। जोश फिलिप को टी20 टीम में एक्स्ट्रा विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है, क्योंकि जोश इंग्लिस चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं।

ग्लेन मैक्सवेल कलाई की चोट के कारण शुरुआती 2 टी-20 मैच नहीं खेल सकेंगे। वे आखिरी 3 मैचों में वापसी करेंगे।

बेन ड्वार्शियस भी चोट से उबरकर चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए टीम में जुड़ेंगे। वेस्ट ऑस्ट्रेलिया के 20 साल के तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को आखिरी तीन टी20 मैचों के लिए चुना गया है। उन्होंने हाल ही में पर्थ स्कॉर्चर्स और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। जैक एडवर्ड्स ने भारतीय दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लखनऊ में 88 रन बनाए थे और कानपुर में खेले गए वनडे मैचों में 4 विकेट लिए और 89 रन बनाए थे। हालांकि, वे अपनी टीम को दो फॉर्मेट की सीरीज में जीत नहीं दिला सके थे। 2 मैचों की फर्स्ट क्लास सीरीज को भारत ने 1-0 से, जबकि 3 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीता था। भारतीय टीम की कमानी श्रेयस अय्यर ने की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से 2 वनडे जीते

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे सीरीज के शुरुआती 2 मुकाबलों में भारतीय टीम पर जीत हासिल की है। टीम ने एडिलेड में दूसरा मुकाबला 2 विकेट और पर्थ में पहला मैच 7 विकेट से जीता था।

5 मैचों की टीम 2-0 सीरीज 29 अक्टूबर से

वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया को आपस में 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज का पहला मुकाबला कैनबरा दोपहर 1:45 बजे से खेला जाएगा।

करणबीर सिंह ने लिखा इतिहास, सूर्यकुमार और रिजवान का टी-20 रिकॉर्ड तोड़ा

एक कैलेंडर वर्ष में बनाए सर्वाधिक रन

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के क्रिकेट मंच पर ऑस्ट्रिया के ओपनर करणबीर सिंह का नाम तेजी से चमक रहा है। इस खिलाड़ी ने वह कमाल कर दिखाया, जो अब तक सिर्फ क्रिकेट की बड़ी टीमों के स्टार बल्लेबाजों के नाम था। करणबीर ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी-20 में रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान और भारत के सूर्यकुमार यादव दोनों को पीछे छोड़ दिया।

रिकॉर्ड तोड़ने वाली पारी

विस्डेन की रिपोर्ट के मुताबिक, करणबीर को रिज़वान के 2021 के 1,326 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 87 रनों की जरूरत थी। रोमानिया दौरे पर 18 अक्टूबर को उन्होंने दो लगातार मैचों में धमाकेदार प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में 27 गेंदों पर 57 रन और फिर अगले मैच में 46 गेंदों पर 90 रन जड़ दिए।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। अगले दिन उन्होंने 44 गेंदों में 74 और फिर 12 गेंदों में 27 रनों की आतिशी पारी खेली। इन पारियों के बाद उनका सीजन टोटल 32 पारियों में 1,488 रन तक पहुंच गया और यहीं उन्होंने नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

आंकड़े जो हैरान कर दें

करणबीर के आंकड़े किसी भी इंटरनेशनल स्टार से कम नहीं हैं। उन्होंने ये रन 175 के स्ट्राइक रेट से बनाए, जिसमें 127 चौके और 122 छक्के शामिल हैं! ये छक्कों की संख्या अपने आप में हैरान करने वाली है क्योंकि यह सूर्यकुमार यादव के 2022 में बनाए गए 68 छक्कों से लगभग दो गुना है।

किसे पीछे छोड़ा करणबीर ने

अब तक पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल कैलेंडर-वर्ष में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड मोहम्मद रिज़वान (1,326 रन, 2021) और सूर्यकुमार यादव (1,164 रन, 2022) के नाम था। लेकिन ऑस्ट्रिया के इस खिलाड़ी ने एसोसिएट नेशन के लिए इतिहास रचते हुए उन दोनों को पीछे छोड़ दिया।

साथी खिलाड़ी भी छा रहे

रोमानिया के इल्फोव काउंटी में खेले गए चौथे टी-20 में करणबीर के साथी बिलाल ज़ुल्मई भी इस साल 1,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। वहीं, बहरीन के फ़ैयाज़ अहमद भी सिर्फ 57 रन दूर हैं इस खास माइलस्टोन से।

क्रिकेट के नए नक्शे पर ऑस्ट्रिया

करणबीर का यह प्रदर्शन न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से ऐतिहासिक है, बल्कि एसोसिएट क्रिकेट देशों के लिए भी बड़ी प्रेरणा है। ऑस्ट्रिया जैसे छोटे क्रिकेटिंग देश के खिलाड़ी का दुनिया के बड़े दिग्गजों के बीच रिकॉर्ड बनाना यह साबित करता है कि क्रिकेट की प्रतिभा अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले देशों तक सीमित नहीं रही।

एशियाई युवा खेल

रंजना ने पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक जीता

रिफा (बहरीन) (एजेंसी)। भारतीय युवा एथलीट रंजना खादव ने यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25.88 सेकेंड के

समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियो 24:15.27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रही। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25:26.93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस ने अपनी सभी उड़ानें रोकी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की प्रमुख विमानन कंपनी अलास्का एयरलाइंस ने तकनीकी खराबी की वजह से अपनी सभी उड़ानें रोक दीं। कंपनी का कहना है कि कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नेटवर्क में खराबी आने के कारण यह फैसला करना पड़ा। द सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन ने गुरुवार शाम लगभग 4:20 बजे कहा कि आईटी में खराबी के कारण परिचालन प्रभावित हो रहा है और अस्थायी रूप से सभी उड़ानों को रोक दिया गया है। कंपनी का कहना है कि फिलहाल अलास्का के विमान सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अन्य हवाई अड्डों से उड़ान नहीं भरेंगे। अलास्का ने गुरुवार को जिन यात्रियों की उड़ानें बुक थीं, उन्हें हवाई अड्डे पर जाने से पहले उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी है। इससे पहले जुलाई में भी अलास्का में आईटी सेवाओं में व्यवधान के कारण लगभग तीन घंटे तक उड़ानें रोकनी पड़ीं। यह व्यवधान अलास्का के एक डेटा सेंटर के हार्डवेयर में अप्रत्याशित रूप से खराबी आने के कारण हुआ। इस व्यवधान के कारण 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और 15,600 लोगों की यात्रा योजनाएं प्रभावित हुईं। उल्लेखनीय है कि अलास्का एयरलाइंस अमेरिका की सातवीं सबसे बड़ी विमानन कंपनी है। इसका मुख्यालय सीएटल (वाशिंगटन) में है। अलास्का की स्थापना मैकगी एयरवेज के तौर पर 1932 में की गई थी। आज अलास्का 100 से अधिक गंतव्यों में अपनी सेवाएं प्रदान करती है।

15 अरब और इस्लामिक देशों ने वेस्ट बैंक पर इजराइल की तानाशाही योजनाओं की कड़ी निंदा की

दोहा (एजेंसी)। 15 अरब और इस्लामिक देशों ने इजराइली संसद (कनेसेट) द्वारा वेस्ट बैंक और अवैध बस्तियों पर कब्जा बढ़ाने के दो प्रस्तावित कानूनों को मंजूरी देने की कड़ी निंदा की है। इसमें कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्किए, जिबूती, सऊदी अरब, ओमान, गाम्बिया, फिलिस्तीन, कुवैत, लीबिया, मलेशिया, मिस्र, नाइजीरिया, अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन शामिल हैं। सामूहिक बयान में कहा गया कि ये कानून अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2334 का उल्लंघन हैं, जो 1967 के बाद से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजराइल द्वारा जनसांख्यिकीय और भौगोलिक बदलावों को रोकता है। बयान में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) की 22 अक्टूबर 2025 की निर्णय का स्वागत किया गया, जिसमें इजराइल को मानवतावादी कर्तव्यों का पालन करने और गाजा सहित कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में आवश्यक राहत पहुंचाने का निर्देश दिया गया। आईसीजे ने इजराइल को भूख को हथियार नहीं बनाने, जबरन स्थानांतरण और निर्वासन से परहेज करने और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय और स्वतंत्र राज्य की मान्यता सुनिश्चित करने की याद दिलाई। न्यायालय ने ईस्ट येरुसलम पर इजराइल के क्षेत्रीय दावों को अमान्य घोषित किया। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजराइल के एकतरफा और अवैध कदमों को रोकने तथा फिलिस्तीनियों को 04 जून, 1967 की सीमाओं के भीतर स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के उनके अधिकार की रक्षा करने की अपील की गई है।

बलूच सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी सेना की राशन सप्लाई कारवां पर की छापेमारी

बलूचिस्तान (एजेंसी): बलूचिस्तान की सुरक्षा और रक्षा बलों ने पाकिस्तान की अवैध गतिविधियों और सेना के प्रवेश के खिलाफ अभियान जारी रखा है। मंगलवार को मस्तुंग के स्पिलांजी और मारव क्षेत्रों में बलूच स्वतंत्रता सेनाओं ने एक कारवां रोका, जिसमें पाकिस्तानी सेना के लिए राशन और आपूर्ति सामग्री ले जाई जा रही थी। स्रोतों के अनुसार, इस कारवां से भारी मात्रा में हशीश और हेरोइन जैसी नशीली दवाएं बरामद हुईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना बलूच प्रतिरोध के

नई अमेरिकी पाबंदियां रूस की अर्थ व्यवस्था पर असर नहीं डालेंगी : पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नई आर्थिक पाबंदियां (सैंक्शन्स) केवल रूस पर दबाव बनाने का प्रयास है, लेकिन इनका देश की अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती (आरआईए) के मुताबिक, पुतिन ने स्पष्ट किया कि मॉस्को विदेशी दबाव के आगे झुकेगा नहीं।

पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस के भीतर गहराई तक किए गए किसी भी हमले का जवाब बहुत गंभीर और निर्णायक होगा। उन्होंने कहा, रूस कभी भी बाहरी दबाव में नहीं आएगा और हमारी प्रतिक्रिया उन हमलों से कहीं अधिक शक्तिशाली होगी।

रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि देश का ऊर्जा क्षेत्र मजबूत और आत्मविश्वास से भरा हुआ है, हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि नई अमेरिकी पाबंदियों से कुछ हद तक नुकसान हो सकता है।

पुतिन ने आगे कहा कि यदि रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आती है, तो इससे वैश्विक बाजार में तेल के दामों में तेज वृद्धि हो सकती है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तेल आपूर्ति की स्थिति और उसके अंतरराष्ट्रीय मूल्य पर प्रभाव को लेकर चर्चा की है। वहीं, टोमहॉक मिसाइलों को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि अगर टोमहॉक क्रूज मिसाइलों का उपयोग कर रूसी क्षेत्र पर हमला किया गया तो उसका जवाब बहुत गंभीर होगा। उन्होंने कहा कि यद्यपि अमेरिका ने यूक्रेन को टोमहॉक देने की अनुमति नहीं दी है, फिर भी कीव का अनुमति मांगना उत्तेजना बढ़ाने का प्रयास है।

पुतिन ने साफ कहा कि जो लोग ऐसे कदम के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें इसके परिणामों पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पुतिन ने ट्रंप के साथ बुडापेस्ट बैठक स्थगित होने पर कहा, संवाद हमेशा टकराव से बेहतर: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बुडापेस्ट, हंगरी में प्रस्तावित बैठक के स्थगित होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पुतिन ने कहा कि यह बैठक हल्के में लेना दोनों देशों के लिए गलत साबित हो सकता था। उन्होंने बताया कि इस बैठक का प्रस्ताव अमेरिकी पक्ष ने ही रखा था, लेकिन अब ट्रंप ने इसे स्थगित करने का निर्णय लिया है।

भेजा खुला पर हौसला बुलंद!

लंदन (एजेंसी)। यह अक्सर कहा जाता है कि अगर इंसान में हिम्मत और जज्बा हो तो वह असंभव को भी संभव कर सकता है। इस बात को सच साबित करता एक अविश्वसनीय वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला अपनी ब्रेन सर्जरी के दौरान शहनाई जैसा एक वाद्य यंत्र बजाती नजर आ रही है। ऑपरेशन थिएटर में मरीज की यह अदम्य हिम्मत देखकर न सिर्फ डॉक्टर्स बल्कि सोशल मीडिया यूजर्स भी अचंभित हैं। यह वायरल वीडियो लंदन के किंग्स कॉलेज अस्पताल का बताया जा रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि डॉक्टर महिला के दिमाग को खोलकर सर्जरी कर रहे हैं और वह पूरी तरह से सामान्य होकर अपने हाथ हिला रही है और यंत्र बजा रही है।

इस प्रकार की सर्जरी को अक्सर अवेक ब्रेन सर्जरी कहा जाता है। इसमें मरीज को ऑपरेशन के दौरान होश में रखा जाता है ताकि डॉक्टर यह सुनिश्चित कर सकें कि सर्जरी से बोलने, सुनने या संगीत बजाने जैसे महत्वपूर्ण मस्तिष्क कार्यों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। महिला पूरी तरह से सामान्य और सचेत दिखाई दे रही है जिसे देखकर कोई कह नहीं सकता कि वह ऑपरेशन थिएटर में है।

एवरेस्ट के डेथ जोन में फंसी ऑस्ट्रेलियाई लड़की, खौफनाक वीडियो वायरल

काठमांडू, मेलबर्न (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट के डेथ जोन से ऑस्ट्रेलियाई किशोरी बियांका एडलर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह शिखर के करीब पहुंचने के बाद कठिन परिस्थितियों में फंसी हुई दिखाई दे रही है। वीडियो में बियांका की हालत देखकर लोग हैरान हैं और सोशल मीडिया पर उसके साहस की सराहना कर रहे हैं।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न की 17 वर्षीय बियांका एडलर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो के कैप्शन में बियांका एडलर ने लिखा कि कैंप 4 में तीन रातें बिताने और खराब मौसम के कारण दो बार शिखर पर चढ़ने की असफल कोशिशों के बाद, मैं बेस कैंप वापस आ गई। मुझे कई अलग-अलग कारणों से बहुत बुरा लग रहा

था।शिखर से मात्र 400 मीटर नीचे

बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई किशोरी बियांका एडलर इसी साल मई में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की कोशिश की थी। वह शिखर से लगभग 400 मीटर नीचे, 8,450 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वो डेथ जोन में फंस गई और खराब मौसम के चलते कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा और वापस आना पड़ा।

सांस लेने में हो रही दिक्कत: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के दौरान बेस कैंप पहुंचने के बाद रिकॉर्ड किए गए वीडियो में बियांका को सांस लेने में तकलीफ महसूस हो रही है। बर्फीली हवाओं के चलते उनका चेहरा लाल और सूजा हुआ दिखाई दे रहा है। इस भयावह वीडियो में वह कहती हैं, मैं अभी-अभी कैंप 2 से लौटी हूं। मैं बेस कैंप में हूं और मुझे बहुत बुरा लग रहा है। मेरी गर्दन, गला और फेफड़े बहुत दर्द कर रहे हैं... मेरी सांस फूल रही है। जबकि कल मैं 8000 मीटर की ऊंचाई पर थी।

सोशल मीडिया यूजर दे रहें प्रतिक्रिया: बियांका एडलर को वीडियो में खांसते और बुरी हालत में देखा जा सकता है। इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि उन्हें अंदाजा ही नहीं था कि एवरेस्ट की ऊंचाई पर शरीर को इतना गंभीर शारीरिक तनाव सहना पड़ता है। वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा शाबाश, आपने निश्चित रूप से अपने लंबी पैदल यात्रा के मानकों को ऊंचा उठा दिया है।

हंगरी में शांति रैली : 1956 की क्रांति को याद करने का जश्न

बुडापेस्ट (एजेंसी)। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में आज लाखों लोगों ने 1956 की हंगरी क्रांति की 69वीं वर्षगांठ पर आयोजित शांति रैली' में भाग लिया। यह रैली प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की फिडेज पार्टी के समर्थकों ने निकाली, जो शांति और देश की आजादी का संदेश देती है।

1956 में आज ही के दिन हंगरी के छात्रों ने सोवियत संघ के खिलाफ विद्रोह शुरू किया था, जिसे सोवियत सेना ने कुचल दिया।इस दौरान हजारों लोग मारे गए। हंगरी इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश के रूप में मनाता है।

खबरों के मुताबिक यह रैली एलिज़ाबेथ प्रेस्ले स्क्वायर से शुरू होकर शहर के प्रमुख रास्तों से गुजरते हुए संसद भवन तक पहुंची।

इस दौरान रैली में मौजूद लगभग दो लाख प्रदर्शनकारियों ने ऑर्बन की शांति नीति का समर्थन किया, जिसमें यूक्रेन युद्ध के बीच हंगरी की तटस्थता पर जोर दिया गया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, 1956 की भावना आज भी हमें प्रेरित करती है। आज शांति की आवाज सबसे मजबूत होनी चाहिए। हंगरी शांति का द्वीप है। यह मार्च आगामी चुनावों में ऑर्बन सरकार के लिए भारी समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है। इस अवसर पर विपक्षी दलों ने अलग अलग रैलियां निकालीं।

रूस की फ्रीज संपत्तियों से यूक्रेन को दो साल की आर्थिक मदद देगा यूरोपीय संघ

ब्रसेल्स (एजेंसी): यूरोपीय संघ (ईयू) ने यूक्रेन को अगले दो वर्षों तक वित्तीय सहायता देने के सिद्धांत पर सहमति जताई है। ईयू काउंसिल के प्रमुख एंटोनियो कोस्टा ने गुरुवार को कहा कि यह निर्णय बेल्जियम के विरोध के बावजूद लिया जाएगा, जिसने रूस की जमी हुई संपत्तियों का उपयोग करने की योजना को लेकर आपत्ति जताई है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस योजना को जीवन बचाने वाला कदम बताया और कहा कि रूस की अचल संपत्तियों से प्राप्त 140 अरब यूरो (163.3 अरब डॉलर) की राशि से यूक्रेन को तत्काल सहायता मिल सकेगी।

हालांकि, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डे वेवर ने इस योजना को लेकर तीन शर्तें रखीं – पहला, किसी भी कानूनी कार्रवाई की लागत सभी ईयू देशों को मिलकर उठानी होगी; दूसरा, यदि रूस की संपत्तियों को लौटाना पड़ा तो आर्थिक जिम्मेदारी साझा की जाएगी; और तीसरा, अन्य देशों में रखी रूसी संपत्तियों को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा।

डे वेवर ने चेतावनी दी, यदि इन शर्तों को नहीं माना गया, तो मैं राजनीतिक और कानूनी स्तर पर इस निर्णय को रोकने की पूरी कोशिश करूंगा।

वहीं, कोस्टा ने कहा कि राजनीतिक सहमति आज ही बन जाएगी, जबकि तकनीकी पहलुओं पर बाद में निर्णय होगा। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन की वित्तीय जरूरतों को 2026 और 2027 तक पूरा करने का राजनीतिक निर्णय लेंगे, जिसमें सैन्य उपकरणों की खरीद भी शामिल है।

ईयू नेताओं ने यूरोपीय आयोग को इस योजना पर औपचारिक कानूनी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश देने की संभावना जताई है। वहीं, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने की अपील की है ताकि यूक्रेन को तुरंत राहत मिल सके।

● अमेरिका ऐसी किसी भी कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेगा

ट्रंप की नीति पश्चिमी तट इजराइल में विलय को स्वीकार नहीं करती: जेडी वेंस

यरूशलम (एजेंसी)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजराइल की संसद कनेसेट द्वारा पश्चिमी तट के विलय संबंधी प्रस्ताव को सख्त शब्दों में खारिज करते हुए इसे मूर्खतापूर्ण राजनीतिक स्टंट और अपमानजनक कदम बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति पश्चिमी तट के इजराइल में विलय के खिलाफ है और अमेरिका ऐसी किसी भी कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेगा।

तेल अवीव अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रस्थान से पहले संवाददाताओं से बातचीत में वेंस ने कहा, अगर यह एक राजनीतिक स्टंट था, तो यह बेहद मूर्खतापूर्ण था और मैं इसे व्यक्तिगत रूप से अपमानजनक मानता हूं। पश्चिमी तट का इजराइल में विलय नहीं होगा। ट्रंप प्रशासन की नीति स्पष्ट है और यह कायम रहेगी।

उनका यह बयान कनेसेट में उस विधेयक को प्रारंभिक मंजूरी मिलने के एक दिन बाद आया है, जिसके तहत पश्चिमी तट पर इजराइली कानून लागू करने का प्रस्ताव रखा गया था। यह भूमि

फिलिस्तीनियों के लिए भावी राज्य का अहम हिस्सा मानी जाती है। 120 सदस्यीय संसद में यह विधेयक 25-24 मतों से पारित हुआ, लेकिन इसे पूर्ण रूप से कानून बनने के लिए तीन और चरणों की मंजूरी आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने इसका विरोध किया, जबकि कुछ दक्षिणपंथी सांसदों ने समर्थन किया।

वेंस का इजराइल दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की उस शांति योजना को आगे बढ़ाने के लिए था, जो गाजा युद्ध को समाप्त कर इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम को स्थिर बनाए रखने पर केंद्रित है। इसी क्रम में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी चेतावनी दी कि पश्चिमी तट के विलय की कोशिशें शांति प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका इस कदम का समर्थन नहीं करेगा, क्योंकि यह शांति समझौते के लिए खतरा है।

ट्रंप ने इससे पहले सितंबर में ही कहा था कि अमेरिका इजराइल को पश्चिमी तट के विलय की अनुमति नहीं देगा। यह नीति अब्राहम समझौतों की नींव से जुड़ी है, जिनके तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई अरब देशों ने इजराइल के साथ संबंध सामान्य किए थे। यूएई ने भी चेतावनी दी है कि विलय की कोशिशें इन समझौतों के लिए खतरे का संकेत होंगी।

इधर, फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कनेसेट के इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इजराइल का फिलिस्तीनी भूमि पर संप्रभुता का दावा अवैध है।

अमेरिका में क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमादान, ट्रंप ने दस्तावेज पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमा कर दिया। उन्होंने इस आशय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर झाओ को बड़ी राहत प्रदान की। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने दी।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को झाओ को क्षमा करते हुए क्षमादान संबंधी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ने इसके लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया। झाओ पर बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी के खिलाफ अपने अभियान में मुकदमा चलाया था। उन्होंने कहा, बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी उद्योग को दंडित करने की अपनी जिद के कारण किसी भी साक्ष्य के बिना झाओ पर मुकदमा चलाया।

बताया गया है कि उस समय झाओ को चार महीने जेल की सजा सुनाई गई। उन्होंने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया। उन्हें बिनांस में मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देने का दोषी ठहराया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बिनांस को 4 अरब डॉलर से ज्यादा का जुर्माना भरने भी आदेश दिया, जबकि झाओ 5 करोड़ डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमत हुए।

ट्रंप से क्षमादान मिलने के कारण झाओ को बिनांस में सीधा नियंत्रण फिर से हासिल हो गया है। झाओ ने एक्स पर लिखा, क्षमादान, निष्पक्षता, नवाचार और न्याय के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का मैं बहुत आभारी हूं। अब हम अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाने और दुनिया भर में वेब3 को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लेविट ने कहा, बाइडेन

प्रशासन के इन कदमों ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। क्रिप्टो पर बाइडेन प्रशासन का युद्ध समाप्त हो गया है। बिनांस दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक है। इसकी वेबसाइट पर बताया गया है कि यह औसतन प्रतिदिन 65 बिलियन डॉलर से अधिक का लेनदेन करता है।

बिनांस के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व और अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बनाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देते हैं। कंपनी ने कहा कि झाओ की परिकल्पना ने न केवल बिनांस को दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज बनाया, बल्कि व्यापक क्रिप्टो आंदोलन को भी आकार दिया।

ट्रंप ने गुरुवार को रियलिटी स्टार टॉड और जूली क्रिसली, इलिनोइस के पूर्व गवर्नर रॉड ब्लागोजेविच, हिप-हॉप स्टार लिल वेन और हाल ही में पूर्व प्रतिनिधि जॉर्ज सैंटोस, आर-एनवाई को माफ कर दिया है। सीएनबीसी के अनुसार, मार्च में ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बिटमेक्स के तीन सह संस्थापकों को भी माफ कर दिया था। ट्रंप ने 2024 के चुनाव में क्रिप्टो उद्योग के साथ न्याय करने का वादा किया था। उनके परिवार से जुड़े एक क्रिप्टो उद्यम ने पिछले एक साल में कई क्रिप्टो उत्पाद लॉन्च किए। मई में ट्रंप ने अपने मीम कॉइन के शीर्ष खरीदारों के लिए एक रात्रिभोज का आयोजन किया। रात्रिभोज में एकत्रित भीड़ ने ट्रंप मीम कॉइन खरीदने में लगभग 150 मिलियन डॉलर खर्च किए। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, बिनांस के वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। लिबर्टी ने ट्रंप परिवार के कई क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स का प्रबंधन किया है और परिवार के लिए 4 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की है। जर्नल ने यह भी बताया कि वर्ल्ड लिबर्टी का प्रमुख क्रिप्टो कॉइन एक क्रिप्टो एक्सचेंज पर चलता है। इसका बिनांस गुपचुप प्रबंधन करता है। एक सार्वजनिक दस्तावेज के अनुसार, बिनांस ने सितंबर में चार्ल्स मैकडॉवेल नामक एक नए लॉबिस्ट को भी नियुक्त किया। मैकडॉवेल, राष्ट्रपति के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के मित्र हैं और पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस में उनकी एक साथ तस्वीरें खींची गईं। सोमवार को मैकडॉवेल की लॉबिंग फर्म चेकमेट गवर्नमेंट रिलेशंस ने खुलासा किया कि बिनांस ने पिछले महीने के काम के लिए उसे 450,000 डॉलर का भुगतान किया। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ने एक बयान में कहा कि यह आज की खबरों और डीसी में हो रहे समग्र बदलाव की सराहना करते हुए क्रिप्टो उद्योग के साथ खड़ा है। वर्ल्ड लिबर्टी के एक प्रवक्ता ने कहा कि क्षमा प्रक्रिया में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। गुरुवार को व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से झाओ की क्षमादान से जुड़े संभावित हितों के टकराव के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति और व्हाइट हाउस, राष्ट्रपति के पास आने वाले हर क्षमादान अनुरोध की गहन जांच करते हैं।

महिला डॉक्टर ने की आत्महत्या... पुलिस सब इंस्पेक्टर पर 4 बार बलात्कार करने का आरोप

-हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सतारा के फाल्टण जिला अस्पताल में एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। मृतका का नाम संपदा मुंडे था। अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में मृतका महिला डॉक्टर मुंडे ने लिखा कि पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) गणेश बडने ने 4 बार उनका बलात्कार किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉक्टर और जिला पुलिस के बीच एक मेडिकल एग्जामिनेशन को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। हथेली पर लिखे नोट में उन्होंने पीएसआई गणेश के अलावा एक और पुलिस कर्मी प्रशांत बांकर पर भी शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। घटना के बाद सतारा के गार्जियन मंत्री शंभुराज देसाई ने जांच का आश्वासन देकर कहा है कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। मामला सामने आने के बाद अब पुलिस ने पीएसआई गणेश को सस्पेंड किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि गणेश को सीधे मुख्यमंत्री फडणवीस के आदेश पर सस्पेंड किया गया है। डॉक्टर मुंडे ने मामले और पुलिस से हो रही दिक्कत के बारे में पहले भी अपने सीनियर डॉक्टरों से शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि उनके साथ गलत व्यवहार हो रहा है। अगर उनकी बात नहीं सुनी गई, तब वे आत्महत्या कर लेंगी। संपदा महाराष्ट्र के बीड की रहने वाली थी और फाल्टण जिला अस्पताल में काम करती थी। उनके साथ काम कर रहे लोगों ने बताया कि पुरानी मेडिकल जांच की वजह से बहुत प्रेशर में थी। संपदा हमेशा स्ट्रेस में रहती थी। इस मामले का संज्ञान महाराष्ट्र महिला आयोग ने भी ले लिया है। आयोग प्रमुख रुपाली चाकणकर ने कहा है कि जांच के लिए अलग टीम बना ली गई है।

गुजरात के राजकोट में महसूस किए गए भूकंप के झटके

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट जिले के गोंडल शहर और आस-पास के इलाकों में दोपहर 12:37 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। खबरों में तीव्रता 3.6 (नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी -एनसीएस और अन्य स्रोतों के अनुसार) और 3.4 (एनसीएस के एक अन्य उल्लेख के अनुसार) बताई गई है। गांधीनगर स्थित भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, केंद्र गोंडल से 24 किमी दूर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में एक खेत में दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। भूकंप के झटके राजकोट जिले के गोंडल शहर, जेतपुर और सौराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में महसूस किए गए। इन झटकों से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। भूकंप का एहसास होते ही लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए, जिससे स्थानीय लोगों में चिंता और दहशत का माहौल बन गया।

शराबी पति ने अपने तीन माह के बच्चे को खाई में फेंका...फिर खुद कूदकर आत्महत्या की

पौड़ी (एजेंसी)। पहाड़ी राज्य उत्तराखंड के पौड़ी जिले में एक मजदूर ने शराब के नशे में जो किया वह दिल दहला देने वाला है। मजदूर ने अपने 3 महीने के बेटे को कथित तौर पर खाई में फेंककर मार डाला और फिर खुद भी खाई में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना तब हुई जब डबोली गांव निवासी मृतक 30 साल का ललित और उसकी पत्नी के बीच तीखी बहस हुई। अधिकारियों के अनुसार, ललित शराब का आदि था और इस बात पर पत्नी कमला से बहस हुई। इसके बाद पत्नी गुस्से में यह कहकर घर से निकल गई कि वह अपने तीन महीने के बच्चे के साथ अपने गांव वापस जा रही है। ये देखकर गुस्से में आए ललित ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की गोद से बच्चे को छीनकर सड़क के किनारे एक खाई में फेंक दिया। घटना के बाद, दंपति ने अपने बच्चे को खोजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि हताश होकर ललित ने भी खाई में छलांग लगा दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने ललित को बचाया और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन वहां पहुंचने पर मजदूर को मृत घोषित किया गया। कमला के भाई प्रकाश ने बताया कि ललित और कमला का प्रेम विवाह हुआ था, लेकिन ललित कथित तौर पर शराब के नशे में कमला को पीटता था।

बिकिनी पहन महिला ने गंगा में किया स्नान, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

ऋषिकेश (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो इतने ज्यादा वायरल हो जाते हैं कि उनपर बहस छिड़ जाती है। ऐसा ही एक वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया। एक विदेशी महिला बिकिनी पहनकर गंगा नदी में कूदती नजर आ रही है। अब सही और गलत पर बहस छिड़ गई। कई लोग महिला को बुरा-भला बोल रहे हैं, तो कई उसका पक्ष ले रहे हैं। एक शख्स ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहनकर नहाते हैं तब अनादर नहीं होता। ऋषिकेश के फेमस लक्ष्मण झूला के पास बिकिनी पहनकर गंगा में डुबकी लगाती एक विदेशी पर्यटक का वीडियो वायरल हो गया है। इससे बहस छिड़ गई है। सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर इस वीडियो ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बीच की रेखा पर सवाल उठाए हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें देखा जा सकता है कि महिला बिकनी पहने खड़ी है। गले में फूलों की माला और माथे पर रोली का तिलक लगा है। वह पहले हाथ जोड़कर गंगा में स्नान करने उतर जाती है। सारी मालाओं को गंगा में बहा देती है फिर प्रार्थना कर डुबकी लगाती है। इसके बाद वह तैरने लगती है। देखा जा सकता है कि महिला किसी बुरी सोच से ऐसा नहीं कर रही बल्कि सम्मान देते हुए ही वह प्रार्थना कर रही थी। लोगों ने उसके कपड़ों पर सवाल उठा दिया। कुछ लोगों ने इसे भारत की सबसे पूजनीय नदियों में से एक की पवित्रता के प्रति अनादरपूर्ण बताते हुए इसकी आलोचना की। कुछ ने महिला का पक्ष लेते हुए जो वीडियो रिकॉर्ड कर रहा उसकी गलती बताई। एक यूजर ने लिखा कि 'मां गंगा एक पवित्र नदी है, कोई समुद्र तट या स्विमिंग पूल नहीं। सम्मान दिखाएं, सभ्य कपड़े पहनें, बिकिनी नहीं। वहीं, एक ने कहा कि लड़की के इरादे नहाते समय गलत नहीं थे। एक अन्य ने कहा कि आदमी लोग कच्छा पहन कर नहाते हैं तो वो बेहूदगी नहीं होती? उनके बारे में भी कुछ बोलना चाहिए।

1956 से पहले पिता की मृत्यु हुई तो बेटी को संपत्ति में हिस्सा नहीं: छग हाईकोर्ट

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि यदि पिता की मृत्यु 1956 से पहले हुई है, तो बेटी को उनकी पैतृक संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलेगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 से पहले मिताक्षरा कानून लागू होगा। यह फैसला सरगुजा जिले की रघमनीया के मामले में आया, जिन्होंने 2005 में अपने पिता की संपति में हिस्सा मांगा था। उनके पिता सुधिन की मृत्यु 1950-51 में हुई थी। निचली और अपील अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 13 अक्टूबर को जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने फैसला बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि 1956 से पहले मिताक्षरा कानून के तहत केवल बेटे को संपत्ति मिलती थी। बेटी को अधिकार तभी मिलता, जब कोई बेटा न हो। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि 1956 से पहले की संपत्ति पुरुष उत्तराधिकारियों को मिलती थी। चूंकि रघमनीया के पिता की मृत्यु 1956 से पहले हुई और उनके एक बेटे थे, इसलिए रघमनीया को हिस्सा नहीं मिलेगा। यह

फैसला पुरानी संपत्ति पर बेटियों के दावों को स्पष्ट करता है।

यह मामला सरगुजा जिले की रहने वाली रघमनीया का है, जिन्होंने 2005 में अपने पिता की पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगते हुए दीवानी वाद दायर किया था। उनके पिता, सुधिन की मौत करीब 1950-51 में हुई थी. उन्होंने कहा कि वह अपने पिता की संपत्ति की कानूनी उत्तराधिकारी हैं, लेकिन निचली अदालत और अपील अदालत दोनों ने उनकी याचिका खारिज कर दी। 13 अक्टूबर को जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की बेंच ने इन फैसलों को बरकरार रखते हुए कहा कि अगर कोई हिंदू पुरुष, जो मिताक्षरा कानून के अधीन है, 1956 से पहले मरता है, तो उसकी संपत्ति केवल पुत्र को मिलेगी. बेटी को अधिकार तभी मिलेगा जब कोई बेटा न हो। कोर्ट ने इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के दो बड़े फैसलों का हवाला भी दिया अर्शनूर बनाम हरपाल कौर 2020 और एक अन्य केस, जिसमें कहा गया था कि 1956 से पहले विरासत में मिली संपत्ति का हक केवल पुरुष उत्तराधिकारियों को ही मिलेगा। चूंकि रघमनीया के पिता की मौत 1956 से पहले हुई थी और वह अपने पीछे एक बेटा छोड़ गए थे, इसलिए अदालत ने कहा कि रघमनीया को संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं बनता। हाईकोर्ट ने निचली अदालतों के फैसलों को सही ठहराते हुए कहा कि उन्होंने "कानून का सही अनुप्रयोग" किया है। यह फैसला उन तमाम मामलों पर रोशनी डालता है जहां बेटियां अपने पिता की पुरानी संपत्ति पर दावा करती हैं। अब साफ है 1956 से पहले हुई मौतों के मामलों में बेटी का हक लागू नहीं होगा।

ज्ञानवापी विवाद : सीलिंग कपड़ा बदलने पर जिला अदालत ले सकती है फैसला

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी जिला न्यायालय ज्ञानवापी स्थल के संबंध में एक अहम फैसला सुना सकती है, जहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वेक्षण के दौरान कथित तौर पर एक शिवलिंग पाया गया था। इस सुनवाई में यह तय होने की उम्मीद है कि विवादित क्षेत्र को ढकने वाले खराब हो चुके सीलिंग कपड़े को बदला जाना चाहिए या नहीं। ज्ञानवापी परिसर में कोर्ट के आदेश पर हुई सर्वेक्षण में शिवलिंग मिलने के बाद उस क्षेत्र को सील कर दिया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सील किए गए हिस्से में मौजूद मछलियों को वुजूखाने में स्थानांतरित किया जाए, लेकिन अब, सीलिंग कपड़ा पूरी तरह खराब हो चुका है। ऐसे में, वाराणसी जिला अदालत से उम्मीद है कि वह क्षेत्र की सुरक्षा बनाए रखने और विवादों को रोकने के लिए नया कपड़ा लगाकर दोबारा सील करने का फैसला लेगी। बता दें 12 सितंबर 2022 को वाराणसी जिला न्यायालय ने विवादित परिसर में हिंदू देवी-देवताओं की दैनिक पूजा-अर्चना की अनुमति मांगने वाली पांच हिंदू महिलाओं की याचिका पर आपत्तियों को खारिज कर दिया था। आदेश में स्थल की धार्मिक पहचान पर प्रश्न उठाने वाली सुनवाई जारी रखने की अनुमति दी गई, जिससे प्रभावी रूप से पूजा स्थल के बारे में चर्चा पुनः शुरू हो गई, यह कानून पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को उसी रूप में बनाए रखने के लिए बनाया गया था, जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में थे। यह मामला अगस्त 2021 में शुरू हुआ, जब पांच हिंदू महिलाओं ने वाराणसी सिविल कोर्ट में एक याचिका दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर कथित रूप से स्थित मूर्तियों की पूजा करने की अनुमति मांगी। याचिका के बाद, एक जांच आयोग ने मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण किया, जिसमें हिंदू याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि वजूखाना के अंदर एक शिवलिंग था।

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब को लेकर जो कहा वह बर्दाश्त नहीं कर सकते

-आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल खट्टर के संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब के लिए जो बातें कही हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। खट्टर का बयान सिर्फ एक नेता का बयान नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दलित विरोधी सोच और नफरत को दिखाता है। आप प्रवक्ता ढांडा ने कहा कि बाबा साहब को संविधान निर्माता के रूप में छोटा दिखाने की कोशिश सीधा-सीधा दलित समाज का अपमान है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का इतिहास बाबा साहब और दलित समाज के अपमान से भरा पड़ा है। संसद में आंबेडकर को ट्रेंड बताकर उनका मजाक उड़ाया गया। संविधान बदलने की बात कर उनके बनाए संविधान को कुचलने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं दलित समाज से आने वाले जज पर हमला कर उन्हें बदनाम करने की मुहिम चलाई गई।

उन्होंने कहा कि अब केंद्रीय मंत्री खट्टर ने बाबा साहब की भूमिका पर सवाल उठाकर वही बीजेपी की गंदी सोच दोहरा दी है। आप नेता अनुराग ढांडा ने कहा कि खट्टर की सोच बेहद घटिया और नफरत से भरी हुई है। हरियाणा में मुख्यमंत्री रहते हुए खट्टर ने दलित समाज को कमजोर करने, बांटने और उनके अधिकारों को खत्म करने की हर कोशिश की। उन्होंने कहा कि अब वह (खट्टर) बाबा साहब पर टिप्पणी कर अपनी छोटी मानसिकता और बीजेपी की विचारधारा को सामने ले आए हैं।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल, कहा- भारत की धर्मनिरपेक्षता का ध्यान रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लागू धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि इस कानून के जरिए धर्म बदलने की इच्छा रखने वालों के लिए प्रक्रिया को जटिल किया गया है। इन सबके बाद भी हमें ये ख्याल रखना होगा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी अधिकारियों की भागीदारी और हस्तक्षेप पर चिंता जताई। पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह कानून धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी की दखलअंदाजी बढ़ाने के लिए बनाया गया है। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस कानून की वैधता पर अभी विचार नहीं किया जा सकता। पीठ ने याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से धर्म परिवर्तन कर सकता है। पीठ ने कहा कि इस मामले में उत्तर प्रदेश धर्मांतरण

अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता पर विचार करना हमारे क्षेत्र में नहीं है। फिर भी, हम यह मानने से खुद को रोक नहीं सकते कि धर्म परिवर्तन से पहले और बाद में घोषणा से संबंधित नियम व्यक्ति के लिए धर्म परिवर्तन की औपचारिकता को जटिल करते हैं। यह स्पष्ट है कि इन नियमों के जरिए धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में अधिकारियों का हस्तक्षेप बढ़ाया गया है। यहां तक कि जिला मजिस्ट्रेट को प्रत्येक धर्म परिवर्तन मामले में पुलिस जांच का निर्देश देने के लिए बाध्य किया गया है। न्यायालय ने धर्म परिवर्तन के बाद घोषणा की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए। कोई व्यक्ति किस धर्म को अपनाता है, यह उसका निजी मामला है। इस संबंध में घोषणा की बाध्यता निजता के खिलाफ है। यह विचारणीय है कि किसी को यह बताने की क्या जरूरत है कि उसने धर्म परिवर्तन किया और अब वह किस धर्म को मानता है। इस पर विचार करना होगा कि क्या यह नियम निजता के प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता। राज्य में धर्म परिवर्तन की जटिल प्रक्रिया को लेकर पीठ ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना और धर्मनिरपेक्ष प्रकृति पर ध्यान देना जरूरी है। न्यायालय ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे इसकी महान और दिव्य दृष्टि के आधार पर पढ़ा जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि हालांकि 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 1976 में संशोधन के माध्यम से संविधान में जोड़ा गया, फिर भी धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है, जैसा कि 1973 के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के फैसले में कहा गया था।

पाकिस्तान में बैठी 'शातिर हसीना' ने भारतीय अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कई हनीट्रैप कांड हो चुका है। ये हरकत पाकिस्तान ने ही करवाई थी, जिसमें एक 'शातिर हसीना' का नाम सामने आया था। इस हसीना ने भारत के बड़े-बड़े पदों पर बैठे 98 अधिकारियों को फंसाया था। ये जासूस इतनी चालाकी से काम करती थी कि किसी को कानों-कान खबर तक नहीं होती थी। फिर एक दिन शातिर हसीना की पोल खुली और सामने आया कि वो किस तरह अपने मिशन को अंजाम देती थी। ये पाकिस्तानी स्पाई असल में एक हैकर थी, जो ऑनलाइन अपने शिकार को फंसाती थी। इस शातिर हसीना का नाम सेजल कपूर था। इस स्पाई ने भारतीय रक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों को टारगेट किया था। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ये काम पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) से जुड़े उन पाकिस्तानी जासूसों का था, जो भारतीय लड़कियों के नाम से फेसबुक आईडी बनाते थे, जिसमें से एक का नाम सेजल कपूर था। सेजल तीन सालों तक एक्टिव थी और इस दौरान उसने 98 भारतीय अधिकारियों को फंसाया, जिसमें से आर्मी, नेवी, एयरफोर्स, पुलिस विभाग में काम करने वाले ऑफिशियल्स शामिल थे। साल 2015 से 2018 के बीच मिशन के दौरान वह ऑनलाइन चैटिंग करते-करते अधिकारियों के कंप्यूटर्स को हैक करती थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चैटिंग के दौरान वह शिकार को 'विस्पर' नाम का मैसेंजर डाउनलोड करने के लिए कहती थी, जो असल में एक मैलवेयर है। इस चैट करने के लिए एक कोड का इस्तेमाल किया जाता था, जो सेजल को जाता था। सॉफ्टवेयर और कोड के जरिए वह सारा डेटा हैक कर लेती थी।

राज्यसभा चुनाव में एनसी उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे कांग्रेसी विधायक

तीन सीटों पर एनसी प्रतिद्वंदी को तो चौथी पर बीजेपी को मिल सकती है बढ़त

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सभी कांग्रेस विधायक राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) की गुरुवार देर शाम श्रीनगर में हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया था। एनसी को समर्थन देने के अपने फैसले की घोषणा करके, कांग्रेस ने पार्टी के साथ अपने राजनीतिक गठबंधन की पुष्टि की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने घोषणा की कि सभी छह कांग्रेस विधायक एनसी उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करेंगे।

बैठक के बाद कर्रा ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी को हराना कांग्रेस-एनसी गठबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ हमारा गठबंधन मजबूत और सैद्धांतिक है। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि इन चुनावों में बीजेपी को हार का सामना करना पड़े। राज्यसभा चुनाव गठबंधनों की ताकत की परीक्षा लेगा और पार्टियों में किसी

भी दरार को उजागर कर सकता है। दोनों पक्ष निर्णायक दिन के लिए तैयार हैं; अब सबकी नजरें आंकड़ों पर हैं। एनसी ने चार उम्मीदवार उतारे हैं जिनमें मोहम्मद रमजान चौधरी, सज्जाद किचलू, शमी ओबेरॉय और इमरान नबी डार। वहीं बीजेपी ने तीन सीटों के लिए तीन उम्मीदवार उतारे हैं। चौथी सीट के लिए बीजेपी ने अपने केंद्र शासित प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा को मैदान में उतारा है। एनसी को तीन सीटों पर प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त है, जबकि चौथी सीट पर बीजेपी को एनसी गठबंधन पर बढ़त है, 28 वोटों के मुकाबले एनसी के 24 वोट। पीडीपी ने तीसरी सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन देने की घोषणा की है। 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सभी निर्वाचित विधायक राज्यसभा चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं। ये चुनाव करीब 10 सालों के बाद हो रहे हैं और फरवरी 2021 के बाद जम्मू-कश्मीर में कोई सक्रिय विधानसभा नहीं होने के कारण ये चुनाव नहीं हो पाए थे।

जयशंकर ने यूएन को दिखाया आइना... सुरक्षा परिषद का एक सदस्य देश आंतक का समर्थक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की आतंकवाद के प्रति प्रतिक्रिया पर सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा कि जब सुरक्षा परिषद का एक सदस्य देश खुलेआम उस संगठन की रक्षा करता है, जो भारत में पहलगाम जैसे बर्बर आतंकी हमलों की जिम्मेदारी लेता है, तब इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर गहरा असर दिखाता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तब इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है।

केंद्रीय मंत्री जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के लिए, आतंकवाद के प्रति उसकी प्रतिक्रिया एक बड़ा उदाहरण है। उन्होंने चिंता जाहिर कि सुरक्षा परिषद का एक स्थायी सदस्य खुले तौर पर उन संगठनों का

बचाव करता है जो पहलगाम जैसे भयानक आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी लेते हैं।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा, हमें मानना होगा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है। इसकी निर्णय प्रक्रिया न इसके सदस्यों को प्रतिबिंबित करती है और न ही वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करती है। इसकी बहसें तेजी से ध्रुवीकृत हो गई हैं और इसका कामकाज स्पष्ट रूप से अवरुद्ध हुआ है। किसी भी सार्थक सुधार को सुधार प्रक्रिया के माध्यम से ही बाधित होता है। अब, वित्तीय बाधाएं एक अतिरिक्त चिंता के रूप में उभरी हैं। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के 80वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा कि दुनिया आज कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें सामाजिक-आर्थिक प्रगति, व्यापारिक नियम और सप्लाई चेन पर निर्भरता शामिल है। उन्होंने कहा कि इन मुश्किलों के बावजूद, बहुपक्षवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत रहनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र का समर्थन किया जाना चाहिए।

दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार ने महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में महिला कर्मचारी अब दुकानों और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में रात में काम कर सकेंगी। दिल्ली सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इसकी औपचारिक मंजूरी दे दी है। हालांकि, इसके लिए महिला कर्मचारियों की लिखित सहमति अनिवार्य होगी।

दिल्ली सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर कर्मचारी को ओवरटाइम पर सामान्य वेतन का दोगुना भुगतान मिलेगा और साप्ताहिक कार्य की अधिकतम सीमा 48 घंटे तय की गई है। इसके साथ ही सभी प्रतिष्ठानों में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाना भी अनिवार्य किया गया है।

महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति देने के प्रस्ताव को साल की शुरुआत में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजूरी दी थी। इसके बाद श्रम विभाग ने दिल्ली दुकानदार एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम, 1954 में दो नए प्रावधान जोड़े हैं, जो महिलाओं की नियुक्ति और उनके कार्य की शर्तों से संबंधित हैं। महिला कर्मचारियों को नाइट शिफ्ट में तभी लगाया जा सकेगा जब वे इसके लिए लिखित रूप से सहमत हों। कोई भी कर्मचारी किसी भी दिन 9 घंटे से अधिक (भोजन-विश्राम सहित) और सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं कर सकेगा। लगातार 5 घंटे से ज्यादा काम करवाने की अनुमति नहीं होगी। नाइट शिफ्ट या ओवरटाइम करने वाले कर्मचारियों के लिए सुरक्षा, परिवहन और उपयुक्त सुविधाओं की व्यवस्था नियोक्ता को करनी होगी। ओवरटाइम का भुगतान दोगुना वेतन दर पर किया जाएगा। शिफ्ट प्रणाली इस तरह बनाई जाएगी कि किसी भी कर्मचारी को सिर्फ नाइट शिफ्ट में ही काम करने के लिए मजबूर न किया जाए। सुरक्षा और निगरानी के लिए भी प्रावधान नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर प्रतिष्ठान जहां महिलाएं कार्यरत होंगी, वहां यौन उत्पीड़न रोकथाम कानून, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की जाएगी। साथ ही इमारत के सभी वर्क प्लेस में सीसीटीवी लगाए जाएंगे और उनकी फुटेज कम से कम एक महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर यह रिकॉर्डिंग मुख्य निरीक्षक (श्रम विभाग) को प्रस्तुत करनी होगी।